बालाघाट
सोमवार 21 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 296
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

अमृतसर में 80 करोड़ की हेरोइन जब्त

अमृतसर। पंजाब में नशा तस्करी के खिलाफ चल रही मुहिम को बड़ी कामयाबी मिली है। नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने अमृतसर के छेहर्टा इलाके में एक युवक को 15 किलो 400 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त की गई हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 80 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रभजीत सिंह पुत्र कवलजीत सिंह, निवासी गांव मोदे, हलका अटारी, अमृतसर के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, वह स्विफ्ट कार से पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगवाई गई हेरोइन को लेकर अमृतसर की ओर जा रहा था। रास्ते में पुलिस ने गाड़ी रोकी और तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद की। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और नेटवर्क की कडियां जोडने् में जुटी है।

बब्बर खालसा के 3 सदस्य गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में काउंटर इंटेलिजेंस पटियाला और स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल मोहाली की संयुक्त कार्रवाई में बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों पर 1 अप्रैल 2025 को पटियाला के बादशाहपुर और 6 अप्रैल 2025 को हरियाणा के अजीमगढ़ में पुलिस चौकियों पर ग्रेनेड हमलों में शामिल होने का आरोप है। इस बारे में पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने खुद जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर गिरफ्तारी की पुष्टि की और इसे पंजाब पुलिस की बड़ी कामयाबी बताया है। आरोपियों से पुलिस को हैंड ग्रेनेड और 2 पिस्तौल (.30 बोर और .32 बोर) बरामद हुए हैं।

बीएसएफ ने पाक घुसपैठिए को पकड़ा

फिरोजपुर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की 155वीं बटालियन के सतर्क जवानों ने शनिवार को एक पाकिस्तानी नागरिक को भारतीय सीमा में घुसपैठ करते हुए पकड़ लिया। यह घटना बॉर्डर आउट पोस्ट केएमएस वाला जिला फिरोजपुर के नजदीक घटी। जहां बीएसएफ जवानों ने उसे संदिग्ध गतिविधियों के दौरान दबोच लिया। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, बीओपी के पास स्थित बॉर्डर पिलर नंबर 190/4 के निकट तैनात जवानों ने बाड़बंदी के पार कुछ संदिग्ध हलचल देखी। जवानों ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए घुसपैठिए को ललकारा, लेकिन वह बिना रुके आगे बढ़ता रहा। कुछ ही पलों में वह लगभग 80 मीटर भारतीय क्षेत्र के भीतर प्रवेश कर गया, जिसके बाद बीएसएफ ने उसे दबोच लिया।

सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के साथ कई मुद्दों पर हुई चर्चा...

संसद का मॉनसून सत्र आज से...

पहलगाम, बिहार में वोटर लिस्ट नए सिरे से बनाने सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरेगा विपक्ष...भाजपा बोली हर सवाल का देंगे जवाब

नई दिल्ली। संसद का मॉनसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष की तैयारियों को देखकर लग रहा है कि सत्र हंगामेदार रहेगा। पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर से लेकर एअर इंडिया प्लेन कैंश, बिहार में वोटर लिस्ट नए सिरे से बनाने आदि कई मुद्दों पर विपक्ष सरकार को घेरेगा। मानसून सत्र में इन्हीं मुद्दों पर हंगामा होना तय है। वहीं मॉनसून सत्र से पहले करीब डेढ़ घंटे चली सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात की और बताया कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन यह चर्चा संसद के नियमों के तहत ही होगी। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी बहस से पीछे नहीं हटेगी।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि बैठक में सरकार ने सभी राजनीतिक दलों की बातें सुनीं। विपक्ष की मांग थी पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा के वक्त पीएम मोदी भी सदन में मौजूद रहें। इस पर रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में मौजूद रहते हैं, भले ही वे सीधे बहस में हिस्सा न लें, लेकिन वे हमेशा संसद परिसर में मौजूद रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष की तरफ से उठाए गए सवालों के जवाब सरकार सदन में बहस के दौरान देगी। उन्होंने कहा कि सरकार संसद में बहस के दौरान विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देगी। मीडिया के सवालों पर उन्होंने कहा कि हम यहां बाहर हर बात का जवाब नहीं दे सकते। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद सुचारू रूप से चले, यह सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। कई छोटी पार्टियों को संसद में बोलने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता... हम इस पर भी गौर करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर और विदेशी नीति पर सवाल

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। इसके बाद से विपक्ष बार-बार भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाता रहा है। इस ऑपरेशन में भारत को हुए नुकसान की जानकारी मांग रहा है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस और ढ्ढह्लष्ठढ्ढ्र ब्लॉक सरकार से सवाल पूछने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि करगिल युद्ध की तरह ऑपरेशन सिंदूर पर भी संसद में चर्चा होनी चाहिए।

सत्र में रखे जाएंगे 17 बिल

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया कि सरकार ने अब तक 17 बिल तैयार किए हैं, जो मॉनसून सत्र में संसद के पटल पर रखे जाएंगे। इनमें देश की भू-विरासत और पुराने अवशेषों की सुरक्षा से जुड़ा एक अहम बिल भी शामिल है। जो विधेयक लाए जाएंगे, उनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक प्रमुख हैं।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव

जब केंद्रीय मंत्री रिजिजू से जस्टिस वर्मा के महाभियोग को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि यह फैसला सिर्फ सरकार नहीं कर सकती। इसमें सभी राजनीतिक दलों की भूमिका जरूरी है। जस्टिस वर्मा के घर से भारी मात्रा में कैश मिले थे, जिनमें भारी मात्रा में नोट जले हुए पाए गए थे। इसको लेकर विपक्ष लगातार महाभियोग की मांग करता रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार जस्टिस वर्मा के खिलाफ सदन में महाभियोग लाएगी। इसको लेकर 100 से ज्यादा सांसदों की सहमति आई है। उन्होंने साइन किए हैं।

सदन में चर्चा के लिए विपक्ष की मांगें और मुद्दे

विपक्ष ने इस सत्र में जिन अहम मुद्दों पर चर्चा की मांग की है, उनमें प्रमुख हैं-पहलगाम और वहां के उपराज्यपाल द्वारा दिए गए बयानों को लेकर विपक्ष ने सदन में चर्चा की मांग की है। अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा भारत-पाकिस्तान को लेकर दिए गए ताजा बयान को लेकर भी विपक्ष की मांग है कि सदन में चर्चा हो। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन चल रहा है और इस बीच विपक्ष ने सदन में वोट देने के अधिकार को लेकर भी चर्चा की मांग की है। विपक्षी दलों ने मीटिंग के दौरान चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ सीमा पर बनाए गए टू-फ्रंट एक्सिस पर भी चर्चा की मांग रखी है। उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर के हालात पर भी विपक्ष की मांग है कि इस मुद्दे पर सदन में चर्चा हो।

पहलगाम आतंकी हमला और इससे जुड़ी जांच

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले को 3 महीने होने वाले हैं। इस हमले में आतंकियों ने 26 भारतीयों की हत्या कर दी थी। अब तक हमले में शामिल आतंकियों का पता नहीं चला है। ऐसे में विपक्ष पहलगाम हमले और इसकी जांच में नाकामी का मुद्दा उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा।

एअर इंडिया विमान हादसा

12 जून, 2025 को अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान क्रैश होने से 260 लोगों की मौत हो गई थी। अब हादसे की वजह, जांच और पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की शुरुआती जांच रिपोर्ट पर भी सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस और बाकी विपक्षी पार्टियां विमान हादसे की जिम्मेदारी पर सवाल उठाएंगी।

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन

बिहार में साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग यहां वोटर लिस्ट को नए सिरे से तैयार करने के लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का अभियान चला रहा है। संसद में सबसे ज्यादा हंगामा इसी पर हो सकता है। इस मुद्दे पर विपक्षी पार्टियां क्छ्क्क के खिलाफ एकजुट हो सकती हैं। विपक्ष ने चुनाव आयोग के काम में अनियमितता और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया है। उसका दावा है कि इस प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मिलकर इस मुद्दे पर सरकार को घेरेंगे।

ट्रंप के दावे और पहलगाम मुद्दे को उठाएगा विपक्ष

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई सोमवार से शुरू होने जा रहा है। इससे पहले आज रविवार को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें विभिन्न दलों के नेताओं ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य संसद सत्र को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी दलों से सहयोग प्राप्त करना था। बैठक में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समेत केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्री और एनडीए व विपक्ष के सांसद शामिल हुए हैं। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा और इस दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा व पारित किए जाने की योजना है। यहां बैठक में पहुंचे कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि उनकी पार्टी इस सत्र में कई संवेदनशील मुद्दों को उठाएगी। इनमें पहलगाम की घटनाएं, सीमा पर संघर्ष, डोनाल्ड ट्रंप का भारत-पाक सीजफायर दावा और बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं।

वकीलों को तलब किए जाने पर आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कल 21 जुलाई सोमवार को वकीलों को जांच एजेंसियों द्वारा तलब किए जाने से जुड़े अहम मामले पर सुनवाई करेगा। यह मामला उच्चतम न्यायालय ने स्वयं संज्ञान में लिया है और इससे वकील-मुवक्किल विशेषाधिकार जैसे संवेदनशील कानूनी मुद्दे जुड़े हैं। सुनवाई प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ के समक्ष होगी।

मामले की पृष्ठभूमि में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सुप्रसिद्ध वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को समन जारी करना शामिल है। दोनों वकीलों ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की पूर्व अध्यक्ष रश्मि सलूजा को उनके खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के संदर्भ में कानूनी सलाह दी थी, जिसके आधार पर ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया।

ट्रंप के भारत-पाक सीजफायर दावे पर उपराष्ट्रपति धनखड़ का तीखा जवाब- दुनिया की कोई ताकत हमें निर्देश नहीं दे सकती

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच कथित सीजफायर कराने के दावे पर अब देश के उपराष्ट्रपति धनखड़ की ओर से कड़ा जवाब आया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और दुनिया की कोई भी ताकत भारत को यह निर्देश नहीं दे सकती कि उसे अपने मामलों को कैसे संभालना है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दिल्ली में भारतीय रक्षा संपदा सेवा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा, कि लोगों को बाहरी नैरेटिव से प्रभावित नहीं होना चाहिए। भारत में सभी निर्णय उसके शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत आपसी सहयोग और परस्पर सम्मान के आधार पर दूसरे देशों से संवाद करता है, लेकिन निर्णय लेने में वह पूरी तरह स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि, हम अपने फैसले खुद लेते हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने अपने बयान में क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा, हर खराब गेंद को खेलना जरूरी नहीं है। जो बल्लेबाज रन बनाता है, वह अक्सर लुभाने वाली खराब गेंदों को छोड़ देता है। जो उन्हें खेलता है, उसके लिए विकेटकीपर और स्लिप में फील्डर होते हैं। इस तरह, उपराष्ट्रपति ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अपनी संप्रभुता और नीति निर्माण में पूरी तरह स्वतंत्र है और विदेशी नेताओं के दावों से उसकी स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ता।

यह बयान ऐसे समय पर आया है जब विपक्ष लगातार केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है कि क्या वाकई भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम अमेरिकी मध्यस्थता से हुआ है, जैसा कि ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं।

राष्ट्र सर्वोपरि है, पार्टी सिर्फ राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक माध्यम- थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सांसद शशि थरूर ने हाल ही में कोच्चि में एक कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के साथ अपनी असहमति और देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर खुलकर बात की। कार्यक्रमें एक एक छात्र द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में थरुर ने कहा कि उनकी पहली वफादारी पार्टी नहीं बल्कि देश की है। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है क्योंकि यह कांग्रेस के अंदर चल रही विवाद की गूंज है।

छात्र ने सवाल किया कि क्या वह अपनी पार्टी के साथ असहज महसूस करते हैं। इस पर थरूर ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी निष्ठा देश के प्रति है। राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है लेकिन देश की सुरक्षा और भलाई सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को अपने-अपने मतभेद हो सकते हैं। कोई ज्यादा पूंजीवाद का समर्थन करता है तो कोई समाजवाद का। कुछ लोग ज्यादा नियामक नियंत्रणों के पक्ष में होते हैं और कुछ इसके खिलाफ, लेकिन यह सब मतभेद होते हुए भी अंततः सभी दलों का उद्देश्य एक बेहतर, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाना होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि 卐राष्ट्र सर्वोपरि है卐 और पार्टी सिर्फ राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक माध्यम है।

थरूर का यह बयान उस समय आया जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस के भीतर अंदर थे। थरूर ने इस ऑपरेशन और राष्ट्रीय सुरक्षा के मसलों पर केंद्र सरकार का समर्थन किया, जबकि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने सरकार के रुख पर सवाल उठाए हैं। इस पर पार्टी के अंदर तनाव बढ़ गया और थरूर की आलोचना होने लगी। इसके बावजूद थरूर ने अपना रुख मजबूत रखा। थरूर ने कहा कि जब देश संकट में हो तो राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर देना चाहिए। उनकी यह बात सिर्फ कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि सभी राजनीतिक दलों के लिए थी। उन्होंने कहा कि भारत की संसद में 46 राजनीतिक दल हैं और कुछ मामलों पर सभी का एकजुट होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश के हित में सभी दलों को साथ आना होगा ताकि सीमाएं सुरक्षित रहें और देश सुरक्षित रहे।

कांग्रेस नेता थरूर ने भारत के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू की एक प्रसिद्ध पंक्ति का उल्लेख किया- 卐अगर भारत मर गया तो कौन बचेगा।卐 उन्होंने कहा कि यह बात राजनीति में भी याद रखनी चाहिए।

90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले समाज के बच्चों का पंवार क्षत्रिय संगठन ने किया सम्मान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट द्वारा प्रतिभावान बच्चों का सम्मान समारोह स्थानीय वैद्य लॉन में आयोजित किया गया। यहां पंवार क्षत्रिय संगठन के विभिन्न पदाधिकारी द्वारा इस प्रतिभावान सम्मान समारोह कार्यक्रम की नींव रखते हुए, दसवीं तथा 12वीं में 90प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र , शील्ड देकर सम्मानित किया गया। साथ ही संगठन के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन द्वारा इस पूरे कार्यक्रम को लेकर सामाजिक बन्धुओं सहित छात्र-छात्राओं को समाज में आने वाली समस्याएं और बच्चों के हितों में कार्य करने की बात कही। उन्होंने बच्चों से और अधिक मेहनत कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आवाहन किया है। इस पूरे कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के पेरेंट्स और सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

आपको बता दे कि पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट द्वारा समाज की उदीयमान प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 20 जुलाई रविवार दोपहर 12 बजे से वैद्य लॉन में आयोजीत किया गया । यह समारोह डिस्ट्रीक्ट कमांडेंट स्व. हलधर देशमुख की स्मृति में आयोजित किया गया । इस सम्मान समारोह में माध्यमिक शिक्षा मंडल एवं केंद्रीय विद्यालय संगठन की 10वीं एवं 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले स्वजातीय छात्र-छात्राओं को प्रशस्तिपत्र एवं प्रावीण्य पक्क ट्रॉफी सम्मान चिन्ह से सम्मानित किया गया । मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के पूर्व अध्यक्ष एवं पंवार छात्रावास ट्रस्ट, बालाघाट के प्रबंध ट्रस्टी फत्तूलाल बिसेन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विशाल बिसेन अध्यक्ष जिला पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट द्वारा की गयी । इस अवसर पर समाज की शिक्षाविद विभूतियों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है, जिनमें वाय. एस. पंवार सेवानिवृत्त प्राचार्य, के. एल. भगत सेवानिवृत्त प्राचार्य, एम. सी. पटले सेवानिवृत्त प्राचार्य, आशालता चौहान सेवानिवृत्त प्राचार्य, अमिता तुरकर सेवानिवृत्त व्याख्याता, अलका बिसेन सेवानिवृत्त व्याख्याता शामिल रही । कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 12 बजे से मां सरस्वती, पंवार कुलदेवी मां गढ़कालिका एवं सम्राट भोज पंवार के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं वंदना से की गयी । यह आयोजन समाज के भीतर शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा, प्रेरणा और एकता का वातावरण निर्मित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास था । समाज के ऐसे मेधावी छात्र-छात्राओं का सार्वजनिक मंच से सम्मान करना आने वाली पीढ़ियों को श्रेष्ठता की ओर प्रेरित करेगा।

300 से अधिक बच्चों का सम्मान संगठन द्वारा किया गया है - विशाल बिसेन

पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन द्वारा बताया गया कि आज प्रतिभावान बच्चों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था । इसमें कक्षा दसवीं और कक्षा 12वीं में माध्यमिक शिक्षा मंडल और सीबीसी बोर्ड में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया है। इस बार लगभग 300 से अधिक बच्चों का सम्मान संगठन द्वारा किया गया है । यह बड़ी ही खुशी की बात है कि आज इतनी बड़ी संख्या में बच्चों का सम्मान हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले बच्चों का भी सम्मान किया गया है। जिन्होंने कंपटीशन एग्जाम फाइट किया है और अधिकारी बनकर समाज का मान बढ़ाया है उन प्रतिभाशाली बच्चों का भी सम्मान संगठन द्वारा किया गया है । इसके पूर्व कार्य करने वाली कमेटी को भी विदाई कार्यक्रम में दी गई है । साथ ही जिन समाज के युवा वर्ग द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने सहयोग दिया गया है। उनका भी इस कार्यक्रम के माध्यम से सम्मान किया गया है । साथ ही अब संगठन की कार्यकारिणी और अन्य प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया है। जिसमें अलग-अलग वरिष्ठ जनों को अलग-अलग दायित्व दिए गए हैं । जो संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे । साथ ही जल्द ही समाज में एक फाउंडेशन का भी निर्माण किया जाएगा । समाज के लिए काम करने वाले युवा वर्गों से भी आवाहन किया गया है कि वह समाज के कार्य करने के लिए संगठन से जुड़ सकते हैं।

अध्यक्ष द्वारा पदाधिकारी चयन समिति का गठन किया गया जिसमे जिला संयोजक श्री बाबूलाल राणा, स्थायी सदस्य बी आर भैरम, फत्तूलाल बिसेन,आर सी अमूले,रमेश पटले,आशालता चौहान,निखिल गौतम ,सह संयोजक लता हरिनखेड़े,योगिता बोपचे,गरिमा गौतम,अजय बिसेन,मनोज भैरम,गुणेन्द्र पटले,तपन चौधरी को नियुक्त किया गया है। विभिन्न प्रकोष्ठों के साथ ही राजा भोज फाउंडेशन का गठन किया गया है, साथ ही वर्किंग कमिटी,सदस्यता कमिटी,डेटा संग्रहण एवं विश्लेषण कमिटी और ब्लड डोनेशन कमिटी का सृजन किया गया हैं।

मुख्य अतिथि एफ़ एल बिसेन, अध्यक्षता विशाल बिसेन,विशेष अतिथिगण एम सी पटले,बी एल भगत,वय एस पवार,आशालता चौहान,अमिता तुरकर, अलका बिसेन उपस्थित रहे। मंचासीन बलिराम भैरम,अतिलाल रहंगड़ाले,सूरजलाल गौतम,आर सी अमूले, विक्रम एड़े, टेकचंद बिसेन,रमेश पटले,शेरसिंह बिसेन, निखिल गौतम, तपेश पटले,अजय बिसेन,डॉ राजेंद्र कटरे, निर्मला गौतम, सुलोचना रहंगड़ाले, हीरादेवी देशमुख, योगिता विनय बोपचे, इंदिरा बिसेन, राज हरिनखेड़े, आनंद बिसेन, रामेश्वर बिसेन, केसी चौहान, महेंद्र देशमुख, मनोज भैरम, शैलेंद्र रहंगड़ाले मचासीन रहे, साथ ही योगेश बिसेन, पवन बिसेन,अजय हरिनखेड़े, संजय गौतम,गरिमा गौतम,गायत्री महेंद्र बिसेन, दिलेश्वरी रिनायत, प्रियंका कटरे, भावना चौधरी, रंजना हनवत, सुनीता टेम्भरे, लोकेश रहंगड़ाले, बालक गौतम, अरविंद कटरे, अक्षय कटरे, महेंद्र अमूले,मनीष रहंगड़ाले, तपन चौधरी, सुनील पटले, चेतन पटले, गुणेन्द्र पटले, प्रज्वल रहंगड़ाले, उज्ज्वल रहंगड़ाले, विमल गौतम आदि सैकड़ो स्वजातीयजन उपस्थित रहे।

सरिता केवल सोनेकर बनी जिला सर्ववर्गीय कलार समाज की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिला सर्ववर्गीय कलार समाज की एक आवश्यक बैठक एक निजी संस्थान में आयोजित की गई । यहां समाज के पदाधिकारी द्वारा सर्वसम्मति से श्रीमती सरिता केवल सोनेकर को जिला सर्ववर्गीय कलार समाज की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष बनाया गया। यह आवश्यक बैठक दोपहर 1:00 बजे से नगर के एक प्रतिष्ठित, प्रतिष्ठान में की गई। कई महिला कार्यकारिणी में अलग-अलग महिलाओं को आवश्यक जिम्मेदारियां दी गई। आपको बता दे कि जिला सर्ववर्गीय कलार समाज महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष बनाई गई । श्रीमती सरिता केवल सोनेकर एंव महिला समिति नगर अध्यक्ष अल्का महेंद्र रामटेकर एवं युवा प्रकोष्ठ से नगर उपाध्यक्ष हिमांशु चौकसे को बनाया गया । कार्यक्रम में उपस्थित जिला सर्ववर्गीय कलार समाज के जिलाध्यक्ष राधेलाल दवनेजी, मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष अमृतलाल धुवारेजी, तरुण सेवईवार, सोहनलाल दवने, सूरज दोने, राजेन्द्र साकरे ,सजीव बाबा धुवारे , गुड्डा राय, चन्कांत पिपलेवार,समीर जायसवाल, अभिषेक जायसवाल आशीष गढपाडे, डालेश डहरवाल,श्रीनॉय सेमरे,रोहित केकतीकर, अखिलेश मंडलेकर, धनंजय देशमुख, नेमीचंद सोनेकर, जितेंद्र सेर्वइवार, विक्रम गुप्ता, गोकुल चैतगुरु, संतोष कावरे संदीप तिलासी,ओमप्रकाश सेवईवार, संगीता राय, गरिमा सेवईवार, शोभा सेवईवार, रेखा, संगीता तिलासी, सुरेखा साकरे, अर्चना सोनेकर,मीतु तिलासे, सुनीत,चैतगुरू, गीता डोहरे, कविता दवने, अनीता सोनेकर,रंजना पशीने, संगीता बिसेन, रूपा दवने, ललित गुप्ता,देवेन्द्रा धुवारे, मीरा धुवारे, मंगला धुवारे, रेवालता सोनेकर, अनिता मेहरबान, गिरजा साढे, उमा तिलासी ।

भक्ति भाव के साथ जारी है कांवड़ यात्रा

वार्ड नं 7 गौरी देव मंदिर से लांजी कोटेश्वर धाम के लिए निकाली गई कांवड़ यात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है।खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवार के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है।शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथाएं की जाती है। जिसका एक नजारा आए दिनों की तरह रविवार को भी नगर में देखने को मिला। जहां पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए हर साल की तरह इस साल भी नगर के वार्ड नं 7 गौरी देव मन्दिर से विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई।नगर से लांजी कोटेश्वर धाम के लिए निकाली गई यह कावड़ यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए लांजी कोटेश्वर धाम के लिए रवाना हुई। इस कावड़ यात्रा में श्रद्धालुओं का भारी हुजूम देखने को मिला और कावड़िए झूमते नाचते गाते हुए इस यात्रा में शामिल हुए।बताया गया कि सोमवार को लांजी कोटेश्वर धाम पहुंचकर श्रद्धालु भक्तो द्वारा कावड़ का जल भगवान भोलेनाथ को अर्पित किया जाएगा। वही द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप, और रुद्राभिषेक किया जाएगा। वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि में भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया जाएगा।

किरनापुर के स्काउट गाइड दल ने कोटेश्वर धाम मे हाईक आयोजित कर मनाया हरियाली महोत्सव

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के स्काउट गाइड दल द्वारा हाइक आयोजन करते हुए कोटेश्वर धाम लांजी में हरियाली महोत्सव मनाकर संपन्न किया गया । शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के प्राचार्य अनिता तारन के निर्देशन में स्काउट मास्टर मकबुल मोहम्मद कुरेशी एवं गाईडर वंदना पटले के सहयोग से एवं प्रभारी घनश्याम रामटेके के अथक प्रयास से हाइक कार्यक्रम रखा गया । आज दिनांक 20/07/2025 को प्रात: 9 बजे प्रधान पाठक मानिकचंद वट्टी एवं एवम् स्काउट मास्टर मकबुल मोहम्मद कुरेशी द्वारा हरी झंड़ी दिखा कर स्काउट गाइड को हाइक के लिए रवाना किया गया । ठीक 11बजे कोटेश्वर धाम लांजी पहुंचे दर्शन करने के पश्चात नाश्ता कर हरियाली महोत्सव कार्यक्रम संपन्न किया गया जिसमे सभी स्काउंट गाइड ने पेड़ लगाए इस हरियाली महोत्सव कायकर्म में किरनापुर लांजी विधायक राजकुमार कराहे , भूतपूर्व विधायक नानो कावरे परसवाड़ा, एवम् भूतपूर्व विधायक रमेश भटेरे लांजी की उपस्थिथि में संपन्न किया गया। इसके पश्चात काली माई मंदिर लांजी का किला बावली और गायत्री मंदिर में भजन कीर्तन किया गया और स्काउट गाइड प्रवचन सुना और गायत्री मंदिर में नाश्ता किया गया । इसमें 32 स्काउट गाइड ने भाग लिया गया इसमें स्काउट मास्टर उपेन्द्र आगडे , दीपांकर भार्गव और दल नायक निखलेश देशमुख का सहयोग सराहनीय रहा । हाइक के दौरान स्काउट गाइड में आंनद का माहोल बना रहा स्काउट मास्टर मकबूल मोहम्मद कुरेशी का योगदान कबीले तारीफ रहा हाइक शाम 5 बजे उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर मे पहुच गई। और स्काउट गाइड घर प्रस्थान के लिए चले गए।हाइक आंनद दायक प्रेरणा दायक और मनोरंजक थी।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के स्काउट गाइड छात्रों ने किया कोटेश्वर धाम सहित ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के स्काउट गाइड छात्रों ने 20 जुलाई 2025 को हाइक कार्यक्रम के तहत लांजी के प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम, ऐतिहासिक किला, बावली, माँ काली मंदिर, और गायत्री मंदिर का भ्रमण किया। प्राचार्य अनिता तारन के निर्देशन में स्काउट मास्टर मकबुल मोहम्मद कुरैशी, गाइडर वंदना पटले, और प्रभारी घनश्याम रामटेके के प्रयासों से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे प्रधान पाठक मानिकचंद वट्टी और स्काउट मास्टर मकबुल मोहम्मद कुरैशी ने हरी झंडी दिखाकर 32 स्काउट गाइड छात्र-छात्राओं को हाइक के लिए रवाना किया। कोटेश्वर धाम पहुंचकर छात्रों ने कोटेश्वर नाथ के दर्शन किए और गणमान्य नागरिकों के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार कराहे, जिला अध्यक्ष भाजपा व पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, लांजी मंडल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, और अन्य नागरिक उपस्थित रहे। भ्रमण दल ने माँ काली मंदिर, ऐतिहासिक किला, और बावली का दौरा किया। गायत्री मंदिर में भजन-कीर्तन में भाग लिया और मंदिर के कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस हाइक में स्काउट मास्टर उपेंद्र आगडे, दल नायक निखलेश देशमुख, दीपांकर भार्गव (जिला समन्वयक, क्लाइमेट चेंज प्रोजेक्ट), विनोद मुरकुटे, अमन नरताम, खुमेश हनोते, शिवानी खानोरकर, और राशु कोठारे का सराहनीय सहयोग रहा। छात्र-छात्राओं ने इस भ्रमण के दौरान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जानकारी प्राप्त की और उत्साहपूर्वक इस प्रेरणादायक यात्रा का आनंद लिया।

नगर परिषद लांजी के तत्वावधान में अमृत हरित महाभियान के तहत 120 पौधों का किया रोपण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी के मार्गदर्शन में 19 जुलाई 2025 को नगरीय क्षेत्र लांजी में पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के सपने को साकार करने के उद्देश्य से अमृत हरित महाभियान के तहत एक भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 01 के कोटेश्वर मंदिर परिसर और वार्ड क्रमांक 06 के शनिदेव मंदिर परिसर में कुल 120 पौधों का रोपण किया गया। रोपित पौधों में बेलपत्र, समीपत्र, आम, पीपल, जाम, केला, नारियल और नीम जैसे पर्यावरण के लिए लाभकारी वृक्ष शामिल थे। इस पौधरोपण कार्यक्रम में नगर के स्व-सहायता समूहों, स्थानीय नागरिकों और नगर परिषद के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्रीमती वंदना भार्गव और रनदिप वराडे के नेतृत्व में श्रीमती जैवंती कचवाहे, मचलेश चोरवाडे, शैलेंद्र दुरुगकर, श्रीमती सुरेखा चोरवाडे और श्रीमती पूजा श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम की विशेषता रही स्थानीय निवासी श्रीमती कल्पना मुकेश मानकर और उनके परिवार की जनभागीदारी। उन्होंने स्वेच्छा से पौधों का दान किया और पौधरोपण कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस पहल ने सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को और अधिक मजबूत किया। नगर परिषद लांजी के इस प्रयास ने न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, बल्कि स्थानीय समुदाय को हरियाली बढ़ाने और वृक्षों के महत्व को समझने के लिए प्रेरित भी किया। यह कार्यक्रम अमृत हरित महाभियान के तहत नगर को हरा-भरा बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल साबित हुआ। नगर परिषद ने भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को जारी रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट म.प्र.

ईस्तहार

रा.प्र.क्रमांक.००१६/ड.१५४/२०२५-२६

मौजा चुटिया तहसील खैरलांजी

एतद द्वारा आम जनता ग्राम चुटिया प.ह.न. तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका छोटेलाल पिता/पति चतरू जाति लोधी निवासी चुटिया तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट द्वारा इस न्यायालय में अपने चतरू पिता/पति /स्वयं/पुत्र/पुत्री मां तूरजा नगपुरे पति चतरू जाति लोधी का दिनांक १८/०८/१९९८ पंजीयन किये जाने वबाद आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। अत: प्रस्तुत आवेदन पत्र के सबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक २३/०७/२०२५ तक स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है, नियत तिथि पश्च्यात प्राप्त आपत्ति अविचारणीय होगी।

जारी दिनांक १७/०६/२०२५

सक्षम प्राधिकारी एवं तहसीलदार खैरलांजी

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

भू अधिग्रहण की प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं है भटेरा के स्थानीय निवासी और व्यापारी

कहा भू अर्जन में किया गया है सौतेला व्यवहार, बैठक कर जनसुनवाई में अपनी समस्या रखने के साथ, मांग पूरी नहीं होने पर चक्का जाम किए जाने की बनाई जा रही रणनीति

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर इन दिनों ओवरब्रिज बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है। भटेरा रोड पर आने वाले भवन, दुकान और मकान को भी संबंधित विभाग के द्वारा भू-अधिग्रहण कर मुआवजा राशि दिए जाने को लेकर भी प्रक्रिया की जा रही है। किंतु जिस प्रकार विभाग ने यहां भू-अधिग्रहण कर सर्वे किया है और मुआवजा राशि दी जा रही है। उससे स्थानीय निवासी संतुष्ट नहीं है। उनका कहना है कि विभाग द्वारा जो प्रक्रिया अपनाई गई है। वह सही नहीं है। यहां पर भू-अधिग्रहण सहित दोनों ओर ली गई भूमि बराबर नही ली गई है। एक ओर भूमि ज्यादा तो दूसरी ओर कम भूमि का भू-अधिग्रहण किया गया है। मुआवजा राशि में भी भूमि के रेट में अंतर है । इसका वह विरोध करते हैं । इसी को लेकर व्यापारी और स्थानीय निवासियों ने बैठक की और बैठक में निर्णय लिया है कि वह मंगलवार को जनसुनवाई में इस पूरे विषय को लेकर कलेक्टर से मिलेंगे और अपनी समस्या उनके समक्ष रखेंगे।

आपको बता दे की भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज बनाया जाना है । जिसका कार्य इन दिनों भटेरा की ओर से शुरू भी कर दिया गया है । विभाग द्वारा लगभग 204 भवन, दुकान और मकान को चिन्हित कर भू अर्जन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिसके लिए संबंधित विभाग द्वारा चिन्हित किये गये मकान , दुकान और भवनों का शासकीय रेट निर्धारित कर अधिसूचना जारी कर प्रकाशित कर दी गयी है। जिसमें लागत प्रकाशित होने के बाद यहां के स्थानीय निवासी और दुकान संचालक इस भू-अर्जन की प्रक्रिया और मुआवजा राशि से संतुष्ट नहीं है। उनका कहना है कि विभाग द्वारा पूरे नियम अनुसार यहां पर भू अर्जन की प्रक्रिया नहीं करवाई गई है । ना ही नियम अनुसार यहां पर सर्वे किया गया है। सड़क के दोनों ओर बराबर भू-अधिग्रहण नहीं की गई है । ना ही एक जैसा यहां पर मुआवजा दिया जा रहा है । इसको लेकर यहां के स्थानीय निवासीयों ने 20 जुलाई को भटेरा स्थित बिंदेश्वरी मंदिर में एक बैठक की और भू-अर्जन की इस प्रक्रिया का विरोध किया और मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई में वह इस पूरी समस्या को लेकर कलेक्टर के पास जाने का निर्णय किया है। यदि उनकी मांग पूरी नहीं होती तो वह भटेरा रोड को जाम कर अपनी समस्या को प्रशासन के सामने रखेंगे।

गाइडलाइन को परिवर्तित करने की आवश्यकता है - मुकेश गुप्ता

भटेरा वार्ड क्रमांक 11 निवासी मुकेश गुप्ता ने बताया कि भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर बनने वाले ओवरब्रिज के लिए जो भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया हुई है, वह सही नहीं हुई है। इसको लेकर उन्होंने सभी दुकानदारों के साथ एक बैठक की जिसमें सभी ने चर्चा में बताया कि विभाग द्वारा जो रोड के दोनों ओर 31-31 फुट पर जो मार्किंग की थी जिसमें पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों ने इसका मुआयना करने के बाद किसी भी घर मालिक और दुकानदार से चर्चा नहीं किया और उसके बाद फिर अधिसूचना जारी हुई ,जिसमें बालाघाट क्षेत्र वार्ड क्रमांक 10 के अवंती बाई चौक से लेकर पूरा एक ओर से भटेरा रेलवे क्रासिंग तक 12 फीट ही गहराई तक रोड को अधिग्रहित करने की जानकारी दर्शाया । बूढी क्षेत्र वार्ड क्रमांक 11 जो की अवंती बाई चौक से लेकर भटेरा रेलवे क्रासिंग तक दूसरी ओर 14 फीट रोड अधिग्रहित करने की सूचना दी है। जिस कारण लोगों के मन में संशय उत्पन्न हो रहा है यदि रोड लेना ही था तो दोनों ओर बराबर लेना था । जिस प्रकार से सर्वे हुआ था, लेकिन एक ओर अधिक और दूसरी ओर कम भूमि का अधिग्रहण किया गया है । जो कि गलत है । वही इस दोनों ओर की भूमि के मुआवजे में भी अंतर है बूढी वार्ड क्रमांक 11 के एक क्षेत्र में 11,500 रूपये की कलेक्टर गाइडलाइन अनुसार रेट रखा गया है । दूसरी ओर बालाघाट वार्ड क्रमांक 10 के क्षेत्र में 22, 500 रूपये का रेट रखा गया है जो की कई सवाल उत्पन्न कर रहा है । जिस कारण यह पूरी प्रक्रिया और गाइडलाइन को परिवर्तित करने की आवश्यकता है। उनका यह भी मानना है कि जिस प्रकार से भूमि का भू अधिग्रहण किया गया है। उतनी भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है । इसमें 12-12 फुट कर 24 फुट में भी ओवरब्रिज के नीचे भूमि अधिग्रहण कर काम किया जा सकता है । जिससे शासन का भी राजस्व बचेगा। इसी समस्या को लेकर वह जल्द ही जनसुनवाई के माध्यम से कलेक्टर के सामने अपनी यह पूरी समस्या रखेंगे।

आपत्ती लिखित में विभाग में दर्ज करवा सकते हैं - गोपाल सोनी

इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी से दूरभाष पर चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि जो भटेरा वार्ड वासियों द्वारा अपनी समस्या बताई जा रही है और उन्हें लग रहा है कि इस पूरी प्रक्रिया से उन्हें आपत्ति है तो वह अपनी आपत्ती लिखित में विभाग में दर्ज करवा सकते हैं । सभी की आपत्तियों पर विचार कर उन सभी का समाधान किया जाएगा । किसी के साथ भी सौतेला व्यवहार नहीं होगा। विभाग ने अभी जो प्रक्रिया की है । शायद वह ओवर ब्रिज को लेकर बनाई गई रणनीति के अनुसार ही की गई होगी। लेकिन सभी के विचार और सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित है । इसीलिए विभाग ने दो महीने का समय आपत्ति के लिए रखा है , जो अगस्त तक कंप्लीट हो जाएगा । जिन्हें भी आपत्ति लगाना है वह जल्द ही विभाग में अपनी व्यक्तिगत आपत्ति लगा सकता है।

जिला तेली साहू समाज महिला प्रकोष्ठ का निर्वाचन सम्पन्न

दीपा भोंगाड़े चुनी गई निर्विरोध अध्यक्ष, समाज के शैक्षिणाक, आर्थिक और सामाजिक उत्थान की दिशा में कार्य की कही बात

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला तेली साहू समाज की बैठक रविवार को स्थानीय बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक में स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति में महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष का चुनाव कराया गया। जिसमे वारासिवनी निवासी दीपा (ज्ञानेश्वरी) भोंगाड़े को सर्वसम्मति से एक मतेन होकर निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर न उन्हें महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया। इसके अलावा बैठक में वर्ष 2005 में दिसंबर माह में होने वाले बच्चों के प्रतिभा सम्मान समारोह, समाज को आर्थिक रुप से सुदृढ़ करने के लिए संसाधन उपलब्ध कराने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।बैठक में समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर ने निर्वाचन की प्रक्रिया को लेकर पूरी जानकारी दी।

अध्यक्ष पद के लिए आया सिर्फ एक ही नाम

आयोजित बैठक के दौरान नवेगांव निवासी भीमलेश्वरी राजगीरे ने अध्यक्ष पद के लिए दीपा भोंगाड़े के नाम का प्रस्ताव रखा। सरंडी निवासी लता अगासे सहित अन्य ने इसका समर्थन किया। अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नाम होने के चलते सर्वसम्मति से एक मतेन होकर दीपा भोंगाड़े को निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया गया। समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर ने इसकी विधिवत रुप से घोषणा भी की। बैठक के दौरान पाथरवाड़ा निवासी पीतम आंबिलकर, लालबर्रा निवासी जयराम कावड़े, नाहरवानी निवासी कृष्ण कुमार बावनकर, बालाघाट निवासी कन्हैयालाल हटवार, हीरालाल बावनकर सहित अन्य ने संबोधित किया।

समाज को जोड़ने सहित अन्य गतिविधियों को बढाया जाएगा-दीपा

महिला प्रकोष्ठ की नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष दीपा (ज्ञानेश्वरी) भोंगाड़े ने कहा कि वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समाज के आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक उत्थान और एकजुटता के लिए बेहतर ढंग से कार्य किया जाएगा। महिला शक्ति को आगे बढ़ाने, उन्हें जागरुक कर समाज से जोडने, सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। ताकि समाज आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही महिला प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित कर कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा।

विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श कर बनाई गई कार्ययोजना-मानवटकर

समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर ने कहा कि समाज के महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष के रुप में ज्ञानेश्वरी भोंगाड़े का निर्विरोध निर्वाचन कर सभी ने अपनी एकजुटता का परिचय दिया है। उन्होंने बताया कि इस बैठक में समाज के आर्थिक उत्थान, सामाजिक कुरुतियों को दूर करने, प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान करने सहित अन्य विषयों पर विचार विमर्श कर कार्ययोजना तैयार की गई है।

सामाजिक बंधुओ ने बढ़चढ़ कर लिया हिस्सा

आयोजित बैठक व निर्वाचन में समाज के संरक्षक नारायण मदनकर, सचिव संतोष समरिते, पीतम आंबिलकर, गोधन लांजेवार, एचएल पटले, खेमराज भोंगाड़े, बसंत समरिते, भानेश साकुरे, संतोष आंबिलकर, केशव बैस, दुर्गाप्रसाद अगासे, कमलेश साहू, सुजय साहू, ईशुलाल धावड़े, रोशनलाल भोंगाड़े, इंदल भोंगाड़े, नागेश्वर साकुरे, देवेश्वर साकुरे सहित अन्य मौजूद थे।इसी तरह महिला मंडल में त्रिवेणी साहू, भागरता बावनकर, अनुसया पटले, सावित्री लांजेवार, ममता बावनकर, वर्सिला समरित, संध्या समरित, कंचन हटवार, पिंकी भेलावे, माया लेंडे, रश्मि लेंडे, निर्मला बावनकर, दुर्गा साकुरे, राखी साकुरे, कमला बावनकर, अंकिता हटवार, सुनीता उराड़े, विनिता भुरेकर, मधु गायधने, तारामती बावनकर, ललीता भोंगाड़े, दमयंती पटले सहित अन्य मौजूद थे।

गुरु नागसेन ने जूस पिलाकर भदंत धम्म शिखर का तुड़वाया अनशन

महाबोधि महाविहार को लेकर बौद्ध अनुयायियों का धरना स्थागित, बौद्ध समाज ने नगर में निकाली रैली, कहा 29 को लेंगे अंतिम निर्णय, हक में नही होता फैसला तो फिर करेंगे आंदोलन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिहार राज्य के बोधगया स्थित महाबोधि महाविहार को मुक्त करने और बीटी एक्ट 1949 अधिनियम को रद्द कर, ऐतिहासिक विश्व धरोहर को बौद्धो के सुपुर्द करने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नगर में 10 जुलाई से सामाजिक बन्धुओ द्वाराअनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया गया था। जो 11 दिन बाद 20 जुलाई रविवार को स्थगित कर दिया है। जहां इस धरना प्रदर्शन के दौरान पिछले 8 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे भदंत धम्म शिखर का भी अनशन उनके गुरु भदंत नागसेन द्वारा जूस पिलाकर तुड़वाया गया।तो वही महाबोधि महाविहार संघर्ष समिति के बैनर तले इस अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और भूख हड़ताल को 29 जुलाई तक के लिए स्थगित किए जाने का ऐलान किया गया है। जिसमें उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यदि 29 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में उनके हक में फैसला आता है तो वह पूरे शहर में आतिशबाजी कर जश्न मनाएंगे और यदि उनके हक में फैसला नहीं आता, तो एक बार फिर से वे अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन व भूख हड़ताल पर बैठ जाएगे।

बौद्ध अनुयायियों ने नगर में निकाली रैली

उधर धरना प्रदर्शन के 11 वे दिन रविवार को बौद्ध अनुयायियों द्वारा नगर में एक रैली निकाली गई।इस महारैली में पूरे जिले से सामाजिक बंधु शामिल हुए।यह रैली धरना स्थल जनपद पंचायत बालाघाट कार्यालय के सामने से निकाली गई जो जय स्तंभ चौक, वहां से जिला अस्पताल होते हुए बस स्टैंड, वहां से कालीपुतली चौक ,वहां से पीजी कॉलेज के सामने से होती हुई यह रैली सीधे अंबेडकर चौक पहुची। जहां डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जय घोष किया गया। जिसके उपरांत यहां रैली बीजेपी कार्यालय के सामने से होती हुई वापस जय स्तंभ चौक और वहां से वापस धरना स्थल पहुंची जहां इस महा रैली का समापन किया गया।जिसके पश्चात जिले भर से रैली में शामिल प्रमुख वक्ताओं द्वारा महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन को लेकर उद्बोधन दिया।जिसके उपरांत इस अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और भूख हड़ताल को आगामी 29 जुलाई तक के लिए स्थगित किए जाने की घोषणा की गई।

8 दिनों से गर्म पानी लेकर अनशन कर रहे थे भदंत धम्म शिखर

आपको बताए कि 10 जुलाई से आंदोलन की शुरूआत आंबेडकर चौक से हुई। जहां से प्रशासन ने आंबेडकर चौक की अनुमति रद्ध कर जनपद कार्यालय के सामने हड़ताल आंदोलन की परमिशन दी। जिसके बाद से लगातार, यहां 10 दिनों से आंदोलन चला आ रहा था। तकरीबन बीते 8 दिनों से भदंत धम्म शिखर अनशन कर रहे थे। जिसमें वह केवल गर्म जल ले रहे थे। जहां आज रविवार को उनके गुरु भदंत नागसेन पहुंचे और उन्होंने जूस पिलाकर भदंत धम्म शिखर का अनशन तुड़वाया है।

इन मांगों को लेकर की जमकर नारेबाजी

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन के बैनर तले रविवार को नगर में आयोजित इस महा रैली में महाबोधि महाविहार को गैर बौद्धो के कब्जे से मुक्त करने, बीटी एक्ट 1949 को रद्द कर, महाविहार का प्रबधन बौद्धो के हाथों में सौंप जाने, महाबोधि आंदोलन के दौरान गिरफ्तार कर, जेल भेजे गए भदंत विनयाचार्य को रिहा करने सहित अन्य अनुयायियों पर लगाए गए फर्जी मुकदमों को वापस लेने, बिहार सरकार का इस मामले में हस्तक्षेप समाप्त करने, बौद्धो को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म का पालन करने में बाधा उत्पन्न न करने और बिहार राज्य सरकार एवं गयाजी पुलिस द्वारा लगाए गए झूठे मुकदमों को तत्काल हटाए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है।

आंदोलन जारी रहेगा या समाप्त, 29 को होगा फैसला

महाबोधि महाविहार संघर्ष समिति पदाधिकारियो सहित अन्य सामाजिक प्रतिनिधियो ने चर्चा के दौरान बताया कि 29 जुलाई को मामले में न्यायालय से फैसला आने वाला है, यदि पक्ष में आता है तो हम खुशी मनाएंगे, अन्यथा, यह आंदोलन जारी रहेगा। हमें पूरी उम्मीद है कि न्यायालय, महाबोधि महाविहार के प्रबंधन का दायित्व, महंतो से वापस लेकर, बौद्धो को सोंपेगा।

चूंकि महाबोधि महाविहार, एक ऐतिहासिक धरोहर है। उन्होंने बताया कि हमारा आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है बल्कि आंदोलन को फिलहाल स्थगित किया गया है। यह आंदोलन आगे भी जारी रहेगा या समाप्त हो जाएगा। इसका फैसला 29 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मुद्दे पर दिए जाने वाले निर्णय पर निर्भर करेगा। यदि हमारे पक्ष में फैसला आता है तो हम शहर भर में पटाखे फोड़ कर खुशियां मनाएंगे और यदि यहां फैसला हमारे हक में नहीं आता, तो एक बार फिर से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन व भूख हड़ताल शुरू कर दी जाएगी।

एक व्यक्ति की सांप के काटने से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सर्पदंश से जिला अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति की मौत हो गई मृतक कुंवर सिंह पिता दरबारी सिंह सैयाम 60 वर्ष खांडी टोला थाना तिरोड़ी निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंवर सिंह अपनी पत्नी लक्ष्मी के साथ मजदूरी करता था और दोनों पति-पत्नी ही रहते थे जिनका एक बेटा सुनील सैयाम हैदराबाद में मजदूरी करता है। बात की है कि 19 जुलाई की रात्रि में कुंवर सिंह ने अपनी पत्नी लक्ष्मी स्वयं के साथ खाना खाया और घर के अंदर जमीन में ही नीचे सो गए थे रात्रि 3ः00 बजे करीब कुंवर सिंह बाएं हाथ की अंगुली में सांप ने काट दिया इस संबंध में उसने अपनी पत्नी लक्ष्मी को बताया 8ः00 बजे करीब कुंवर सिंह को सांप के जहर का एहसास होने पर उसे कटंगी के अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां से प्राथमिक उपचार के बाद कुंवर सिंह को जिला अस्पताल बालाघाट किया गया जहां दो पर 3ः30 बजे करीब उसकी मौत हो गई जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे ने रोहतक कुंवर सिंह का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये। और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना तिरोड़ी भिजवा दी है।

गणेश उत्सव व नवरात्रि में डांडिया/डांस जैसे गैर-सांस्कृतिक आयोजनों पर रहेगी रोक

सर्व समाज की बैठक में लिया गया फैसला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।रविवार 20 जुलाई को स्थानीय काली पुतली चौक स्थित हनुमान मंदिर परिसर में विश्व हिंदू परिषद एवं सर्व समाज के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी गणेश उत्सव और नवरात्रि पर्व के दौरान गरबा/डांडिया के नाम पर होने वाले डांस व गैर-सांस्कृतिक आयोजनों पर प्रतिबंध लगाने को लेकर चर्चा करना था।बैठक में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष यज्ञेश लालू चावड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में नवरात्रि जैसे पावन धार्मिक पर्व के अवसर पर देवी आराधना की आड़ में फूहड़ता, मौज-मस्ती व अशोभनीय गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जो हिन्दू समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत करती हैं।बैठक में सर्व समाज, महिला मंडल एवं आयोजन समिति से जुड़े लोगों ने एकमत से निर्णय लिया कि नवरात्रि पर्व के दौरान केवल पारंपरिक व देवी आराधना से जुड़े आयोजन ही किए जाएं। ऐसे कोई भी कार्यक्रम जो धार्मिक भावना के विरुद्ध हों, उन्हें न तो अनुमति दी जाए और न ही सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित किया जाए।सर्व समाज ने स्थानीय प्रशासन, स्कूल-कॉलेज प्रबंधन व आयोजनकर्ताओं से आग्रह किया है कि वे अपने परिसरों में इस प्रकार के आयोजन हेतु अनुमति न दें, जिससे हमारी सांस्कृतिक परंपराओं एवं धार्मिक आस्थाओं की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

सर्व ब्राह्मण समाज महिला मंडल ने किया भोलेनाथ का रुद्राभिषेक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन मास के पावन अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज बालाघाट महिला मंडल द्वारा भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया।रविवार दोपहर 12 बजे से भगवान शिव भोलेनाथ का विशेष पूजन, अभिषेक और रुद्राभिषेक में सभी महिलाएं व पुरुष उपस्थित रहे। मुख्य रूप से अध्यक्ष राजेश पाठक, सचिव निशांत मिश्रा, आदित्य तिवारी, मुकेश तिवारी, महिला अध्यक्ष संध्या दिक्षित, कविता पाराशर, शशि पुरोहित,किरण दुबे, स्मिता मिश्रा, शीतल मिश्रा, पुरोहित आंटी पंडित भाभी सभी की बड़े स्तर पर उपस्थित रही।

मरम्मत के चंद दिनों बाद ही लालबर्रा-पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग का खस्ताहाल

सड़क खराब होने से आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क का जल्द निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय लालबर्रा-पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुकी है एवं जगह-जगह से डामर उखड़ने एवं गड्ढे बन जाने से मार्ग से आने-जाने वाले ग्रामीणजनों, स्कूली बच्चों एवं राहगीरों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही बारिश होने पर गड्ढों में पानी जमा होने के कारण हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। जिसको देखते हुए सड़क विभाग के द्वारा विगत दिवस मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति करते हुए गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाया गया था किन्तु यह मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण मरम्मत के चंद दिनों बाद ही सड़क का खस्ताहाल हो चुका है और जगह-जगह से डामर उखड़ जाने एवं गड्ढे बन जाने के कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीण एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। जबकि इस सड़क की समस्या से कई बार क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन को ग्रामीणजनों के द्वारा अवगत भी करवाया गया है और जल्द निर्माण करवाने की मांग भी कर चुके है। लेकिन सिर्फ सड़क निर्माण करवाने का जिम्मेदारों से आश्वासन ही लंबे समय से क्षेत्रीयजनों को मिलते आ रहा है किन्तु धरातल पर कोई काम नही हो पा रहे है। जिसके कारण लालबर्रा-पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग खस्ताहाल चुका है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से लालबर्रा-पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग का जल्द निर्माण करवाने की मांग की है।

जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते सड़क का नही हो पा रहा निर्माण कार्य, क्षेत्रीयजन परेशान

आपकों बता दे कि लालबर्रा-पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया था परन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण मार्ग का खस्ताहाल हो चुकी है एवं जगह-जगह से डामर उखड़ने के साथ ही गड्ढे बन चुके है। जिसके कारण दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन एवं स्कूली बच्चों को आवागमन करने में बेहद ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही यह मार्ग गांवों को शहर से जोड़ने वाला एक मात्र मार्ग है परन्तु सड़क का समय-समय पर मरम्मत कार्य नही होने के कारण खराब हो चुकी है और मार्ग की चौड़ाई कम एवं खराब होने के कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि इस मार्ग से जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी भी आना-जाना करते है उसके बावजूद भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। वहीं विगत दिवस सड़क विभाग के द्वारा सड़क का मरम्मत कार्य करवाया गया था परंतु मरम्मत कार्य के नाम पर सिर्फ विभाग के द्वारा खानापूर्ति करते हुए गड्ढों में बजरी डाल दी गई थी जो कि कुछ ही दिनों में आवागमन के दौरान निकल गई और मरम्मत के चंद दिनों के बाद ही सड़क की स्थिति पूर्व की तरह ही खस्ताहाल हो चुकी है। साथ ही जिस स्थान पर मार्ग सबसे अधिक खराब हो चुकी है उक्त स्थान पर हमेशा हादसा घटित होने की संभावना बनी हुई है इसलिए शासन-प्रशासन को जल्द लालबर्रा-पनबिहरी से टेकाड़ी ला. सड़क का गुणवत्तापूर्ण पक्का मरम्मत कार्य या फिर नवीन सड़क का निर्माण कार्य करवाना चाहिए ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

मरम्मत के नाम पर की गई है खानापूर्ति - पवन

पवन ठाकरे ने बताया कि लालबर्रा-पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग से पर्यटक व स्कूली बच्चें एवं ग्रामीणजन रोजाना बड़ी संख्या में आवागमन करते है परंतु मार्ग में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गये है। जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही यह भी बताया कि गत दिवस सड़क विभाग के द्वारा गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाया गया था, लेकिन यह मरम्मत कार्य सिर्फ नाम मात्र की खानापूर्ति थी, मरम्मत के कुछ दिनों बाद सड़क की स्थिति जस की तस हो चुकी है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि सड़क का नवीन निर्माण करवाये।

सड़क का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - राजकुमार

पूर्व जनपद सदस्य राजकुमार गेडाम ने बताया कि सड़क का खस्ताहाल हो चुका है, जिसके कारण बघोली, टेकाड़ी ला, चिचगांव सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन एवं पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और कई बार गड्ढे में गिरकर लोग चोटिल भी हो चुके है। जबकि यह मार्ग गांव को शहर से जोड़ता है उसके बाद भी प्रशासन सड़क की ओर कोई ध्यान नही दे रही है और दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है लेकिन जिम्मेदार मौन है। श्री गेडाम ने बताया कि सड़क विभाग व ठेकेदार के द्वारा कुछ दिनों पूर्व सड़क का मरम्मत कार्य करवाया है, लेकिन सही तरीके से नही किया गया है जिसके कारण सड़क गड्ढों में तब्दील होने लगी है। प्रशासन से मांग है कि जल्द लालबर्रा-पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग का निर्माण करवाये।

शहर से जोड़ता है यह मार्ग - गोविंद

चिचगांव सरपंच गोविंद पटले ने बताया कि लालबर्रा-पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग बघोली, चिचगांव सहित अन्य ग्रामों की ओर जाती है और इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन व पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं आवागमन करते है और यह मार्ग शहर को इन ग्रामों से जोड़ता है। लेकिन सड़क खराब होने के कारण आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही यह भी बताया कि कुछ स्थानों पर जानलेवा गड्ढे बन गये है जहां पूर्व में दुर्घटनाएं हो चुकी है। श्री पटले ने बताया कि सड़क विभाग मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की है। जबकि लंबे समय से इस मार्ग का नवीन निर्माण करवाने की मांग की जा रही है, लेकिन प्रशासन के आला-अधिकारी कोई ध्यान नही दे रहे है जिसके कारण आवागमन करने वाले राहगीर व ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। प्रशासन सड़क की इस समस्या की ओर ध्यान दे और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

महाविद्यालय में एक पेड़ माँ के नाम अभियान कार्यक्रम आयोजित कर किया गया वृक्षारोपण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार ईको क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। वृक्षारोपण के इस पुनित कार्य के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों जैसे आम, अमरूद, आवला, नीम करंजी, बादाम, सिंदूर, गुलमोहर के पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। वहीं इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से प्रकृति को हरा-भरा बनाये रखने के लिए तथा उचित रखरखाव के साथ इस कार्य को पूर्ण किया जा रहा है। साथ ही शासन के निर्देशानुसार एक पेड़ मॉ के नाम वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम गत 5 जून 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक चलाया जाना है। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, सुमन बरवा, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. आशीष बागड़े, संदीप चौरसिया, डॉ. कामाक्षा बिसेन, श्रीमती आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में 5 दिवसीय श्री पार्थिव शिवपूजन हुआ प्रारंभ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्री भोलेश्वर जनकल्याण समिति के तत्वाधान में 20 जुलाई को विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर श्री पार्थिव शिवलिंग शिवपूजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर आचार्य विमल मिश्रा के द्वारा भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात् उपस्थित महिलाओं के द्वारा मिट्टी से भगवान भोलेनाथ का पार्थिव शिवलिंग बनाया गया। जिसकी पूजन-अर्चन करने के बाद विसर्जित किया गया और भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र के जनकल्याण के लिए प्रार्थना की गई। यह श्री पार्थिव शिवपूजन 24 जुलाई तक शाम 4 बजे से 5.30 बजे तक प्रतिदिन जारी रहेगा और क्षेत्रीय श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। चर्चा में आचार्य विमल मिश्रा ने बताया कि मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में 20 जुलाई से श्री पार्थिव शिवपूजन प्रारंभ हुआ है जिसमें उपस्थित महिलाओं के द्वारा मिट्टी से श्री पार्थिव शिवलिंग बनाकर भोलेनाथ की आराधना की जा रही है और सावन मास में श्री पार्थिव शिवपूजन करने से उनकी मनोकामनाएं भी पूरी होती है। साथ ही यह भी बताया कि उपस्थित महिलाओं के द्वारा पूरी आस्था के साथ श्री पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर उसकी पूजा अर्चना करने के बाद आरती के पश्चात् विसर्जित किया जाता है और यह श्री पार्थिव शिवपूजन कार्यक्रम 24 जुलाई तक जारी रहेगा एवं क्षेत्रीयजन पहुंचकर भोलेनाथ की आराधना कर धर्मलाभ अर्जित कर सकते है। चर्चा में मनकामेश्वर महादेव मंदिर के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन मास के पावन अवसर पर 20 जुलाई से पांच दिवसीय शिव पार्थिव पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। जिसमें शाम 4 बजे से 5.30 बजे तक आचार्य विमल मिश्रा के द्वारा श्री पार्थिव शिव पूजन संपन्न करवाया जा रहा है एवं 23 जुलाई से दो दिवसीय अखण्ड रामायण पाठ प्रारंभ होगा और 24 जुलाई को हवन-पूजन, पुर्णाहुति एवं महाप्रसादी वितरण के साथ ही कार्यक्रम का समापन किया जायेगा।

अमोली सरपंच चुनाव में सस्पेंस बरकरार

पूर्व सरपंच किशोर पडवार को हाई कोर्ट से स्टे मिलने की चर्चा जोरो पर, आदेश की कापी का इंतजार

निर्वाचन की तैयारी हो चुकी है पूरी, मतदान दल होगा रवाना आज, मतदान 22 को

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में विगत माह पूर्व सरपंच किशोर पडवार के विरोध में अविश्वास प्रस्ताव पारित कर धारा 40 के तहत सरपंच पद से हटाने की कार्यवाही गई थी। जिसके बाद से इस पंचायत में सरपंच का पद रिक्त था और 6 माह की अवधि के लिए स्थानापन्न सरपंच निर्वाचित किया गया था ताकि पंचायत का विकास कार्य एवं योजनाओं का क्रियान्वयन सुचारू रूप से हो सके। जिसके बाद जिला निर्वाचन आयोग के द्वारा अमोली पंचायत में सरपंच पद हेतु उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर 1 जुलाई से अमोली पंचायत में आदर्श आचार संहिता लागू कर नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई थी। वहीं 8 जुलाई तक अनुसूचित जनजाति वर्ग से दो प्रत्याशियों के द्वारा अपने नामांकन फार्म जनपद पंचायत कार्यालय लालबर्रा में जमा किये गये थे और 22 जुलाई को चुनाव संपन्न होना है। नामांकन की प्रक्रिया पुर्ण होने के बाद दोनों प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह भी आवंटित हो चुके हैं जिसमें रविशंकर हट्टेवार को कांच की गिलास और कमलेश हिवारे को चश्मा चुनाव चिन्ह आवंटित हुआ है। जिनके द्वारा मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की जा रही है। वहीं प्रशासन के द्वारा भी अमोली पंचायत में होने वाले उपचुनाव की तैयारी पूरी कर ली गई है और 4 मतदान केन्द्र बनाये गये है एवं ईव्हीएम मशीन भी जनपद पंचायत कार्यालय में आ चुकी है। 21 जुलाई को मतदान दल मतदान केन्द्र में पहुंच जायेगे एवं 22 जुलाई को मतदान किया जायेगा। वहीं अमोली पंचायत में होने वाले सरपंच पद के उपचुनाव को शेष एक दिन बचा है और गत दो दिवस से अमोली पंचायत सहित क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर चल रही है कि पूर्व सरपंच किशोर पडवार को जबलपुर उच्च न्यायालय से अविश्वास प्रस्ताव पर अंतरिम राहत (स्टे) मिल चुकी है यानि की स्थगन आदेश प्राप्त हो गया है। जिसके चलते 22 जुलाई को होने वाला चुनाव नही होगा। यह लोगों में जनचर्चा बनी हुई है कि अमोली पूर्व सरपंच को स्टे मिल चुका है, अमोली में सरपंच पद के लिए चुनाव नही होगें। लेकिन इस संबंध में अब तक प्रशासन के पास या निर्वाचन अधिकारी के पास पूर्व सरपंच किशोर पडवार को स्थगन आदेश मिल जाने के संबंध में किसी तरह के कोई भी दस्तावेज लिखित में प्राप्त नही हुए है। जिससे अमोली में होने वाले सरपंच उपचुनाव में सस्पेंस बरकरार है। वहीं पूर्व सरपंच को स्टे मिल जाने की खबर के फैलने से प्रत्याशी भी मायुस नजर आ रहे है। उनमें भी चुनाव के प्रति किसी तरह का कोई उत्साह दिखाई नहीं दे रहा है और ना ही उनके द्वारा लोगों से वर्तमान समय में जनसंपर्क किया जा रहा है क्योंकि उन्हें भी जो जानकारी मिली है उससे वे भी नाखुश है। अब देखना है कि 22 जुलाई को अमोली की जनता नया सरपंच चुनती है या फिर उन्हे पुराने ही सरपंच पुन: मिलेगा। लेकिन प्रशासन के द्वारा उपचुनाव की तैयारी पुरी कर ली गई है क्योंकि अब तक अमोली के पूर्व सरपंच किशोर पडवार को जबलपुर हाई कोर्ट से अविश्वास प्रस्ताव पर स्टे मिल जाने के संबंध में कोई आदेश की कापी प्रशासन को नही मिल पाई है। जिसका सभी को इंतजार है साथ ही क्षेत्रीयजनों की निगाहे निर्वाचन विभाग और प्रशासन के अगले कदम पर टिकी है। अगर आदेश मिला तो चुनाव टलेगें नही तो 22 जुलाई को मतदान कर नया सरपंच चुनाव जायेगा। वहीं प्रशासन के द्वारा चुनाव की तैयारी पुरी कर ली गई है, आज प्रात: 11 बजे मतदान दल मतदान केन्द्र के लिए रवाना हो जायेगें।

चुनाव की तैयारी हो चुकी है पुरी - खिलेन्द्र

दूरभाष पर चर्चा में खण्ड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी ने बताया कि अमोली पंचायत में पंचों के द्वारा पूर्व सरपंच किशोर पडवार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये गये थे। जिसके बाद से सरपंच का पद खाली थी, निर्वाचन आयोग के द्वारा 1 जुलाई को अमोली पंचायत में सरपंच पद के लिए उपचुनाव हेतु अधिसूचना जारी की गई थी और आरक्षित सरपंच पद के लिए दो प्रत्याशियों ने नामांकन फार्म जमा किये थे। जिन्हे चुनाव चिन्ह आबंटित कर दिये गये है एवं 21 जुलाई को मतदान दल मतदान केन्द्र पहुंच जायेगें एवं 22 जुलाई को प्रात: 7 बजे से मतदान प्रारंभ हो जायेगा। श्री सोनवंशी ने बताया कि पूर्व सरपंच किशोर पडवार को जबलपुर हाई कोर्ट से स्टे मिलने की चर्चा चल रही है लेकिन हमारे पास प्रशासन से कोई आदेश नही आये है कि पूर्व सरपंच को स्टे मिल चुका है, चुनाव नही होगें। हम चुनाव संपन्न करवाये जिसकी तैयारी पुरी हो चुकी है और सरपंच पद के लिए 22 जुलाई को अमोली के मतदाता मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान करेगें।

नहर फूटने से किसान परेशान

खेतो में नही आ रहा पानी, मामला कस्बीटोला से रेंगाझरी के बीच का

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। किसानों की सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण ढूटी नहर ग्राम पंचायत रामपायली के कस्बीटोला से रेंगाझरी के मध्य फूट गई है। जिससे नहर का पानी व्यर्थ खेतों की ओर जा रहा है जिसको लेकर दूसरे किसानों में आक्रोश व्याप्त है कि नहर से उन्हें पानी नहीं मिल पा रहा है। तो वहीं दूसरे माइनर सूखे पड़े हुए हैं जिससे खेतों में पानी नही होने से वह अपना परहा कार्य चालू नहीं कर पाए हैं जो पानी की रास्ता देख रहे हैं। यह नहर फूटने की शिकायत किसानों के द्वारा सिंचाई विभाग को कर दी गई है। किंतु उनके द्वारा व्यवस्थित कार्य नहीं किया गया है जिसके कारण बीते १५ दिनों से समस्या बनी हुई है। ऐसे में किसानों के द्वारा सिंचाई विभाग से त्वरित नहर का सुधार कार्य करने की मांग की जा रही है।

१५ दिनों से फूटी हैं नहर किसानों को नही मिल रहा पानी

वारासिवनी नगर क्षेत्र से ढूटी नहर सीधे खैरलांजी क्षेत्र के लिए निकलती है जिसके माध्यम से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई की जाती है। जो किसानों के लिए महत्वपूर्ण जरिया है खेतो में पानी प्राप्त करने का जबकि वर्तमान में किसानों को पानी की अति आवश्यकता है खेती कार्य अपने जोरो पर है। यदि किसान लेट होता है तो उसकी भविष्य में समस्या का सामना करना पड़ेगा ऐसे में बारिश का पानी खेतों से निकल गया है कई किसान नहर का पानी की रास्ता देख रहे हैं। ऐसे में बीते करीब १५ दिवस पहले रामपायली के समीप स्थित ग्राम कस्बीटोला से रेंगाझरी के मध्य नहर की पार फूट गई है जिसके कारण नहर का पानी आगे नहीं पहुंच पा रहा है। नहर के टूटे हुए हिस्से से नहर का पानी व्यर्थ बह रहा है जो दूसरी खेती को नुकसान पंहुचा रहा हैं ।ऐसे में कस्बीटोला के आगे के सभी माइनर और नहर सूखी पड़ी हुई है। जहां पर लोग खेतों में पानी आने की रास्ता देख रहे हैं ताकि वह रोपाई कार्य कर सके। जिसको लेकर किसानों के द्वारा सिंचाई विभाग को शिकायत भी की जा चुकी है। किंतु उनके द्वारा गंभीरता से समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया है जिसके चलते किसान परेशान है क्योंकि उनका अभी खेती कार्य का समय है। यदि समय रहते उन्हें पानी उपलब्ध नहीं हो पाया तो भविष्य में उन्हें समस्याओं का सामना फ सल में असर के रूप में करना पड़ेगा। ऐसे में किसानों के द्वारा सिंचाई विभाग से व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

नहर फूटने से खेतों की स्थिति पूरी तरह डामाडोल हो गई है-बाबूराव डोंगरे

किसान बाबूराव डोंगरे ने बताया कि खेतों की स्थिति पूरी तरह डामाडोल हो गई है नहर से पानी हमें नहीं मिल पा रहा है। जिस कारण से हमारा परहा कार्य जो है वह रुका हुआ है यह जो हमारे खेतों में माइनर आता है उसमें ढूटी नहर के माध्यम से पानी आता है। परंतु कस्बीटोला से रेंगाझरी के बीच में नहर की पार फूट गई है जिस कारण से पानी की समस्या किसानों को हो गई है। यह समस्या आज की नहीं है करीब १५ दिनों से अधिक का समय हो गया है नहर फूटी है। जहां पर विभाग ने बांधने का कार्य किया गया है किंतु पानी के बहाव बारिश में वह बह जाता है विभाग गंभीरता से कोई व्यवस्था नहीं कर रहा है। आज हमारे खेतों में एक बूंद पानी नहीं है रोपा लगाने के लिए खार खड़ी है यदि समय पर परहा नहीं लगा तो फसल पर असर पड़ेगा यानी सीधे किसान को नुकसान है। अब ना जाने कितने दिन पानी नहीं आता है अब तो हम अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं ताकि नहर से पानी आया तो ठीक वरना बारिश से अपना काम चल सके।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि पूर्व में सुधार कार्य कर दिया गया था किंतु अधिक बारिश एवं बहाव के कारण उक्त स्थानों पर फिर स्थिति खराब हो गई है। जिसके लिए मशीन बुलाई गई है जिसके माध्यम से सोमवार से फिर सुधार कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा।

कोमल गजभिये
एसडीओ सिंचाई विभाग वारासिवनी

सरस्वती विद्यालय में छात्र परिषद चुनाव संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में २० जुलाई को छात्र परिषद के चुनाव सम्पन्न किया गया। यह चुनाव गुप्त मतदान के रूप में करवाया गया जिसमें विद्यार्थियों ने प्रत्याशी चुन कर चुनाव चिन्ह पर सील लगाकर अपना मतदान दिया। यह चुनाव किशोर भारती एवं शिशु भारती के लिये करवाये गये।जिसमें किशोर भारती अध्यक्ष पद के लिए अपने प्रतिद्वंदी को हराकर ऋषभ कटरे ,सचिव पद के लिए ओसी मेश्राम ने विजय प्राप्त की । वहीं किशोर भारती के अन्य पदों के लिए प्राचार्य एवं विद्यालय परिवार के द्वारा पदाधिकारी को मनोनीत किया गया। जिसमें स्नेहा बुर्डे उपाध्यक्ष एवं संस्कृति प्रमुख, यामिनी भोरगढे अनुशासन प्रमुख, माही मोहबे स्वच्छता प्रमुख, उमंग लिमजे स्वच्छता सहायक ,सिद्धि घोले प्रार्थना प्रमुख, महिमा नेवारे प्रार्थना सहायक, धर्मेंद्र गौतम क्रीड़ा प्रमुख। वहीं शिशु भारती अध्यक्ष पद के लिये अंश बोपचे ,सचिव पद के लिए वेद पटले विजयी रहे। प्राचार्य राजेंद्र मिश्रा ने बताया कि हमने चुनाव विधिवत प्रक्रिया से करवाए हैं जिससे बच्चों को मतदान पत्र द्वारा वोट देने का ज्ञान हो सके। जिसके लिए एक बुथ तीन अधिकारी नियुक्त किये गए जिनके द्वारा मत पत्र वितरण और उंगली में स्याही लगाई गई। नियुक्त अधिकारियों ने बहुत ईमानदारी लगन और मेहनत से चुनाव संपन्न करवाया। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद शपथ समारोह मनाया गया जिसमें पदाधिकारीयों को शपथ दिलाई गई। जिसमें उन्होंने अपने विद्यालय अनुशासन में रहकर अपने कार्य दायित्व को निभाने की बात कही गई। इस अवसर पर ज्ञान विकास समिति के अध्यक्ष तिलक पारधी,सचिव संजय मांधाता, आचार्य दयानंद धुवारे ,कीर्ति अटराहे ,सत्यम शर्मा ,श्रीमती लता पटले सहित शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र छात्रायें रही।

सांदिपनी विद्यालय वारासिवनी में अकादमिक संवाद कार्यक्रम आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सांदिपनी विद्यालय टिहली बाई वारासिवनी के प्राचार्य हुमराज पटले ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सांदिपनी विद्यालय के प्रोटोकाल के अनुसार प्रत्येक दो माह के अंतराल में आकादमिक संवाद कायक्रम आयोजित किया जाता हैं। इस माह का अकादमिक संवाद कार्यक्रम १९ जूलाई को विद्यालय के सांदिपनी सभागृह में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य संभागवार आयोजित माध्यमिक विषय प्रशिक्षण में उपस्थित शिक्षकों को अपने अनुभव और सिख सांझा करने का अवसर,आगामी दो माह में प्रथमिकता के अनुसार कार्य योजना पर चर्चा और शिक्षक सहयोग कार्य योजना पर चर्चा, रेमेडियल कक्षाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा, नए शिक्षकों के ओरिएंटेशन के लिए स्कूल लीडर इंडेक्शन पैक और टीचर इंडेक्शन पैक का उपयोग और सभी स्कूलों में स्कूल लीडर के द्वारा स्कूल लीडर प्रशिक्षण में चर्चा किये गए बिंदुओ में से प्रासंगिक बिंदुओं में शिक्षकों से चर्चा। वहीं शिक्षकों की बैठक व्ययवस्था ग्रुप वार पर्ची उठाकर गतिविधि आधारित थी। जिसमें आई सी टी आधारित टारसिया एप्प का उपयोग किया गया। सभी शिक्षकों ने दिए गए टास्क अनुसार अपनी अपनी बातें रखी तथा संस्था के अध्यनरत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु चर्चा की। कार्यक्रम के समय अनुसार प्रत्येक समूह द्वारा शैक्षिक गतिविधि प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम नोडल डेलेन्द्र मेश्राम आई टी शिक्षक और मंच संचालन कमल टेंभरे लाइब्रेरियन के द्वारा किया गया। इस दौरान श्रीमती वंदना शर्मा ,लखन रिनायत, राजेश सोनेकर,राजेश डाहरे, श्रीमती प्रतिमा भगत, श्रीमती आकांक्षा आश्वले, विजय गजभिये ,प्रवीण राणा सहित सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

प्रगतिशील कलार समाज की बैठक संपन्न

सुनील पिपरेवार को समाज का अध्यक्ष किया मनोनित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वार्ड नंबर १४ गंगोत्री कॉलोनी स्थित प्रगतिशील कलार समाज भवन में २० जुलाई को प्रगतिशील कलार समाज संगठन की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष सुनील जायसवाल सहित समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति में प्रारंभ की गयी। जिसमें समाज की नई कार्यकारिणी गठन के विषय को लेकर चर्चा की गई। वहीं समस्त उपस्थित जनों के द्वारा विचार मंथन करने के उपरांत सर्वसम्मति से सुनील पिपरेवार को अध्यक्ष,ओमप्रकाश बारेवार उपाध्यक्ष, लकेश रामपुरे सचिव, उमेश पालेवार कोषाध्यक्ष एवं धनेन्द्र सोनेकर सहसचिव के पद पर मनोनीत किया गया। वहीं आगामी समय में किए जाने वाली कार्यकारिणी विस्तार के साथ समाज उत्थान और भवन के उपयोग को लेकर चर्चा की गई। जहां उपस्थित समस्त व्यक्तियों के द्वारा अपने.अपने विचार व्यक्त किए गए जिसमें एकरूपता बनाकर आगे बढ़ने का निर्णय लिया गया। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील पिपरेवार ने बताया कि शासकीय और गैर शासकीय संस्था का अध्यक्ष बनना अलग है किंतु समाज का अध्यक्ष बनना जवाबदारी का काम है। विभिन्न प्रकार के विचार होते हैं सभी विचारों को एक कर आगे लेकर जाना होता है और यह प्रयास हमारे द्वारा किया जाएगा। अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य किए जाएंगे ताकि समाज को नई दिशा दे सके और यह जो भवन है इसकी बाहरी और आंतरिक सुरक्षा पर अभी चर्चा की गई है जो सभी के सहयोग से पूर्ण की जाएगी। इस अवसर पर संरक्षक प्रदीप जायसवाल ,अशोक शिवने ,सोविंदकर दहिकर, सुनील जायसवाल, शिवशंकर मंडलेकर ,जीवनलाल मंडलेकर, प्रदीप कोसरकर ,रवि सोनेकर, रिंकू चापुकर ,महेन्द्र कावडे ,लक्ष्मीनारायण कावडे ,सुनील शिवहरे ,पुरषोत्तम पालेवार ,हिरेन्द्र सोनेकर ,पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ,श्रीमती मधु जायसवाल ,सुशीला धनकडे सहित अन्य स्वजातीय बंधु मौजूद रहे। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि प्रगतिशील कलार समाज के लिए हर्ष का विषय है। सुनील जायसवाल ने अध्यक्ष के रूप में ३ वर्ष का कार्यकाल पूर्ण किया नई कार्यकारिणी समाज के लोगों ने समाज की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए गठन किया गया है। अभी अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव ,सहसचिव पद पर सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया है ।आगे २१ लोगों के कार्यकारिणी बनी जिस पर गहन विचार मंथन कर आगे घोषणा की जाएगी। जिस प्रकार से पूरे जिले में कलार समाज को आगे बढ़ाने में वारासिवनी से ज्योति जलती रही है यह पहला समाज का भवन वारासिवनी में बना था। उसके बाद लगातार बालाघाट ,कटंगी सभी जगह समाज को मजबूत करने में वारासिवनी ने अपना योगदान दिया है आगे भी हम देते रहेंगे। अपने समाज को सामाजिक शिक्षा राजनीतिक सभी क्षेत्र में आगे बड़े यही विचार के साथ सभी को लेकर आगे बढ़ाने की जवाबदारी कार्यकारिणी पर रहेगी।

वन विभाग ने १२ जंगली सूअर का किया रेस्क्यू

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सावंगी के ग्राम तुमड़ीटोला में वन विभाग के द्वारा कुएँ से १२ जंगली सूअर का रेस्क्यू किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र में लगातार जंगली सूअर की आबादी बढ़ती ही जा रही है, ऐसे में ग्राम पंचायत सावंगी के तुमड़ीटोला से दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परिक्षेत्र कार्यालय

को सूचना मिली कि कुएं में जंगली सूअर गिर गई है। घटना की सूचना पर वन विभाग के द्वारा मौके पर पहुंच कर नदी किनारे स्थित कुएं में गिरे जंगली सूअर को देखा तो कुएं में करीब १२ जंगली सूअर गिरे हुए थे जिनका सुरक्षित रेस्क्यू वन विभाग के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपवन क्षेत्रपाल ताराचंद डोंगरे ,वनरक्षक शैलेंद्र जगजीवन ,भवानी प्रसाद बिसेन, रत्नदीप बोरकर ,अशोक परते ,जगदीश बांगडे ,हितेश चचाने का सराहनीय योगदान रहा।

केशव स्कूल में मंगल कलश स्थापना का हुआ आयोजन

श्री दिगंबर जैन समाज ने पावन वर्षा योग पर निकाली शोभायात्रा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। केशव इंग्लिश स्कूल में श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के तत्वाधान में २० जुलाई को मंगल कलश स्थापना का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आचार्य भगवन् श्री १०८ विद्यासागर महाराज एवं आचार्य श्री १०८ समयसागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से नगर में आर्यिका माँ १०५ भावनामति माता आर्यिका माँ १०५ सदयमाता आर्यिका माँ १०५ भक्तिमति माता के मंगल सानिध्य में किया गया। जिसमें पावन वर्षायोग यानी चातुर्मास के अवसर पर श्री दिगंबर जैन मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना उपरांत यति भवन में ध्वजारोहण कर बैंड बाजे की थाप पर शोभायात्रा निकाली गई। जो नगर के गोलीबारी चौक से वापस भाजी मंडी से आमा तालाब होते हुए केशव स्कूल पहुंची जहां। पर जैन धर्म की धार्मिक मान्यता अनुसार पूजा अर्चना कर कार्यक्रम किया गया । वहीं मंगल कलश की स्थापना के साथ यह कार्यक्रम पूर्ण हुआ। समाज अध्यक्ष मुकेश मॉडल ने बताया कि जैन समाज के चातुर्मास के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें यती भवन में ध्वजारोहण कर शोभायात्रा निकाली गई जो केशव स्कूल पहुंची है जहां पर मंगल कलश की स्थापना की जाएगी। इसमें कलश की बोली लगाई जाएगी यह एक दिवसीय कार्यक्रम है जिसका आयोजन किया गया है। इसके बाद मंदिर में प्रतिदिन पूर्व की तरह पूजा अभिषेक माता जी के प्रवचन एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर दूसरे जिलों एवं अन्य स्थानों से भी समाज के लोग कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे और धर्म लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी पदाधिकारी सदस्य सहित स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आदिवासी महिलाओं का संपत्ति पर अधिकार का ऐतिहासिक फैसला

गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि लिंग के आधार पर आदिवासी महिलाओं को उत्तराधिकार के अधिकार से वंचित करना असंवैधानिक है और पैतृक संपत्ति पर उनके समान अधिकार की पुष्टि की है। फैसले में कहा गया है किसी आदिवासी महिला या उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को केवल लिंग के आधार पर पैतृक संपत्ति में हिस्सा देने से इनकार करना अनुचित और असंवैधानिक दोनों है। इस फैसले ने आदिवासी समुदायों में महिलाओं के समान उत्तराधिकार अधिकारों की पुष्टि की है। इस फैसले ने लंबे समय से चली आ रही धारणा को पलट दिया कि ऐसे अधिकारों को प्रतिबंधित करने वाले रीति-रिवाजों को तब तक अस्तित्व में माना जाना चाहिए जब तक कि अन्यथा साबित न हो जाए।हालांकि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम (एचएसए), 1956 अनुसूचित जनजातियों (एसटी) पर लागू नहीं होता, फिर भी अदालत ने स्पष्ट किया कि इस अपवाद का यह अर्थ नहीं निकाला जा सकता है कि आदिवासी महिलाएं पैतृक संपत्ति की उत्तराधिकारी नहीं हैं। अदालत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जब तक कोई विशिष्ट प्रथागत प्रतिबंध सिद्ध न हो जाए, समानता कायम रहनी चाहिए।न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह फैसला छत्तीसगढ़ की एक अनुसूचित जनजाति की महिला के कानूनी उत्तराधिकारियों से जुड़े एक मामले में सुनाया, जिसने अपने नाना की संपत्ति में हिस्सा मांगा था। उनके दावे का परिवार के पुरुष सदस्यों ने विरोध किया और तर्क दिया कि आदिवासी रीति-रिवाज महिलाओं को उत्तराधिकार से वंचित करते हैं। जबकि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट और नीचली आदालतों से याचिका खारिज कर दिया गया था। इस फैसले ने आदिवासी समुदायों में महिलाओं के समान उत्तराधिकार अधिकारों की पुष्टि की है। इस फैसले ने लंबे समय से चली आ रही धारणा को पलट दिया है कि ऐसे अधिकारों को प्रतिबंधित करने वाले रीति-रिवाजों को तब तक अस्तित्व में माना जाना चाहिए जब तक कि अन्यथा साबित न हो जाए। हाईकोर्ट और निचली अदालतों के निष्कर्षों को पलटते हुए, उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालतों के दृष्टिकोण की आलोचना की, जिसमें महिलाओं को उत्तराधिकार की अनुमति देने वाली प्रथा को साबित करने की आवश्यकता बताई गई थी। पीठ ने कहा कि महिलाओं, जिनमें मुकदमे में शामिल महिलाएं भी शामिल हैं, को उत्तराधिकार से वंचित करना अनुचित और भेदभावपूर्ण दोनों है। न्यायालय ने आगे कहा कि जिम्मेदारी किसी भी मौजूदा प्रथा को साबित करने की है जो पैतृक संपत्ति पर उनके अधिकार को प्रतिबंधित करती है।पीठ ने पहले के फैसलों को खारिज करते हुए कहा कि हमारा दृढ़ मत है कि न्याय, समानता और अच्छे विवेक के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, संविधान के अनुच्छेद 14 के व्यापक प्रभाव के साथ, अपीलकर्ता-वादी, संपत्ति में अपने समान हिस्से के हकदार हैं। संविधान का अनुच्छेद 14 कानून के सामने समानता की गारंटी देता है, जबकि अनुच्छेद 15 धर्म,जाति, लिंग, नस्ल और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव को रोकता है। यह फैसला व्यापक महत्व रखता है क्योंकि यह आदिवासी समुदायों में लैंगिक न्याय के बारे में चल रही बहस पर पुनर्विचार करता है और उसे और पुष्ट करता है, खासकर संहिताबद्ध व्यक्तिगत कानूनों के अभाव में। हालांकि एचएसए, धारा 2(2) के तहत, अनुसूचित जनजाति के सदस्यों को इसके दायरे से स्पष्ट रूप से बाहर रखता है, जब तक कि केंद्र सरकार अन्यथा अधिसूचित न करे, सर्वोच्च न्यायालय ने अब स्पष्ट किया है कि इस तरह की वैधानिक चुप्पी संस्थागत असमानता का आधार नहीं बन सकती। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस कृष्ण मुरारी की पीठ ने 2022 में कमला नेती बनाम विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी के केस में आदिवासी महिलाओं के संपत्ति अधिकारों को लेकर एक अहम फैसला सुनाया। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 में आवश्यक संशोधन करके आदिवासी महिलाओं को भी संपत्ति में समान अधिकार प्रदान किए जाएं।

एनडीए में नीतीश कुमार के साथ प्रधानमंत्री के साथ रैली के मायने क्या?

बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए तमाम सियासी दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं।भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर मोतिहारी से बिहार विधानसभा चुनाव का एनडीए के तरफ से कई परियोजना का शिलान्यास किया और जोरदार भाषण दिया और विकास रैली में शामिल हुए हैं। उन्होंने बिहारवासियों को 7217 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए लिखा कि बिहार की विकास यात्रा में 18 जुलाई का दिन ऐतिहासिक होने वाला है। पटना से नई दिल्ली के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस को आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोतिहारी से ऑनलाइन हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पटना-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के अलावा तीन और अमृत भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री हरी झंडी दिखाई।इनमें मालदा टाउन-गोमतीनगर, दरभंगा-गोमतीनगर और बापूधा मोतिहारी-आनंद विहार ट्रेनें शामिल हैं। राजेन्द्र नगर पटना से नई दिल्ली को जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन प्रतिदिन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस पिछड़े, दलितों की राजनीति करते आए हैं। मगर ये परिवार से दूर किसी को सम्मान तक नहीं देते हैं। हमें इनसे बिहार को बचाकर रखा है। नीतीश और बीजेपी की टीम ने यहां बरसों से मेहनत की है। चंद्रमोहन राय जैसी हस्तियों ने मार्गदर्शन दिया। मिलकर सुनहरे भविष्य वाला बिहार बनाना है। उन्होंने अपने भाषण के अंत में नारा दिया-बनाएंगे नया बिहार, फिर एनडीए सरकार।लेकिन हाल में हुए बिहार में इस बार का चुनाव भी मुख्या तौर पर दो धड़ों के बीच है। एक तरफ सत्ता।रूढ़ एन डीए है तो दूसरी तरफ महागठबंधन है। इसके पहले 30मार्च 25 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एनडीए के बाकी साथियों की मीटिंग हुई। इसमें सभी की आमराय है कि बिहार का विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के ही नेतृत्व में लड़ा जाएगा इससे पहले हाल में ही बिहार में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भागलपुर में पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी करने के कार्यक्रम में बड़ा राजनीतिक संदेश दिया था । उसके बाद बिहार से ही काश्मीर के पहलगाँव में आतंकी हमले में मारे गए आतंकवादी के खिलाफ भाषण में भी एक साथ दिखे और आतंकवादी को कड़ा संदेश दिया उसके बाद दिल्ली के एनडीए की बैठक में भी गए कुछ चैनलों में ऐ भी दिखाया जा रहा है कि कुछ बहसा बहसी हुई लेकिन नीतीश कुमार कहीं नहीं जाने वाले है क्योंकि उन्हें मालूम है यहाँ का वातावरण सही उधर आर जे डी के अपने घर में ही झगड़ा चल रहा कोई कहता है बड़ा भाई कुछ और चाहता है और बहन मिसा भारती कुछ और और पार्टी से तेज प्रसाद यादव को कुछ आपत्तिजनक ट्वीट पर 6साल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया लालू यादव खुद सेहत से परेशान है उसके बदले कोई और लिखता है अब चुनाव नजदीक है और आरजेडी नहीं चाहेगी कि लेडीज का वोट कटे अत: जब अंदर ही पार्टी में ठीक नहीं चल रहा है तो जे डी यू अब आर जे डी के साथ नहीं जाएगी साथ ही नीतीश कुमार ने कुल मिलाकर ऐ संकेत दे दिया है अब एन डी ए से अलग नहीं होंगे उन्होंने स्पष्ट रूप से कई मंचों पर कहा भी है अब इधर-उधर नहीं जाएंगे, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार का विकास करेंगे। नीतीश कुमार जी को मालूम यह अब उम्र के हिसाब से चलना होगा ऐ शायद यदि मुख्य मंत्री बने भी तो शायद ऐ आखिरी स्टेज होगा, यदि नहीं भी बन पाए तो बी जे पी अच्छे पद पर अवश्य रखेगी क्योंकि इंडि गठबंधन में सब के मत अलग अलग है और कोई इतनी बड़ी पार्टी नहीं है कि सरकार को गिरा सके अत: मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को लेकर अभी मीडिया में काफी चर्चा हो रही है नीतीश कुमार वो शख्शियत है जो किसी के कारण नहीं अपने काम के लिए जाने जाते हैं क्योंकि जब लालू यादव की सरकार थी तो सरेआम बिहार में लूटपाट हिंसा, अपहरण, फिरौती, गुंडा गर्दी व किचरों से लहूलुहान सड़क, जुआ, रंगदारी इस कदर हावी थी कि किसी और का डर से वोट डालना भी मुश्किल है लेकिन जब 2005 में एनडीए की सरकार आयी तो खराब स्तिथि को सुधारना एक मुश्किल काम था जो बाद में नीतीश कुमार की सरकार ने दिखा दिया कि लूटा हुआ बिहार फिर चमकने लगा अत: बिहार में जद(यू) अगले विधानसभा चुनाव तक पुरी मजबूती से टिके रहेगी इसका कारण यह है की बिहार का राजनीति समीकरण ऐसा है कि वहाँ मुख्य रूप से तीन पार्टी है जो इस प्रकार है बीजेपी, आरजेडी व जद (यू) जब भी कोई दो पार्टी मिलती है तभी सरकार बनती है वहाँ का जातियों का समीकरण ही कुछ इसी तरह का है बीच में लोजपा भी है और जो दो गुटों में है वो भी इधर मजबूत हो रही है और खासकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जो किसी का भी खेल बिगाड़ सकती है क्योंकि वहाँ जीत का मार्जिन बहुत ही कम वोटो के अंतर से होता है और बीजेपी 2015 के विधानसभा में अपने कुछ छोटी छोटी सहयोगी पार्टियों के सहारे केवल 55सीट पर सिमट गई थी और जद (यू) व आरजेडी को 71 व 80सीट मिले थे बिहार के मुख्यमंत्री को इतनी आसानी से समझना किसी के बस की बात नहीं है यदि कहीं वो फिर से पाला बदलेंगे तो बीजेपी अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है क्योंकि आज भी मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का अच्छा जनाधार है एक बार जब जद (यू) व आरजेडी का गठबंधन बना था तो मैं रिक्शा से रिक्शावाला से पूछा कि क्या भाई आप किस को वोट दे रहें हैं कहा देना तो था लालूजी को लेकिन जब गठबंधन बना है तो जद (यू) को ही सब मिलकर वोट करेंगे अत: जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में हैं तो ऐसे में बीजेपी कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहेगी वहाँ अभी भी बाहुबली का राज है तभी तो लोकसभा में जेल से पेरोल पर चुनाव में बुलाया गया और बीजेपी भी जद (यू) को तोड़ने का कोई प्रयास नहीं करेगी क्योंकि अगर उसे तोड़ दी तो उसी का नुकसान हो सकता है क्योंकि बाहुबली सब आरजेडी या निर्दलीय चुनाव लड़ कर एक अच्छा वोट बैंक ला सकती है नीतीश कुमार पाला बदलने में माहिर हैं।

इसलिए इन सब बदलाव पर कुछ बोल नहीं रहें है लेकिन पर्दे के पीछे उन्हें भी पार्टी के बारे में मालूम हो रहा होगा चूंकि केंद्र में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं है और सरकार एनडीए की है अत: कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहेगी क्योंकि श्री नीतीश कुमार जब सारा विपक्ष को एक कर दी थी ऐ सही बात है कि इंडिया गठबंधन के लोगों ने उन्हें भाव नहीं दिया और पाला बदलकर पुन: एनडीए में शामिल हो गए नीतीश कुमार को जब लगा कहीं जद(यू) में टूट होकर कहीं पीएम के चक्कर में सीएम की कुर्सी भी तेजस्वी को ना चला जाए तो प्रधानमंत्री मोदीजी के पास अन्य लोगों के माध्यम से लोकसभा चुनाव हेतु लगा कि जद (यू) की सीट आरजेडी और कॉंग्रेस व अन्य के साथ गठबंधन से 4 से 5 सीट से ज्यादा नहीं मिलेगा।

-संजय गोस्वामी

दुनियाँ को बदलने के लिए सही साधनों के साथ बालिकाओं को सुरक्षित शिक्षित सशक्त और स्वस्थ जीवन शैली सुनिश्चित करना समय की मांग

भारत में आदिअनादि काल से भारतीय संस्कृति में महिलाओं का बहुत सम्मान किया जाता रहा है। उन्हें देवियों का अवतार माना जाता रहा है, परंतु बड़े बुजुर्गों की कहावत सत्य ही है कि, समय कभी एक सा नहीं रहता परंतु उनकी वह भी शिक्षा है कि वह अपनी सकारात्मक सोच सच्चाई नारी सम्मान परमार्थ बुरी नजर से बचना सहित अनेक गुणों को समय के साथ न बदलते हुए स्थाई रखना मानवीय स्वभाव में समाहित करना जरूरी है। परन्तु जैसे-जैसे समय बीतता गया इनकी स्थिति में काफी बदलाव आया,लड़कियों के प्रति लोगों की सोच बदलने लगी, बालविवाह प्रथा, सती प्रथा, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या इत्यादि रुढ़िवादी प्रथायें काफी प्रचलित हुआ करती थी, इसी कारण लड़कियों को शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार और चिकित्सा जैसे अधिकारों से वंचित रखा जाने लगा था, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अब इस आधुनिक युग में लड़कियों को उनके अधिकार देने और उनके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कई प्रयास किये जा रहे हैं। भारतीय सरकार भी इस दिशा में काम कर रही है और कई योजनायें लागू कर रही है। इसलिए आज हम मीडिया के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से दुनिया को बदलने के लिए सही साधनों के साथ बालिकाओं को सुरक्षित शिक्षित सशक्त और स्वस्थ जीवन शैली सुनिश्चित करना समय की मांग है इसपर चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम बालिकाओं की शक्ति को साकार करने में निवेश की करें तो, ये एक असाधारण रूप से महत्वपूर्ण चरण से गुजरती हैं जहां उन्हें एक सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ जीवन शैली सुनिश्चित करके दुनिया को बदलने के लिए सही साधनों के साथ सशक्त बनाया जा सकता है। उनमें आज की सशक्त लड़की के साथ-साथ कल की कार्यकर्ता, मां, उद्यमी, संरक्षक, घर का मुखिया या राजनीतिक नेता दोनों होने की क्षमता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, किशोरियों की शक्ति को साकार करने में निवेश आज उनके अधिकारों को कायम रखता है और एक अधिक न्यायसंगत और समृद्ध भविष्य का वादा करता है, जिसमें जलवायु परिवर्तन, राजनीतिक संघर्ष की समस्याओं को हल करने में आधी मानवता एक समान भागीदार है, आर्थिक विकास, बीमारी की रोकथाम और वैश्विक स्थिरता। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो,भारतीय समाज में सदियों से बेटियों को कई प्राचीन कुप्रथाओ, रीति-रिवाजों, के चलते प्रताड़ित होना पड़ा है। आज भी निर्भया जैसा कांड शर्मनाक है। कहने को हम आधुनिक हो चले हैं पर आज भी बहुत सारी ऐसी घटनाएं होती है जिन्हें सुनकर समाज का असभ्य चेहरा सामने आता है। आज भी भारतीय समाज में भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, यौन शोषण, बलात्कार जैसे अनैतिक कृत्य नहीं रुक रहे हैं। प्रशासन के साथ-साथ हर निजी व्यक्ति की भी एक सामाजिक जिम्मेदारी होती है। बेटियों को अच्छे संस्कार,नैतिक मूल्यों का महत्तव,महान महिलाओं की गाथाओं और धार्मिक संस्कारों से परिचित कराना अभिभावकों का कर्तव्य है।बाहर ही नहीं बल्कि घर में भी वह भेदभाव, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न का शिकार हो रही हैं। इसलिए लड़कियों को शिक्षित करना हमारा पहला दायित्व है और नैतिक अनिवार्यता भी। शिक्षा से लड़कियां न सिर्फ शिक्षित होती हैं बल्कि उनके अंदर आत्मविश्वास भी पैदा होता है। वह अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती हैं साथ ही यह गरीबी दूर करने में भी सहायक होती है। साथियों हालांकि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ भारत सरकार ने 2015 में योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य देश में हर बालिका को शिक्षा प्रदान करना है। यह बाल लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे को भी संबोधित करता है। योजना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी सुरक्षा करना है। यह योजना त्रि-मंत्रालयी प्रयास है। इसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, मानव संसाधन विकास और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा और 2015 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाए गए इसके 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में प्रगति के लिए एक रोडमैप शामिल है जो टिकाऊ है और किसी को पीछे नहीं छोड़ता है। 17 लक्ष्यों में से प्रत्येक लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को प्राप्त करने का अभिन्न अंग है। साथियों बात अगर हम बदलते परिपेक्ष की करें तो, वक्त के साथ समाज की प्राथमिकताएं बदलती है सोच और आदतें बदलती है निरंतर विकास की ओर कदमों की छाप बढ़ती जाती है इसी तरह ग्रामीण लोगों के नज़रिये में बदलाव आने लगा है। अब वह न केवल लड़कियों को क्रिकेट - फुटबॉल खेलने के लिए प्रोत्साहित करने लगे हैं बल्कि इससे जुड़ी हर गतिविधियों में सहयोग भी करते हैं। लेकिन ये भी सच है लैंगिकता के मायने लड़कियों और लड़कों, महिलाओं और पुरुषों में महिलाओं ने समानता सदैव चुनौतियों का सामना किया चाहे ग्रामीण इलाकों रहे हो या शहरी। ग्रामीण क्षेत्र अब भी महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर चाहे पहनावे से लेकर हो या नौकरी करने तक इक संकुचित सोच के दायरे में सिमटा हुआ है। साथियों बात अगर हम महिलाओं के हक में कानून व्यवस्थाएं बनाने की करें तो इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके अधिकारों के संरक्षण करना है,क्योंकि लिंग आधारित चुनौतियों को समाप्त करता है, जिसका सामना दुनिया भर में लड़कियां करती हैं, जिसमें बाल विवाह, उनके प्रति भेदभाव और हिंसा शामिल है। महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है।

खिलती हुई कलियाँ हैं बेटियाँ,
माँ-बाप का दर्द समझती हैं बेटियाँ,
घर को रोशन करती हैं बेटियाँ,
लड़के आज हैं तो आने वाला कल हैं बेटियाँ।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दुनिया को बदलने के लिए सही साधनों के साथ बालिकाओं में आज की सशक्त लड़की के साथ कलकी कार्यकर्ता मां उद्यमी संरक्षक घर का मुखिया राजनीतिक नेता दोनों होने की क्षमता है इसलिए उन्हें सुरक्षित शिक्षित सशक्त और स्वस्थ जीवन शैली सुनिश्चित करना समय की मांग है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत में उपभोग के मामले में घटती असमानता को आखिर क्यों सराहना मिलनी चाहिए!

हाल ही में भारत के उपभोग-आधारित गिनी गुणांक में आई गिरावट ने एक जबरदस्त चर्चा को जन्म दिया है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत का गिनी गुणांक 2011-12 में 28.8 से घटकर 2022-23 में 25.5 हो गया है। गिनी गुणांक में यह गिरावट तब और महत्वपूर्ण हो जाती है, जब इसकी तुलना विशेष रूप से विश्व असमानता डेटाबेस (डब्ल्यूआईडी) के आय-आधारित अनुमानों के साथ की जाती है। असमानता संबंधी इस डेटाबेस ने 2023 में भारत के गिनी को स्पष्ट रूप से 62 के चिंताजनक स्तर पर रखा था। इस स्पष्ट असंगति को समझने के लिए अंतर्निहित आयामों, डेटा स्रोतों और वैचारिक ढांचे का गहन विश्लेषण जरूरी है। इसके बाद बात एक ऐसे तार्किक आलोचनात्मक विमर्श की आती है - जो पद्धतिगत असंगतियों को ठोस आर्थिक हकीकतों से अलग करके देखता है तथा असमानता को दूर करने के मौलिक रूप से भिन्न उपायों को एक साथ मिलाने के खतरों पर प्रकाश डालता है।

इस भिन्नता के मूल में एक महत्वपूर्ण वैचारिक अंतर है- उपभोग संबंधी असमानता और आय संबंधी असमानता के बीच का अंतर। विशाल अनौपचारिक श्रमशक्ति, व्यापक पैमाने पर वस्तुओं का लेनदेन करने और तेजी से विस्तारित होती कल्याणकारी संरचना वाले भारत जैसे देश में आय अक्सर अस्थिर होती है और उसके बारे में कम रिपोर्ट की जाती है या उसे व्यापक रूप से दर्ज पाना कठिन होता है। इसके उलट, उपभोग समय के साथ अधिक सुचारू होता जाता है और यह वास्तविक जीवन स्तर को ज्यादा सही तरीके से प्रतिबिंबित करता है। विश्व बैंक का गरीबी एवं असमानता मंच (पीआईपी) राष्ट्रीय संदर्भ के आधार पर प्रयोज्य आय या उपभोग संबंधी व्यय का उपयोग करते हुए इस तर्क को अपनाता है। सबसे पहले, यह बताना उचित होगा कि विश्व बैंक ने अपने 卐विश्व बैंक का असमानता संबंधी नया सूचक卐 शीर्षक वाले शोध-पत्र में उपभोग आधारित गिनी को आय आधारित गिनी और आय आधारित गिनी को उपभोग आधारित गिनी में बदलने का तरीका सुझाया है। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि 84 देश-वर्षों में, जहां उपभोग आधारित तथा आय आधारित दोनों गुणांकों के आंक? उपलब्ध थे, आय व उपभोग आधारित गिनी गुणांकों का औसत अनुपात 1.13 है। इस औसत अनुपात को भारत के 25.5 के उपभोग-आधारित गिनी गुणांक पर सीधे लागू करने पर लगभग 28.8 की आय आधारित गिनी हासिल होती है। परिणामस्वरुप, आय-समतुल्य मान्यताओं के तहत भारत अभी भी 12वें स्थान पर है। यह सरल अनुमान पीआईपी डाटाबेस के भीतर कल्याण के विभिन्न प्रकारों की तुलना करने का एक तरीका सुझाता है। इससे एक प्रासंगिक सवाल उठता है- इस तरीके को व्यापक रूप से स्वीकार क्यों नहीं किया गया है? इसका जवाब शायद चुनिंदा रूप से बाहरी अनुमानों पर जोर देने की प्रवृत्ति में निहित है। जब विभिन्न देशों के बीच तुलना के लिए दिए गए सरल अनुमान का उपयोग किया जाता है, तो आय के संदर्भ में मापे जाने पर भी भारत की असमानता संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन की तुलना में काफी कम दिखाई देती है। उपभोग आधारित कल्याण का दृष्टिकोण अपनाने वाले 48 देशों की सूची में, भारत तीसरे स्थान पर है। पीआईपी डाटाबेस में भारत का 25.5 का उपभोग आधारित गिनी गुणांक भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय है। उदाहरण के लिए, चीन का उपभोग आधारित गिनी उसी डेटाबेस के अनुसार और कल्याण की उसी अवधारणा का उपयोग करते हुए 35.7 है। लगभग 10 अंकों का यह अंतर बेहद उल्लेखनीय है। दूसरा, बड़े पैमाने वाली समाज कल्याण योजनाओं का प्रभाव स्पष्ट रूप से आलोचना से दायरे से गायब क्यों है? भारत जैसे देश में सब्सिडीयुक्त भोजन, एलपीजी, आवास, ग्रामीण रोजगार, स्वास्थ्य बीमा और प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण जैसे बड़े पैमाने वाले समाज कल्याण कार्यक्रमों ने गरीबों के जीवन स्तर को काफी हद तक बेहतर बनाया है। परिणामस्वरूप, वहां उपभोग निश्चित रूप से आय की तुलना में अधिक होगा और अपेक्षाकृत अधिक समान रूप से वितरित होगा। सार्वजनिक प्रावधान के ये रूप खासतौर पर ग्रामीण और अनौपचारिक क्षेत्रों में कल्याण को बढ़ाते हैं। वर्ष 2025 के बजटीय अनुमान के अनुसार, विभिन्न लाभार्थी योजनाओं पर केन्द्र सरकार का व्यय 7.1 लाख करोड़ रुपये होगा तथा विभिन्न राज्य मिलकर इसमें 7.4 लाख करोड़ रुपये और जोड़ेंगे। इसका कुल योग लगभग 14.5 लाख करोड़ रुपये होगा। पीएलएफएस डेटा के अनुसार, नियमित वेतनभोगी कर्मचारी की औसत मासिक कमाई लगभग 21000 रुपये और स्व-नियोजित व्यक्ति की औसत मासिक कमाई लगभग 14000 रुपये है। अनियमित मजदूर की प्रतिदिन की औसत कमाई 433 रुपये है। इन अनुमानों का उपयोग करने और चार लोगों के परिवार की निर्भरता को ध्यान में रखने पर, यह प्रति व्यक्ति आय 65000 रुपये की बन जाती है। यह मानते हुए कि कुल लाभार्थी योजनाओं का 80 प्रतिशत हिस्सा नीचे के 50 प्रतिशत लोगों तक पहुंचता है, यह प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ तमाम गड़बड़ियों और अतिव्यापन (ओवरलैप) के बावजूद प्रति व्यक्ति 15000 रुपये प्रति वर्ष का बनता है। प्रभावी संसाधनों में लगभग 20 प्रतिशत का यह उत्थान उपभोग में बदल जाता है। इस प्रकार, इन रूढ़िवादी मान्यताओं के तहत भी, यह प्रभावी असमानता को महत्वपूर्ण रूप से कम करता है। इन उपायों से गरीबी में भी नाटकीय गिरावट आई है तथा चरम गरीबी की दर 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 2.3 प्रतिशत रह गई है। कुल 3.65 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की निम्न-मध्यम-आय रेखा पर, गरीबी 61.8 प्रतिशत से घटकर 28.1 प्रतिशत हो गई है। डब्ल्यूआईडी के अनुमानों को बिना सोचे-समझे स्वीकार करने से पहले, क्या हमें यह नहीं जानना चाहिए कि ये अनुमान आखिर क्या माप रहे हैं? डब्ल्यूआईडी डेटाबेस की बात करें तो, उनकी आय संबंधी मानक अवधारणा है- कर-पूर्व, प्रतिस्थापन-पश्चात राष्ट्रीय आय — यानी करों और हस्तांतरणों से पहले, पेंशन और बेरोजगारी लाभ जैसे सामाजिक बीमा घटकों को छोड़कर। इसका मतलब है कि वे अधिकांश गैर-अंशदायी कल्याणकारी हस्तांतरणों— जैसे कि भारत का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), खाद्य सब्सिडी, एलपीजी से जुड़ी योजनाएं, आयुष्मान भारत, ग्रामीण आवास आदि - को छोड़ देते हैं। भारत की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली अंशदायी बीमा की तुलना में गैर-अंशदायी हस्तांतरणों पर कहीं अधिक निर्भर करती है। इन्हें डब्ल्यूआईडी की आय संबंधी अवधारणा में शामिल नहीं किया जाता, भले ही ये वास्तविक आय और क्रय शक्ति को भौतिक रूप से क्यों न बढ़ाते हों। जब डब्ल्यूआईडी इन लक्षित योजनाओं के पुनर्वितरणात्मक प्रभाव को अनदेखा करके और राष्ट्रीय आय के शीर्ष पर स्पष्ट संकेंद्रण को बढ़ाकर भारत में असमानता को मापता है, तो इससे एक व्यवस्थित एवं नीचे की ओर जाने वाला पूर्वाग्रह पैदा होता है। इसलिए, डब्ल्यूआईडी के आय की असमानता से जु? ढांचे के तहत, हम अनिवार्य रूप से कह रहे हैं कि भारत में उत्थान की प्रमुख योजनाओं का मापी गई असमानता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। दूसरे, डब्ल्यूआईडी अपने डेटाबेस को संकलित करने के लिए कर संबंधी रिकॉर्ड पर बहुत अधिक निर्भर रहता है। अब यदि हम कर संबंधी रिकॉर्ड को देखें, तो लोगों की कर योग्य आय के आयकर रिटर्न (आईटीआर) संबंधी आंकड़ों का उपयोग करके अनुमान लगाया गया गिनी गुणांक यह दर्शाता है कि व्यक्तिगत आय में असमानता आकलन वर्ष 2015 (वित्तीय वर्ष 2014) से लेकर आकलन वर्ष 2023 (वित्तीय वर्ष 2022) के दौरान 0.472 से घटकर 0.402 हो गई है। आकलन वर्ष 2015 (वित्तीय वर्ष 2014) में 4 लाख रुपये से कम आय वर्ग से संबंधित 43.6 प्रतिशत व्यक्तिगत आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले लोग निम्नतम आय वर्ग को छोड़कर ऊपर वाले वर्ग में पहुंच गए। वित्तीय वर्ष 2014 और वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान आय में हुई असमानता की तुलना से यह पता चलता है कि आय वितरण के वक्र में स्पष्ट रूप से दाईं ओर बदलाव हुआ है, जिसका अर्थ है कि निम्न आय वर्ग के लोग आबादी में अपने हिस्से के अनुरूप अपनी आय बढ़ा रहे हैं। आकलन वर्ष 2024 का घंटी के आकार का वक्र और भी कुछ कहता है!! वित्तीय वर्ष 2014 में, कुल आय में शीर्ष एक प्रतिशत का हिस्सा 1.64 प्रतिशत था। यह हिस्सा वित्तीय वर्ष 2021 में घटकर 0.77 प्रतिशत रह गया है। इसके अलावा, 1.1 की कर उछाल और कर संग्रह की घटती लागत वास्तव में बेहतर अनुपालन को दर्शाते है। इसलिए, इसे बढ़ती असमानता के रूप में समझने की गलती नहीं करनी चाहिए। यदि भारत के कर संबंधी आधिकारिक आंकड़े बेहतर प्रगति को दर्शाते हैं तथा बड़े पैमाने वाले उपभोग संबंधी सर्वेक्षण असमानता में निरंतर कमी का संकेत देते हैं, तो यह पूछना उचित होगा कि डब्ल्यूआईडी के अनुमान आखिर इतनी अलग कहानी क्यों बताते हैं। यह तर्क देना कि केवल चुनिंदा रूप से बढ़ाए गए आय संबंधी अनुमानों के आधार पर भारत में असमानता गहराई से पैठी हुई है, बिल्कुल वैसा ही दावा करने जैसा है कि चूंकि राजस्थान में पानी का अभाव है, इसलिए समूचे देश में पानी का संकट है। अभाव की तरह, असमानता में एकरूपता नहीं होती है—यह आयामों, क्षेत्रों और मापन उपकरणों के आधार पर अलग-अलग होती है। लेकिन ऐसी असमानता से व्यापक प्रगति अमान्य नहीं हो जाती। संकीर्ण एवं आंशिक दृष्टिकोण के पक्ष में इन पहलुओ की उपेक्षा करने वाला कोई भी मूल्यांकन उसी प्रगति को खारिज करने का जोखिम मोल लेता है, जिसकी वह आलोचना करना चाहता है। अब जबकि हम आगे की ओर अग्रसर हैं, दो बातें महत्वपूर्ण हैं। पहली बात, बेहतर रिपोर्टिंग का मतलब बढ़ती असमानता नहीं है—और हमें बेहतर आंकड़ों के प्रभावों पर प्रतिक्रिया करने से बचना चाहिए। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कल्याणकारी अर्थशास्त्र को हमेशा अपने इस मूल प्रश्न पर लौटना चाहिए कि- कौन सी चीज निचले आधे हिस्से के जीवन से जुड़े अनुभवों को बेहतर बनाती है?

-सौम्य कांति घोष एवं फाल्गुनी सिन्हा (लेखक 16वें वित्त आयोग के सदस्य और भारतीय स्टेट बैंक समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार व भारतीय स्टेट बैंक के अर्थशास्त्री हैं। ये उनके निजी विचार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। आयातित मालों में बनी तेजी से समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार तेजी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन सुधार पर रहा। दिसावरी तेजी से जीरा मजबूती पर रहा। दलहनों में चना सुर्खी पर रहा। मूंग में बाजार मजबूती पर रहे।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में कामकाज की मात्रा कम ही रही। फलिहारी जिंसों में पूछपरख कमजोर पड़ी है। वहीं सूखे मेवों व नारियलों में बाजार सुर्ख बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार शक्कर में छुटपुट लेवाली के चलते बाजार में तेजी देखी गयी। शक्कर में बाजार 4100-4130 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूती पर देखा गया। जीरे में माँग वाली बात नहीं है। दिसावरी कमजोरी से बाजार नरमी के देखे गये। जीरा राजस्थान क्वालिटी मालों में बाजार 250-260 रू. प्रति किलो पर आ गये। सूखे मेवों में पूछपरख वाली बात नहीं है, किन्तु काजू व तरबूज मगज में राखी के लिए लेवाली रहने से बाजार तेजी के देखे गये। काजू में बाजार 950-960 रू. प्रति किलो पर आ गये। नारियलों में पूछपरख अच्छी रहने से बाजार सुर्खी पर देखे गये। नारियलों में 120 भरती मालों में बाजार 3150-3200 रू. प्रति थैले पर मजबूती पर देखे गये।

तेल तिलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार तेजी के देखे गये। बाजार सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1420-1440 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सोया व कपास्या तेलों में 10-15 रू. प्रति 10 किलो तक की तेजी आयी और सोया तेल रिफाइंड मालों में बाजार 1135-1140 रू. प्रति 10 किलो पर मजबूती पर बने रहे। तिलहनों में सरसो में पूछपरख सामान्य है, किन्तु आवकें कमजोर रहने से बाजार तेजी के देखे गये। सोया तेल रिफाइंड मालों में बाजार 1135-1140 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 4200-4250 रू. प्रति क्विंटल से बढ़कर 4300 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये।

दाल दलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में चने में लेवाली के चलते बाजार 50 रू. प्रति क्विंटल से बढ़कर 6300 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। तुअर में पूछपरख सामान्य रहने से बाजार मजबूती पर बने रहे। तुअर निमाड़ी मालों में बाजार 6000-6400 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। मसूर में पूछपरख से भावों में 50-100 रू. प्रति क्विंटल की तेजी आयी और मसूर में बाजार 6100-6200 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखे गये। उड़द व मूंग में सामान्य कारोबार से बाजार सुर्खी पर रहे।

इस सप्ताह सीमित दायरे में रह सकता है सोना- विश्लेषक

नई दिल्ली। इस सप्ताह सोने की कीमतें सीमित दायरे में रह सकती हैं क्योंकि निवेशक वैश्विक व्यापार वार्ता, अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी फेड चेयरमैन जेरोम पावेल का संबोधन, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरो क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े और यूरोपीय केंद्रीय बैंक की ब्याज दर नीति सोने की दिशा तय करेंगे। बाजार के जानकारों ने बताया कि व्यापार वार्ता, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों की टिप्पणियां और आर्थिक आंकड़े जैसे बेरोजगारी दावे व टिकाऊ वस्तुओं के ऑर्डर बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा कि डॉलर में मजबूती और नए उत्प्रेरकों की कमी के कारण सोने के भाव में हाल ही में स्थिरता देखी गई है। वहीं, अगस्त से अक्टूबर तक त्योहारी मांग के कारण घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में तेजी आ सकती है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अगस्त डिलिवरी वाला सोना पिछले सप्ताह 200 रुपए चढ़ा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 3,350 प्रति औंस डॉलर तक पहुंचा है। वहीं चांदी एमसीएक्स पर सितंबर डिलिवरी वाला चांदी अनुबंध 1,15,136 प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों के अनुसार, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स में मांग के कारण चांदी अब 'गरीबों का सोना' न रहकर रणनीतिक निवेश विकल्प बन रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी जारी रही, तो 2025 की दूसरी छमाही में सोने में 4-8 फीसदी तक और तेजी आ सकती है।

नया आयकर विधेयक-2025: कर प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को नया आयकर विधेयक-2025 पेश किया जाएगा, जो 1961 के छह दशक पुराने आयकर अधिनियम की जगह लेगा। भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में गठित 31 सदस्यीय प्रवर समिति ने इस विधेयक की समीक्षा कर 285 सुझावों के साथ रिपोर्ट तैयार की है, जिसे 16 जुलाई को अंतिम रूप दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 13 फरवरी को यह विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया था। सरकार का दावा है कि यह विधेयक कर प्रणाली को सरल, स्पष्ट और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। नए विधेयक में धाराओं की संख्या 819 से घटाकर 536 कर दी गई है और शब्दों की कुल संख्या 5.12 लाख से घटाकर 2.6 लाख कर दी गई है। अध्यायों की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी गई है, जबकि तालिकाएं 18 से बढ़ाकर 57 की गई हैं। इसमें 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं, जिससे विधेयक अधिक सरल और समझने योग्य बन गया है। करदाताओं के हित में एक बड़ा बदलाव यह है कि पिछले वर्ष और आकलन वर्ष की अवधारणाएं हटाकर कर वर्ष को लागू किया गया है। इससे कर निर्धारण अधिक सीधा और पारदर्शी होगा। विधेयक में टीडीएस/टीसीएस और छूट संबंधी प्रावधानों को सारणीबद्ध रूप में रखा गया है और गैर-लाभकारी संस्थाओं के लिए नियमों को सरल भाषा में स्पष्ट किया गया है। यह बदलाव आयकर प्रणाली को अधिक न्यायपूर्ण, डिजिटल युग के अनुकूल और विवाद रहित बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

एचडीएफसी बैंक को पहली तिमाही में 18,155 करोड़ का मुनाफा हुआ

नई दिल्ली। निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने वित्त-वर्ष 26 की पहली तिमाही के रिजल्ट की घोषणा कर दी। बीती अप्रैल-जून 2025 तिमाही में बैंक ने कुल 18,155.21 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। यह पिछले साल के मुकाबले 12.24 फीसदी अधिक है। ?विशेषज्ञों ने इस तिमाही में 17,385 करोड़ रुपये के मुनाफे की उम्मीद की थी। इसके साथ ही बैंक का स्टैंडअलोन नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) भी 5.4 फीसदी बढ़कर 31,438 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक ने ऑपरेटिंग प्रॉफिट में भी अच्छा प्रदर्शन किया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए अक्स्मात लाभ दिलाने वाला है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको अपने कानूनी मामलों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आप अपने किसी काम को लेकर अनदेखी न करें। संतान की पढ़ाई-लिखाई में यदि कोई समस्या आ रही थी, तब वह भी दूर होगी। आपको अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आप अपने अच्छी सोच से कार्यक्षेत्र में अपने बॉस की आंखों का तारा बनेंगे और आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी भी मिल सकती है। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी। करियर में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा। आप अपने लेनदेन से संबंधित मामलों में लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। पारिवारिक रिश्तों में आपको समानता बनाए रखनी होगी। कार्यक्षेत्र में आप छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करें। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको कोई नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकती है। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। आप अपने समय का सदुपयोग करें। आपको इधर-उधर बैठकर खाली समय व्यतीत करने से बचना होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। मित्रों के साथ संबंधों में सुधार आएगा। व्यापार में आपको समझदारी दिखानी होगी। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपके धनधान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको किसी दूर रहे परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। शासन प्रशासन का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने व्यापार को आगे ले जाने के लिए योजना बनानी होगी और किसी के साथ आप पार्टनरशिप करने से बचें। आपके कुछ नए शत्रु उत्पन्न हो सकते हैं, जिनको आपको पहचान की आवश्यकता है। राजनीति में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी और वह जी तोड़ मेहनत करेंगे। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपकी कला कौशल में सुधार आएगा और आर्थिक स्थिति को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपको शासन सत्ता का पूरा लाभ मिलेगा। आप अपने घर के रिनोवेशन का काम शुरू कर सकते हैं। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, लेकिन आप अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं। वाहनों का प्रयोग आपको सावधान रहकर करना होगा और आप किसी को उधार देने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। आप अपने बिजनेस में पार्टनरशिप न करें, बहुत ही देखभाल कर करें। माताजी से आप कुछ पारिवारिक समस्याओं को लेकर बातचीत कर सकते हैं, क्योंकि वह आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगी। आपने यदि किसी से कोई वादा किया था, तो उसे आपको समय रहते पूरा करने की आवश्यकता है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में आपको मनपसंद काम मिल सकता है।

धनु- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए ठीक-ठाक रहने वाला है, लेकिन उसमें किसी के कहने में आकर कोई जोखिम भरा काम ना करें। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे। आपको यदि कोई पहले का लेनदेन चल रहा था, तो वह भी दूर होता दिख रहा है। स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है। आपको अपनी पारिवारिक मामलों को घर में रहकर ही निपटना बेहतर रहेगा। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते है।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिलेजुले परिणाम लेकर आएगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी बड़े लक्ष्य को पूरा करने की आवश्यकता है। मित्रों के साथ आपका विश्वास काफी गहरा होगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रहा है। आप माताजी की सेहत को लेकर आप लापरवाही बिल्कुल ना करें।

कुंभ- आज आपको किसी वाद-विवाद को करने से बचना होगा। आज कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कोई झूठा आरोप लगा सकता है, जिसमें आप अपनी बात अधिकारियों के सामने अवश्य रखें। आप कुछ नया सीखने के बाद पूरा ध्यान देंगे। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपको किसी बात पर बहुत ही सोच विचारकर बोलने की आवश्यकता है। संतान के करियर को लेकर आप महत्वपूर्ण डिसीजन ले सकते हैं।

मीन- आज आपको परिस्थितियों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। आप किसी विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध करने से आपकी समस्याएं बढ़ सकती है। बड़ों के प्रति आदर व सम्मान बना रहेगा। आपको वाहनों के तरफ से आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

शब्दजाल - 7966

शब्द जाल में सर्वाधिक पढ़े जानेवाले 10 समाचार पत्रों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हैं.

ट	ई	म्स	ऑ	फ	इं	डि	या	र	प	दै
ई	हिं	दु	स्ता	न	डो	ने	ग	ति	मा	नि
स	द	म	ला	मा	ग	अं	डे	ह	दै	क
जी	ग	ल	ई	ना	डू	स	ली	ह	नि	जा
लो	अ	या	र	न	न	मे	थां	का	क	ग
ल	क	ला	त	अ	प	का	थी	ह	भा	र
लो	क	म	त	व	म	ला	र	मा	स्क	ण
र	मा	नो	व	न	प	र	रा	ल	र	ला
क	तृ	र	अ	लं	का	र	उ	न	जू	दे
र	भू	मा	मा	न	सिं	ब्रा	स	जा	प	श
बां	मि	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	ला	र

दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण,ईनाडू, मलयाला मनोरमा, डेली थांथी,अमर उजाला, लोकमत, मातृभूमि, हिंदुस्तान, टाईम्स ऑफ इंडिया

शब्दजाल - 7965 का हल

म	अ	मु	न	फा	ल्गु	न	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	चै	त्र	स	द	ज	कां	ड़
चु	पौ	ष	बा	दी	छ	का	आ	ब	सा	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	से	ति	ल	व	क
डि	आ	मा	ल	भा	चा	न	र	क	न	च
या	ल	न	र्ग	रा	द	ली	ती	ण	घ	र
द	ज्ये	र्नि	ग	शी	न	वा	स	बा	व	स
क	ष्ठ	ऊ	ई	द	र्ष	क	फ	चो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	वै	शा	ख	प	द
क	ड	आ	षा	ढ़	क	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.06 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	07.26 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.38 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.49 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.03 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.19 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.25 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.11 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.44 बजे से
राहुकाल		मेष	23.14 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	00.55 बजे से
बजे तक		मिथुन	02.53 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 202 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 09.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 21.07 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 18.39 बजे को समाप्त। **करण** बालव 09.39 बजे तदनन्तर कौलव 20.22 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872412 **जूलियन दिन** 2460877.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 25 **विशेष** कामिका एकादशी, श्रावण सोमवार व्रत, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः खजाने का रखवाला

बगदाद के खलीफा हजरत अली अपने कुछ खास उसूलों के लिए जाने जाते थे। उनके दिल में प्रजा के लिए बेहद प्यार था। वह कभी अपने अधिकारों का दुरुपयोग नहीं करते थे। वह भी अन्य कर्मचारियों की तरह राजकाज और प्रजा की सेवा के बदले हर रोज शाम में सिर्फ तीन दिरहम लिया करते थे। दिरहम वहां की मुद्रा थी। उनका यह वेतन दूसरे कर्मचारियों के वेतन से बहुत कम था। अक्सर उनके सलाहकार और दोस्त उनसे कहा करते थे, 'आप तो राज्य के मालिक हैं और यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। आपको राज्य की सुविधाओं का खुलकर उपभोग करना चाहिए। खूब ऐशोआराम से जीना चाहिए। आप इस तरह अभाव और सादगी से क्यों जीते हैं ?' इस पर हजरत अली का जवाब होता था, 'राज्य का खजाना और सुविधाएं मेरे और मेरे परिवार के उपभोग के लिए नहीं हैं, मैं बस इनका रखवाला हूं। प्रजा ने मुझे इनकी हिफाजत की जिम्मेदारी सौंपी है। फिर मैं इनका इस्तेमाल कैसे कर सकता हूं।' खलीफा के इस जवाब से सब निरुत्तर हो जाते थे। खलीफा की बेगम भी अपने शौहर की सिद्धांतप्रियता से भलीभांति परिचित थी। फिर भी एक बार उसने उनसे प्रार्थना की, 'अगर आप मुझे तीन दिनों की तनख्वाह पेशगी ला दें, तो मैं ईद पर बच्चों के लिए नए कपड़े बनवा लूं।' खलीफा बोले, 'अगर मैं तीन दिन जिंदा न रहा तो यह कर्ज कौन चुकाएगा। तुम खुदा से मेरी जिंदगी के तीन दिनों का पट्टा ला दो, तो मैं खजाने से तीन दिन की तनख्वाह पेशगी उठा लूंगा।' बेगम को अपनी भूल का अहसास हुआ।

फिल्म वर्ग पहेली- 6910

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक ?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका ?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका ?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगू ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6909

खु	शी		शो		द	रा	र		फ
दा		प	र	ख		जे		खा	की
ग	द	र		त	ला	श			रा
वा		दे	व	र		ख	ली	फा	
ह	व	स		ना		त्रा		गु	स
	क्त		नौ	क	र		आ	न	
गु		रा	ज		च	र	स		बा
म	स्त		वा	स	ना		रा	जा	जी
ना		जा	न	स		सु			ग
म	शा	ल		र	फ्ता	र		ड	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7219

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7218 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 8434

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार,अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला,वेणी-3
6. पैर,पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश,बंजारा-4
11. राशन,खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल,रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी,जल-2
23. नौका-2
24. देह,काया,शरीर-3
25. अगुवा,राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग,पथ-2
8. गागर,घड़ा,घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या,कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा,गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक,मसखरा-3
22. ईश्वर,भगवान-2
23. बटन,स्विच-2

शब्द पहेली -8433 का हल

	र	ह	म	त		म		
	ह		द		प	न	घ	ट
स	ब	ल		बी	रा	न		क
	र	की	ब		या		ना	रा
स		र	ज	त	प	ट		व
र	वि		ब		न	ह	र	
ह		म	जा	क		नी	बा	ला
द	फ	ना	ना		सा		य	
		ही		ग	फ	ल	त	

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की दिशा

मुंबई। इस सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल कई महत्वपूर्ण कारकों पर निर्भर करेगी। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता की प्रगति और वैश्विक आर्थिक संकेतक प्रमुख हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की नजर सबसे पहले सोमवार को रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के वित्तीय परिणामों पर रहेगी। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जून तिमाही में 26,994 करोड़ का लाभ दर्ज किया है, जो अब तक का उसका सबसे अधिक तिमाही लाभ है। यह लाभ पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 78.3 प्रतिशत अधिक है। एचडीएफसी बैंक ने जून 2025 तिमाही में 1.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,258 करोड़ का लाभ दर्ज किया है। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 15.9 प्रतिशत बढ़कर 13,558 करोड़ रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, इन तीन दिग्गजों के नतीजे बाजार की शुरुआती दिशा तय करेंगे। सप्ताह के अन्य सत्रों में निवेशकों की निगाह इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी कंपनियों के नतीजों पर रहेगी। एक

बाजार विश्लेषक ने कहा कि यह सप्ताह तिमाही नतीजों के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण रहेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता पर भी बाजार की नजर रहेगी। दोनों देशों ने 17 जुलाई को वाशिंगटन में द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पांचवें दौर की वार्ता पूरी की। यह वार्ता एक अगस्त से पहले किसी अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से की जा रही है, क्योंकि अमेरिका के जवाबी शुल्क पर रोक की अवधि उसी दिन समाप्त हो रही है। बाजार के जानकार का कहना है कि व्यापार समझौते में प्रगति की उम्मीदों और समयसीमा को देखते हुए निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना सकते हैं। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक बाजारों के संकेत भी घरेलू बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे।

जीएसटी अधिकारियों ने पहली तिमाही में 3,558 जाली कंपनियां पकड़ीं

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) में 15,851 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) दावों का पता लगाया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 29 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, फर्जी कंपनियों की संख्या में कमी आई है। इस तिमाही के दौरान

3,558 फर्जी कंपनियां पकड़ी गई, जो पिछले साल की समान अवधि में पकड़ी गई 3,840 फर्जी कंपनियों से कम हैं। जीएसटी अधिकारियों ने इस अवधि में 53 लोगों को गिरफ्तार किया और 659 करोड़ रुपये की रकम बरामद की। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 12,304 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी का पता चला था, जिसमें 26 लोग गिरफ्तार हुए थे और 549 करोड़ रुपये जब्त किए गए थे। जीएसटी व्यवस्था में फर्जी पंजीकरण और आईटीसी धोखाधड़ी रोकने के लिए दो बड़े अभियान चलाए गए हैं। पहले अभियान में (16 मई से 15 जुलाई 2023) 21,791 फर्जी इकाइयों का पता चला था, जबकि दूसरे अभियान (16 अप्रैल से 30 अक्टूबर 2024) में लगभग 18,000 फर्जी कंपनियां पकड़ी गईं। इन अभियानों में कुल 49,000 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी का पता चला है।

अमेरिका का भारत को टैरिफ में खास तवज्जो देना आर्थिक नहीं बल्कि गहरी सोच

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौता होने की संभावना है। इस समझौते से भारत को कई फायदे मिल सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो भारत उन भारी टैक्स से बचा सकता है जो 1 अगस्त से दूसरे देशों पर लगने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत का एक दल इस समझौते को अंतिम रूप देने वाशिंगटन में है। अमेरिका की ओर से भारत को टैरिफ में खास तवज्जो देना सिर्फ आर्थिक नहीं होगा। अलबत्ता, इसके पीछे एक गहरी सोच भी है। ट्रंप प्रशासन अगर वही करता है जिसके संकेत मिल रहे हैं तो यह रूस और चीन दोनों को साफ संदेश देने का एक तरीका होगा। रूस को यह संकेत दिया जा रहा है कि उसके खिलाफ आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। जो देश उसके साथ व्यापार करते हैं, उन्हें परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। चीन के लिए यह अमेरिका की सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशन और भारत जैसे वैकल्पिक मैन्युफैक्चरिंग सेंटरों को बढ़ावा देने की इच्छा का संकेत है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर बातचीत चल रही है। इस बातचीत में भारत को कुछ छूट मिल सकती हैं। इसका मतलब है कि भारत से आने वाले सामान पर टैक्स कम लगेगा। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका अपने टैक्स नियमों में बदलाव कर रहा है। ट्रंप ने अलग-अलग देशों को आने वाले टैक्सों के बारे में बताना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने अप्रैल में भारतीय सामान पर 26फीसदी टैक्स लगाने की बात कही थी, लेकिन अभी तक भारत को कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। दूसरी तरफ, दूसरे देशों को भेजे गए पत्रों में अप्रैल में कही गई बातों से कुछ बदलाव हैं। इससे टैक्स को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय उद्योग जगत के लोगों को उम्मीद है कि 1 अगस्त से पहले एक शुरुआती समझौता हो जाएगा। इससे भारत को भारी टैक्सों से बचने में मदद मिलेगी। यह समझौता भारत के लिए बहुत जरूरी है।

नरपी-चिलकोना में जन समस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं का लाभ, नक्सल क्षेत्र के युवाओं से पुलिस सहयोगी दस्ते में शामिल होने की अपील

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय कुमार की उपस्थिति में लांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत देवरबेली के नक्सल प्रभावित ग्राम नरपी-चिलकोना में पहली बार जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस आदिवासी बहुल बस्ती में लगभग 35 परिवार निवास करते हैं। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया और शासकीय योजनाओं की जानकारी दी।

शिविर में उपस्थित अधिकारी

शिविर में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आदर्श कांत शुक्ला, सहायक कलेक्टर श्री आकाश अग्रवाल, लांजी एसडीएम श्री कमल सिंहसार, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी श्री ओमप्रकाश, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जी.पी. बर्मन, श्रम अधिकारी श्री राकेश ठाकरे, जनपद पंचायत सीईओ श्री रामगोपाल यादव, तहसीलदार, विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन यंत्री सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आईजी संजय कुमार का संबोधन

संजय कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नक्सलियों की विचारधारा को विकास विरोधी बताया और उन्हें किसी भी तरह की मदद न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, लेकिन सहयोग न करने वालों को पुलिस से कोई खतरा नहीं है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति का लाभ लेने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने नक्सल प्रभावित ग्रामों के 5वीं कक्षा तक पढ़े युवाओं से पुलिस के विशेष सहयोगी दस्ते में भर्ती के लिए आवेदन करने का आह्वान किया।

शासकीय योजनाओं का लाभ

जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ ने बताया कि शिविर का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। स्वास्थ्य विभाग ने सिकलसेल और टीबी की जांच की, अन्य बीमारियों का उपचार किया और 108 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। आयुष्मान योजना के तहत 46 कार्ड बनाए गए।

ग्रामीणों की मांगें और समाधान

ग्रामीणों ने नरपी में आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल और बिजली आपूर्ति की मांग की। आईजी श्री संजय कुमार ने आंगनवाड़ी केंद्र के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने का आश्वासन दिया। श्री सराफ ने बिजली समस्या के शीघ्र समाधान और नरपी-देवरबेली सड़क निर्माण पूरा करने की बात कही।

योजनाओं के आवेदन और वितरण

शिविर में लाड़ली लक्ष्मी योजना (16), सुकन्या समृद्धि योजना (38), आहार अनुदान योजना (04), जाति प्रमाण पत्र (14), वन अधिकार पट्टा (01), खाद्यान्न पात्रता पर्ची (11), पेंशन योजनाएं (21), राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना (04), संबल योजना (74), अनुग्रह सहायता (02), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा (06) और सुरक्षा बीमा योजना (06) के आवेदन प्राप्त हुए। कृषि विभाग ने 5 किसानों को कोदो और रागी बीज मिनीकिट और क्रेडिट कार्ड वितरित किए।

बैगा समूह को वाद्ययंत्र

मछुरदा ग्राम पंचायत के कोरका के बैगा समूह को सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए नगाड़ा, टिमकी, बांसुरी और वेशभूषा प्रदान की गई। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, मलाजखंड ने बैगा संस्कृति संरक्षण के लिए 5 लाख रुपये की सहायता दी। बैगा नृतक दल ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसके लिए एसडीएम श्री कमल सिंहसार ने 3,000 रुपये की सहायता दी।

स्वास्थ्य और कृषि सुविधाएं

शिविर में 108 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ, जिसमें टीबी के 10 संभावित मरीज और मलेरिया के 2 मरीज चिह्नित किए गए। एनसीडी के तहत 105 लोगों की शुगर, बीपी और सिकलसेल जांच की गई। कृषि विभाग ने किसानों को योजनाओं की जानकारी दी और 10 किसानों को कोदो-रागी बीज मिनीकिट प्रदान किए।

यह शिविर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में प्रशासन और ग्रामीणों के बीच विश्वास बढ़ाने और विकास योजनाओं को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा की बैठक सम्पन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की आवश्यक बैठक 20 जुलाई को दोपहर 12 बजे पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा के अध्यक्ष एस आर ठाकरे की अध्यक्षता में उनके ही निवास स्थान पर तहसील सचिव आई एस चौहान की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम नये सदस्य भोजराज घोंगड़े, सुखचंद लिल्हारे, परमेश्वर कुथे, मदनलाल बहेकार, राजेंद्र कुमार मुरकुटे को श्रीफल भेंट देकर स्वागत किया गया तथा सदस्यता ग्रहण करवाई गई। सचिव आई एस चौहान द्वारा बैठक में आय व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। पेंशनर्स एसोसिएशन संघ के आजीवन सदस्यों को परिचय पत्र का वितरण किया गया। साथ ही सभी सदस्यों से निवेदन किया गया कि वे अपने आस-पास सेवा निवृत्त होने वाले नये सदस्यों को पेंशनर्स एसोसिएशन में जोड़ने का प्रयास करें। आगामी बैठक में तहसील शाखा के पदों का विस्तार किये जाने तथा पेंशनरों की शिकायतों को संगठन के माध्यम से बताकर कार्यवाही करने आदि बातों पर चर्चा की गई। आगामी बैठक 2 सितम्बर 2025 को किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सी एल बसेना, जी डी बेदरे, एन आर दहीकर, वाय आर सोनवाने, एस आर धारणे, डी आर सोनवाने, टी एल कटरे, एल एल मुछावड़, तेजराम लिल्हारे, देवराम धारणे, बलवंत बल्ले, राजाराम लिल्हारे, दसाराम लिल्हारे, बेनीराम ढोक, एल डी बावनथड़े, कन्हैयालाल बनोठे, जगनलाल चौधरी, जागेश्वर सोनवाने, बाबूराव बल्ले, बी आर सोनवाने, युवराज दहीकर, दीनाराम बनोठे, उमंग प्रसाद कबीरे, गजलाल दमाहे, येशुराम घोरमारे, हिरदयराम रहांगडाले, लोकेश्वर सोनवाने आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा कोर कमेटी और पार्षदों की हुई बैठक, संगठन और विकास पर जोर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिशा-निर्देशों के तहत 20 जुलाई को लांजी विधानसभा क्षेत्र में कोर कमेटी की बैठक सिद्धेश्वर मंगल भवन में दोपहर 12 बजे आयोजित की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, जिला उपाध्यक्ष संजय मिश्रा और सभी मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करना था। जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने आगामी कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए संगठन को सशक्त बनाने और आगामी चुनावों की तैयारी शुरू करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर 51 प्रतिशत मत प्राप्त करने का लक्ष्य रखा और मंडल पदाधिकारियों को शक्ति केंद्रों और बूथों पर निरंतर जनसंपर्क करने का निर्देश दिया। विशेष रूप से उन बूथों पर ध्यान देने को कहा गया, जहां पिछले तीन चुनावों में पार्टी पराजित हुई है। विधायक राजकुमार कर्राहे और पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने भी कोर कमेटी को संगठनात्मक और योजनाओं के क्रियान्वयन पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं जन्म से मृत्यु तक हर व्यक्ति के लिए हैं और इनका लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। बैठक में राणा कल्याण सिंह, रेखा ताराचंद कालबेले, दुलीचंद राजनीरे, आलोक चौरसिया, सीताराम रावते, देवेश ऐडे, योगेश कुर्राहे, हेमेंद्र क्षीरसागर, सुमित यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा पार्षदों की बैठक

कोर कमेटी की बैठक के बाद जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, विधायक राजकुमार कर्राहे, रमेश भटेरे ने नगर परिषद के भाजपा पार्षदों और सभी 15 वार्डों के प्रत्याशियों की बैठक ली। इस दौरान सत्ता और संगठन को मजबूत करने, लांजी नगर के विकास और घोषणा पत्र में किए वादों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष रेखा कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, संजय सैय्याम, आलोक चौरसिया, अविनाश रैंच, वीणा उपराड़े, शिखा गोस्वामी, किशोर रामटेक्कर, विजय गोस्वामी, दिनेश कचवाहे, कस्तुरा वाकड़े आदि उपस्थित रहे।

कोटेश्वर धाम में अभिषेक पूजन और वृक्षारोपण

कार्यक्रम के तहत जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, उनके परिवार, विधायक राजकुमार कर्राहे, रमेश भटेरे, मंडल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, अविनाश रैंच, देवेश ऐडे, गौरव बैस, सीताराम रावते और अन्य कार्यकर्ताओं ने कोटेश्वर धाम में दादा कोटेश्वर नाथ का अभिषेक पूजन किया और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। सभी ने 卐एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इसके बाद कोटेश्वर धाम परिसर में चल रहे अखंड रामचरित मानस पाठ में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में कन्या-किशोर कौशल अभिवर्धन शिविर का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। 20 जुलाई दिन रविवार को गायत्री शक्तिपीठ लांजी के भगवती देवी शर्मा सभागृह में कन्या-किशोर कौशल अभिवर्धन शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बालाघाट से आई बहनों द्वारा दीप प्रज्वलन और माँ गायत्री, परम पूज्य गुरुदेव व माताजी के चरणों में वंदन के साथ हुई। शिविर में श्रीमती गायत्री पटले (कन्या-किशोर कौशल अभिवर्धन संचालिका) ने माताओं को बच्चों में संस्कार, स्वर्णिम विकास और भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाने के लिए प्रेरक उद्बोधन दिया। उन्होंने क्षेत्र के विद्यालयों में इस शिविर के माध्यम से बच्चों को ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा और संस्कारों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। श्रीमती यशोदा भगत (महिला बाल विकास अधिकारी, बालाघाट) ने किशोरावस्था में बच्चों की परवरिश, ऊर्जावान बनाने और स्वास्थ्य को समृद्ध करने के लिए योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। श्रीमती सावित्री बिसेन (शिक्षा विभाग) ने शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की आवश्यकता पर बल देते हुए मानव शरीर की रचना, इंद्रियों और मस्तिष्क के कार्यों के बारे में बताया। शिविर में श्रीमती साधना टेंभरे, श्रीमती मंजू चौधरी, श्रीमती निशा हरिनखे ?, श्रीमती मोनिका बिसेन, श्रीमती मानसी देशमुख और श्रीमती पूजा कटरे ने भी सक्रिय भागीदारी निभाकर क्षेत्र की महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। किरनापुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के स्काउट-गाइड हेड शिक्षक श्री यम. यम. कुरैशी और प्रभारी शिक्षिका श्रीमती वंदना पटले अपने स्काउट-गाइड बच्चों के साथ शामिल हुए। श्री कुरैशी का गायत्री शक्तिपीठ में तिलक वंदन के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में शिक्षा, संस्कार, चरित्र निर्माण और नशा उन्मूलन पर जोर दिया। स्काउट-गाइड के नियमों की जानकारी साझा करते हुए उन्होंने 卐जय हिन्द卐 के नारे के साथ बच्चों को प्रेरित किया और प्रसाद स्वरूप फल (केले) वितरित किए। विद्यालय के छात्र आदेश कटरे ने शिविर से प्राप्त अनुभव साझा करते हुए गायत्री परिवार के प्रयासों की सराहना की। गायत्री परिवार ने भी श्री कुरैशी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी किशनलाल मेहरबान, ब्लॉक समन्वयक सूरज लाल बिलावर, श्री पी.एल. जैतवार, यशवंतराव बनोठे, कवल लाल लिल्हारे, शैलेन्द्र विजयवार, धर्मेंद्र सिंह बैस, जे.डी. बेदरे, विनोद तिड़के, श्रीमती शोभा वर्मा, श्रीमती सुमन आसटकर, श्रीमती विनीता सोमकर, श्रीमती अलका सातपुते, श्रीमती लीला मोरघडे, श्रीमती मालती जैतवार, श्रीमती शिवानी खरगाल, श्रीमती कालिंदी भार्गव, श्रीमती नम्रता कबीर, श्रीमती सरिता खनोरखर, श्रीमती उषा सोमनकर, श्रीमती प्रमिला तिड़के, श्रीमती अनीता रामटेकर, श्रीमती श्यामलता भरने सहित अन्य बहनें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती माधुरी पति और डॉ. किशोर सोनवाने ने किया। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और बालाघाट से आई बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

समाज के स्व. महापुरुषों की स्मृति में सत्कार समारोह व कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम संपन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। कलार समाज के महापुरुषों स्व. फागुलाल सोनेकर, स्व. प्रो. एन.बी. रहमतकर, स्व. डॉ. आर.डी. पशिने, स्व. भोजलाल बिसेन, स्व. सुनील कुमार पशिने, स्व. अशोक शेंडे, और स्व. छत्रपति दियेवार की पुण्य स्मृति में 20 जुलाई को किरनापुर में एक भव्य सत्कार समारोह व कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कलार समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करना और युवाओं को कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करना था। मुख्य अतिथि कृष्णकांत बावनथड़े और अध्यक्ष बी.आर. सोनेकर की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कलार समाज के प्रति गर्व व्यक्त करते हुए, नई पीढ़ी से समाज का गौरव बढ़ाने की अपेक्षा की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षाविद, प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पत्रकार, शिक्षक, व्यापारी, युवा नेतृत्वकर्ता, महिला शक्तियां और समाज की अन्य गौरवशाली हस्तियां शामिल हुईं। वक्ताओं ने समाज के विकास, चुनौतियों और समाधानों पर अपने विचार साझा किए। समाज को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई, और सभी ने एकजुट होकर सहयोग का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विशेष अतिथियों द्वारा अपने अनुभव साझा किया। समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को अत्यंत सफल बनाया। यह कार्यक्रम समाज के एकता और प्रगति के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आज से मांडू में राजनीतिक दांव-पेंच सीखेंगे कांग्रेस विधायक

- राहुल गांधी और कमलनाथ वर्चुअली जुड़ेंगे

भोपाल। धार जिले के मांडू में सोमवार से कांग्रेस विधायकों की दो दिनों तक की ट्रेनिंग होगी। सभी विधायक मांडू पहुंच गए हैं। सोमवार और मंगलवार को आयोजित इस प्रशिक्षण में करीब 10 सत्र होंगे, जिनमें नेता और विषय-विशेषज्ञ (एक्सपर्ट) विधायकों को संबोधित करेंगे। कल, यानी 21 जुलाई से संसद का सत्र शुरू हो रहा है। इसी कारण राहुल गांधी इस प्रशिक्षण शिविर में शामिल नहीं हो पाएंगे। 21 या 22 जुलाई को किसी भी दिन राहुल गांधी वर्चुअली जुडक़र विधायकों को संबोधित कर सकते हैं।

जानकारी के अनुसार, इस प्रशिक्षण शिविर में इन विधायकों को ज्वलंत मुद्दों के साथ भविष्य के मुद्दों पर भी प्रशिक्षित किया जाएगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने बताया कि इस बार मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र कुछ अलग होगा। क्योंकि कांग्रेस अपने विधायकों को इस बार विधानसभा में सरकार से मुकाबले के लिए तैयार कर रही है। इसके लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है, ताकि वे हर मुद्दे पर और ज्यादा मजबूती से सरकार की घेराबंदी कर सकें। इस शिविर को नव संकल्प शिविर नाम दिया गया है। इस शिविर को वर्चुअली राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी संबोधित करेंगे।

शिविर में होंगे 12 सत्र

शिविर में कुल 12 सत्र होंगे। कांग्रेस के विधायकों को कांग्रेस पार्टी के इतिहास, विचारधारा के अलावा आजादी के आंदोलन में पार्टी के योगदान से भी अवगत कराया जाएगा। विधायकों को आजादी के बाद की चुनौतियों से कांग्रेस किस तरह से जूझी, इसकी भी जानकारी दी जाएगी। शिविर के दौरान विधायकों को इस बात की भी जानकारी दी जाएगी कि फिलहाल संगठन की स्थिति क्या है और भविष्य में पार्टी संगठन का किस तरह से विस्तार किया जाना है। विधायकों को यह भी बताया जाएगा कि फिलहाल पार्टी के सामने क्या और कैसी राजनीतिक चुनौतियां हैं और कांग्रेस के विधायकों के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका क्या होना चाहिए। सामाजिक न्याय और जातिगत जनगणना अभियान और उसकी राजनीतिक और सामाजिक जरूरत से भी विधायकों को अवगत कराया जाएगा।

मिशन 2028 पर फोकस

सभी विधायकों को 2028 के मिशन के तहत चुनाव प्रबंधन की जानकारी भी दी जाएगी। हर राजनीतिक पार्टी के लिए मीडिया का मूड महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बताया जाएगा कि सोशल मीडिया की छोटी-छोटी जानकारियां को किस तरह हथियार बनाकर प्रतिद्वंदी के साथ मुकाबला किया जा सकता है। इस प्रशिक्षण सत्र को जीतू पटवारी, हरीश चौधरी, सोनू शर्मा, भगवनदेव इसरानी, कमलनाथ, विवेक तन्खा, पवन खेड़ा, अजय माकन, सुप्रिया श्रीनेत, महेंद्र जोशी संबोधित करेंगे। इस बार कांग्रेस विधानसभा सत्र में प्रदेश में लगातार बढ़ रहे आपराधिक मामलों के सामने सरकार की कमजोरी, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के झूठ और बढ़ते भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाकर सरकार को घेरेगी।

कमलनाथ बताएंगे आर्थिक नीति

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ वर्चुअली जुडक़र एक सत्र को संबोधित करेंगे। इस सत्र में वे मध्यप्रदेश का भविष्य और आर्थिक नीति विषय पर प्रदेश की आर्थिक चुनौतियों, अवसरों और विकास की रूपरेखा पर अपना वक्तव्य देंगे। दोपहर एक बजे से 45 मिनट का लंच ब्रेक होगा।

पवन खेड़ा बताएंगे नैरेटिव बिल्डिंग के गुर

कांग्रेस के मीडिया और कम्युनिकेशन विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन खेड़ा मीडिया मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे। विधायकों को वे यह बताएंगे कि नैरेटिव सेट करने के लिए कम्युनिकेशन के माध्यम से कांग्रेस की विचारधारा को मजबूती से कैसे प्रस्तुत किया जाए।

अजय माकन बताएंगे कांग्रेस की दिशा

दूसरे दिन के पहले सत्र में राज्यसभा सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अजय माकन कांग्रेस के मूल सिद्धांत, हमारी वैचारिक दिशा, संविधान वाद, धर्मनिरपेक्षता, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय पर फिर से कैसे जुड़ाव हो इसपर संबोधन देंगे। दोपहर 12 बजे से कांग्रेस की स्थापना से लेकर वर्तमान के दौर तक कांग्रेस की संघर्ष गाथा पर केन्द्रित एक वीडियो दिखाया जाएगा। दोपहर से सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत डिजिटल और सोशल मीडिया पर रणनीति बताएंगी। इस सत्र में वे एक्स (ङ्म), फेसबुक के प्रभावी उपयोग, शॉर्ट वीडियो बनाने, ट्रोलिंग से निपटने और डिजिटल इमेज तैयार करने के तौर-तरीकों पर जानकारी देंगी। दोपहर 1-30 से 2-30 बजे तक लंच ब्रेक होगा।

चुनाव आयोग ने तीन नए जिलों को दी मान्यता

- आयोग की लिस्ट में हुए एमपी में 55 जिले, नए जिलों के कलेक्टर अब अपीलीय अधिकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2 साल पहले बनाए गए 3 नए जिलों मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा को चुनाव आयोग ने मान्यता दे दी है। अब इन जिलों के कलेक्टर अपने जिला क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों के लिए अपीलीय अधिकारी के रूप में काम कर सकेंगे। दूसरी ओर आयोग ने उन जिलों के कलेक्टरों को अपीलीय अधिकारी से मुक्त कर दिया है जिन जिलों की सीमा से अलग कर ये नए जिले बने थे।

चुनाव आयोग के निर्देश पर आयोग के सचिव सुमन कुमार दास ने इसका नोटिफिकेशन कर दिया है और एमपी सरकार ने भी इसके आधार पर नोटिफिकेशन किया है। आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार मऊगंज के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी अब मऊगंज और देवतालाब विधानसभा क्षेत्र के लिए अपीलीय अधिकारी होंगे। इसी तरह पांढुर्णा कलेक्टर को पांढुर्णा और सौंसर विधानसभा क्षेत्र के लिए अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया है। दूसरी ओर मैहर कलेक्टर को अमरपाटन और मैहर विधानसभा सीट के लिए अपीलीय अधिकारी के पावर दिए गए हैं। अब तक सतना जिले के मैहर और अमरपाटन विधानसभा सीट के लिए सतना के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी अपीलीय अधिकारी थे जिनसे अब यह पावर वापस ले लिया गया है। इसी तरह मऊगंज और देवतालाब विधानसभा सीट के लिए रीवा के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी तथा सौंसर और पांढुर्णा विधानसभा सीट के लिए छिंदवाड़ा के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी से चुनाव आयोग ने अपीलीय अधिकारी के पावर वापस ले लिए हैं।

चुनाव में नए जिलों को नहीं थे अधिकार

विधानसभा चुनाव के पहले बनाए गए नए जिलों मऊगंज, पांढुर्णा और मैहर में कलेक्टरों की पोस्टिंग हो गई थी लेकिन इन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी के पावर नहीं मिले थे क्योंकि चुनाव आयोग ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। ऐसे में इन तीनों ही जिलों के कलेक्टरों को चुनाव संबंधी प्रक्रिया पूरी कराने के बाद रीवा, सतना और छिंदवाड़ा के कलेक्टरों को जानकारी देनी पड़ रही थी। यही स्थिति 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी रही थी। आयोग सारे पत्राचार रीवा, सतना और छिंदवाड़ा के कलेक्टरों से ही कर रहा था।

प्रदेश अध्यक्ष के लिए 18 प्रत्याशी मैदान में

प्रदेश महासचिव पद के लिए 182 दावेदार, 2 महीने बाद मिलेगी नई कार्यकारिणी

भोपाल। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस की चुनावी प्रक्रिया पूरी हो गई। 16 लाख के करीब युवाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली है। प्रदेश अध्यक्ष के लिए 18 प्रत्याशी मैदान में है। प्रदेश महासचिव पद के लिए 182 दावेदार है। बताया जा रहा है कि करीब दो महीने बाद नई कार्यकारिणी मिलेगी। नए बनाये गए सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव के अलावा ब्लॉक अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष के दावेदारों को वोट किया। अब 16 लाख के करीब बनाए गए सदस्यों के दस्तावेजों की जांच होगी। दस्तावेजों में त्रुटि पाए जाने पर सदस्यता निरस्त की जाएगी। इस प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में करीब दो माह का समय लगेगा। करीब 2 महीने के बाद यूथ कांग्रेस को नया अध्यक्ष और नई कार्यकारिणी मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष पद पर प्रथम तीन उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए आलाकमान दिल्ली बुलाएगा। इसके बाद नाम का ऐलान किया जाएगा।

20 जून से 19 जुलाई तक वोटिंग

मध्य प्रदेश में युवा कांग्रेस संगठन चुनाव के लिए सदस्यता लेने और मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी हैं। एमपी में 20 जून की सुबह 9 बजे से मतदान और सदस्यता प्रक्रिया शुरू हुई, जो 19 जुलाई की शाम तक चली। जिन पदों पर मतदान हुए हैं उनमें युवा कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला महासचिव के पद पर वोटिंग हुई। एक सदस्य ने छह वोट किये।

प्रदेश अध्यक्ष के लिए ये प्रत्याशी मैदान में

बात करें उम्मीदवारों की तो युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कुल 18 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। जावेद पटेल, योगिता सिंह, नीरज पटेल, गीता कड़वे, अभिषेक परमार, विश्वजीत सिंह चौहान, विनय पांडे, प्रमोद सिंह, प्रियेश चौकड़े, राजवीर कुडिय़ा, अब्दुल करीम सिद्दीकी, शुभंगाना राजे, आशीष चौबे, यश घनघोरिया, स्वीटी पाटिल, देवेंद्र सिंह दादू, शिवराज यादव, मोनिका मांडरे चुनावी मैदान में हैं।

76 समितियों ने सरकार को लगाई 641 लाख की चपत

भोपाल। मप्र में सहकारी समितियां किसानों के साथ ही सरकार को भी चपत लगाने में पीछे नहीं हैं। प्रदेश में सहकारी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे फर्जीवाड़े लगातार सामने आते रहते हैं। ताजा मामला ग्वालियर में सामने आया है। यहां की 76 सहकारी संस्थाओं ने करीब 7 साल में बारदानों को बेचकर सरकार को 641 लाख रूपए की चपत लगाई है।

सरकारी खरीद केन्द्र हों या फिर मंडी, किसानों की खून-पसीने की कमाई पर सबकी नजर है। जहां जिसे मौका मिल रहा है वह लूट-खसौट करने से नहीं चूक रहा है। वहीं सहकारिता समितियां सरकार को भी चूना लगा रही हैं। ग्वालियर में सहकारी संस्थाओं का एक और बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित ग्वालियर की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के प्रशासक, समिति प्रबंधक और सेल्समैन पिछले कुछ सालों में 641 लाख रुपए का बारदाना बेचकर खा गए। पूर्व सहकारिता मंत्री भगवान सिंह यादव की शिकायत पर मप्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय ने जांच के आदेश दिए हैं। सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव डीपी आहूजा का कहना है कि ये मामला मेरे से पहले का है। जांच की स्थिति क्या है, पता करता हूं। जांच रिपोर्ट के बाद संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन समर्थन मूल्य पर फसलों के उपार्जन से लेकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण सहकारी संस्थाओं के जरिए करता है। उपार्जन के लिए नागरिक आपूर्ति निगम एवं मार्कफेड द्वारा खाली बारदाना भेजा जाता है। जबकि पीडीएस दुकानों पर बारदाने में भरकर गेंहू, चावल भेजे जाते हैं। नियमानुसार यह बारदाना सहकारी समितियों को वापस लौटाना होता है, लेकिन ग्वालियर की 76 सहकारी समितियों ने बारदाना बेचकर न तो राशि समितियों के खाते में जमा कराई और न ही शासन को लौटाई। इस राशि का बंदरबांट कर लिया गया। 2016 से लेकर 2023 तक बारदाना बेचकर समितियों के कर्ताधर्ताओं पर 641.75 लाख रुपए का घोटाला करने का आरोप है। पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव ने शिकायत में आरोप लगाए हैं कि बैंक प्रशासक और जिलाधीश द्वोष सहकारिता अधिकारियों को निर्देश देने के बाद भी सहकारिता विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिसकी वजह सहकारिता के घोटालें एवं गबन में सभी की मिलीभगत होती है। यादव ने कहा कि अपेक्स बैंक एवं सहकारिता आयुक्त कार्यालय के अधिकारी भी घोटाले में शामिल हैं। इस वजह से न कोई कार्रवाई होती है और जांच। शिकायत के बाद सहकारिता विभाग के तत्कालीन अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने ग्वालियर प्रवास के दौरान सहकारी समितियों के कुछ अधिकारियों पर निलंबन की कार्रवाई की। साथ ही जांच के निर्देश दिए।

इस तरह किया गया घोटाला

मिली जानकारी के अनुसार, सुनियोजित तरीके से बारदाना घोटाला किया गया है। 27 सहकारी समितियों के कर्ताधर्ताओं ने वर्ष 2016-17 से 2021-22 तक गेहूं, धान, सरसों की फसल उपार्जन के लिए भेजे गए बारदान को वापस नहीं करते हुए 89.39 लाख में बेचकर राशि का बंदरबांट किया। इसी तरह 44 समितियों के कर्ताधर्ताओं ने वर्ष 2018-19 से 2023-24 तक नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा पीडीएस दुकानों भेजे गए गेहूं, चावल का वारदाना नहीं लौटाया। बारदाना बेचकर 289.50 लाख रुपए का गबन किया। इसी तरह 72 समितियों के 72 कर्मचारी, 10 प्रशासकों पर पीडीएस का बारदाना बेचकर 262.68 लाख का गबन करने का आरोप है।

अवैध खनन और जीएसटी चोरी पर सरकार की कार्रवाई

- कटनी की तीन कंपनियों से होगी 520 करोड़ वसूली

भोपाल। मप्र में अवैध खनन लगातार हो रहा है। आलम यह है कि खनन कार्य में जुटी कंपनियां नियमों को ताक पर रखकर अवैध खनन कर रही हैं। वहीं जीएसटी के भुगतान में भी चोरी की जा रही है। इसको देखते हुए मोहन सरकार ने पहली बार अवैध खनन पर सख्ती करते हुए कटनी से जुड़ी तीन माइनिंग कंपनियों से 520 करोड़ रुपए की वसूली का फैसला लिया है। इनमें 440 करोड़ रुपए का खनन स्वीकृत सीमा से अधिक आयरन ओर की खुदाई का है जबकि 80 करोड़ से ज्यादा की जीएसटी चोरी का अलग से अनुमान है।

मिली जानकारी के अनुसार मार्च माह में इसे लेकर हुई शिकायत के बाद बनाई गई खनिज अफसरों की जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इन कंपनियों ने घोषित माइनिंग प्लान और पर्यावरणीय मंजूरी की सीमा से लाखों टन अधिक खनन किया है। जिन कंपनियों पर यह कार्रवाई हो रही है, उनमें निर्मला मिनरल्स, आनंद माइनिंग और पेसिफिक एक्सपोर्ट शामिल हैं। इन तीनों फर्मों ने सिहोरा तहसील के दुबियारा (32.3 हेक्टेयर), घुघरी (8.6 हेक्टेयर), प्रतापपुर (11.5 हेक्टेयर), अगरिया (20.2 हेक्टेयर) और टिकरिया (26 हेक्टेयर) में लौह अयस्क की खदानें संचालित कीं। ये सभी फर्म एक विधायक और एक कारोबारी से जुड़ी बताई जा रही हैं। जांच में सामने आया है कि यहां वर्षों से अवैध रूप से खनन किया जा रहा था जिस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अवैध खनन की राशि 10 हजार करोड़ तक

गौरतलब है कि जनवरी 2025 में समाजसेवी आशुतोष उर्फ मनु दीक्षित ने आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा (ईओडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद प्रमुख सचिव (खनिज) के निर्देश पर बनी जांच टीम ने कई खदानों की जांच की। टीम ने इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस (आईबीएम) के आंकड़े और सैटेलाइट इमेजरी के जरिए माइनिंग की मात्रा की पुष्टि की। सामने आया कि निर्धारित रकबे से परे जाकर बड़े पैमाने पर खनन हुआ है। व्हिसलब्लोअर मनु दीक्षित का कहना है कि सरकार ने फिलहाल सिर्फ अतिरिक्त खनन और जीएसटी चोरी की जांच पूरी की है। जबकि अवैध खनन, वन क्षेत्र में खनन, फॉरेस्ट रॉयल्टी में चोरी जैसी गड़बडिय़ों पर जांच बाकी है। अगर इन मामलों में ईमानदारी से जांच हुई तो सिर्फ कटनी-जबलपुर क्षेत्र में अवैध खनन की राशि 8 से 10 हजार करोड़ तक पहुंच सकती है।

अभी प्लान व स्वीकृति की जांच

राजस्व वसूली की प्रक्रिया जबलपुर कलेक्टर के स्तर पर शुरू की जा रही है। वहीं कर चोरी से जुड़े हिस्से पर संबंधित विभाग अंतिम आंकलन के बाद कार्रवाई करेंगे। जांच दल ने यह भी स्पष्ट किया है कि अभी सिर्फ माइनिंग प्लान और पर्यावरणीय स्वीकृति की सीमाओं से बाहर हुए खनन की जांच हुई है। वन क्षेत्र और अन्य अवैध खनन की जांच अगला चरण होगी।

नर्सिंग छात्राओं का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

प्री-नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट-2022 का रिजल्ट जारी होने के बाद नहीं मिल रहा एडमिशन

भोपाल। मध्यप्रदेश की 109 नर्सिंग छात्राओं ने अपने प्रवेश और भविष्य को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन और कांग्रेस पार्टी के सहयोग से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया जानकारी देते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका हाईकोर्ट के आदेश के विरुद्ध दायर की गई है। जोकि मध्यप्रदेश की 60 हजार छात्राओं के हक की लड़ाई हैं, सुप्रीम कोर्ट में यह कानूनी लड़ाई वरिष्ठ अधिवक्ता वरुण चोपड़ा लड़ेंगे। परमार ने आगे बताया कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (व्यापम / ईएसबी) द्वारा प्री-नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट (पीएनएसटी)-2022 की परीक्षा जून 2023 में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के परिणाम पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगा दी गई थी, लेकिन 27 मार्च 2024 को हाईकोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया। वहीं मामले को लेकर जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि आज दिनांक तक प्रवेश के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, जिसके चलते शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में सत्र 2022-23 की सभी सीटें खाली पड़ी हैं। इन सीटों पर प्रवेश के लिए छात्राएं हाईकोर्ट से लेकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन न्याय न मिलने के कारण अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनकी इस लड़ाई में कांग्रेस पार्टी और एनएसयूआई पूरी मजबूती से साथ खड़ी हैं। छात्रा रविना सूर्यवंशी का कहना है की उनके साथ ही प्रदेश की लगभग 60 हजार छात्राओं ने प्री नर्सिगं सिलेक्शन टेस्ट-2022 (पीएनएसटी) की परीक्षा दी थी। इस परीक्षा के परिणाम पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी, जिसके कारण लगभग दो साल तक रिजल्ट जारी नहीं किया गया बाद में हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि परीक्षा का परिणाम जारी किया जाए। हालांकि यह रिजल्ट छात्राओं की संतुष्टि के लिए औपचारिक रूप से जारी किया गया है, लेकिन इससे हमें न्याय नहीं मिला हाईकोर्ट के इस आदेश के विरुद्ध हम 109 छात्राओं ने सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस पार्टी और एनएसयूआई की मदद से याचिका से दायर की है।

शहरों में एसी का बिल होगा आधा

2030 तक मप्र का नक्शा बदल देगी यह अर्बन ग्रीन पॉलिसी

भोपाल। मप्र सरकार जल्द ही एक ऐसी पॉलिसी लेकर आने जा रही है, जिससे प्रदेश के शहरों का कायापलट होने वाला है। इस पॉलिसी के मंजूर होने के बाद जहां पार्क से लेकर घरों की छत तक हरियाली की चादर नजर आएगी। वहीं इससे वायु और पर्यावरण प्रदूषण भी काफी हद तक रुकेगा। सबसे खास बात यह है कि गर्मी के दिनों में एसी के भारी-भरकम बिल से जूझने वाले उपभोक्ताओं को भी राज्य सरकार की इस पॉलिसी से राहत मिलेगी।

अर्बन ग्रीन पॉलिसी वाला 13वां राज्य होगा एमपी

दरअसल शहरों में बढ़ते क्रंकीट के जंगल और कार्बन उत्सर्जन के कारण दिनों-दिन तापमान बढ़ रहा है। इसके साथ वायु और पर्यावरण प्रदूषण भी बढ़ रहा है। इसको नियंत्रित करने के लिए अर्बन ग्रीन पॉलिसी जरूरी है जो हरियाली से संबंधित प्रावधानों को नियमित करती है। मप्र में अर्बन ग्रीन पॉलिसी को लेकर पहले चरण का काम शुरू हो गया है। इससे पहले उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और गोवा समेत 12 राज्यों में अर्बन ग्रीन पॉलिसी पहले ही लागू हो चुकी है।

पार्क से छत तक दिखेगी हरियाली की चादर

बता दें मप्र के शहरों को प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण हितैषी बनाने के लिए राज्य सरकार अर्बन ग्रीन पॉलिसी लाने जा रही है। इसके तहत पार्कों से लेकर छतों तक हरियाली पहुंचाई जाएगी। यह काम शासकीय, सामुदायिक और निजी जिम्मेदारी से पूरा होगा। शहरों में ग्रीन बेल्ट, रूफ टॉप गार्डन, पॉकेट पार्क और स्पंज पार्क तैयार किए जाएंगे। शहर में प्रदूषण के हॉटस्पॉट को चिह्नित कर सबसे पहले इन स्थानों पर हरियाली विकसित की जाएगी।

मप्र में एक बार फिर उठी भील प्रदेश की मांग

- भील प्रदेश का नक्शा तैयार, 4 प्रदेशों के बांटे जिले और नदियां

भोपाल। मप्र, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के आदिवासी बाहुल्य जिलों को मिलाकर अलग भील प्रदेश बनाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। रतलाम में एक बार फिर भील प्रदेश बनाने की मांग उठी। इसी मांग को लेकर भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। इसमें सभी ब्लॉकों से बड़ी संख्या में आदिवासी पहुंचे।

बता दें कि भारतीय आदिवासी पार्टी के एकमात्र विधायक कमलेश्वर डोडियार ने विधानसभा में अनुच्छेद 3 के अंतर्गत पृथक भील प्रदेश की मांग रखी थी। वहीं, गुजरात और राजस्थान में भी भारतीय आदिवासी पार्टी के जनप्रतिनिधियों द्वारा यह मांग की गई थी। एक बार फिर आदिवासी संगठनों ने एक साथ इन तीनों प्रदेशों में प्रत्येक आदिवासी बाहुल्य जिला मुख्यालय पर मप्र की मांग को लेकर ज्ञापन दिया है।

अलग भील प्रदेश का नक्शा तैयार

भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा ने भील प्रदेश का अलग नक्शा तैयार कर लिया है। विभिन्न आदिवासी संगठनों ने भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के बैनर के अंतर्गत जो ज्ञापन पत्र सौंपा है, उसमें भील प्रदेश का प्रस्तावित नक्शा, जिले और नदियों का आवंटन भी किया गया है। ज्ञापन देने पहुंचे आदिवासी नेता ध्यानवीर डामोर ने बताया कि प्रमुख रूप से मप्र के रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, महू और बुरहानपुर जिले प्रस्तावित भील प्रदेश में शामिल कए गए है। वहीं, महाराष्ट्र के नासिक, धुले, ठाणे गुजरात के दाहोद, सूरत, नर्मदा, भरूच और बनासकांठा एवं राजस्थान के डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर और प्रतापगढ़ जिले सहित 2 दर्जन जिलों को मिलाकर बाकायदा प्रस्तावित नक्शा भी ज्ञापन के साथ संलग्न किया गया है।

नदियों पर भी किया दावा पेश

प्रदेश संयोजक दिनेश माल ने बताया कि पृथक भील प्रदेश की उनकी पुरानी मांग है। जिसे संविधान के अनुच्छेद 3 के अंतर्गत आदिवासी हितों की रक्षा, वनों की रक्षा और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए अलग भील प्रदेश की मांग की जा रही है। भील प्रदेश का नक्शा पूर्ण रूप से आदिवासी संस्कृति और भाषा के अनुसार बनाया गया है। इसमें पर्याप्त मात्रा में जल स्रोत एवं प्राकृतिक संसाधन है। ज्ञापन में भील प्रदेश के नक्शे में नर्मदा, चंबल, माही, बनास और तापी नदियों पर भी अपना दावा पेश किया है।

झोपड़ी वाले विधायक भी उठा चुके हैं मुद्दा

झोपड़ी वाले विधायक के नाम से मशहूर कमलेश्वर डोडियार ने भी इस मुद्दे को विधानसभा के पटल पर उठाया था। वहीं बांसवाड़ा से सांसद राजकुमार रोत ने भी आदिवासी बाहुल्य पृथक भील प्रदेश की मांग संसद में उठाई थी। इन आदिवासी नेताओं की माने तो यदि सरकार द्वारा भील प्रदेश को अस्तित्व में लाया जाता है तो भील प्रदेश की राजधानी से लेकर नदियां, प्राकृतिक संसाधन आदि के बारे में सब कुछ पहले से तय कर लिया गया है। विभिन्न आदिवासी संगठनों ने जिला मुख्यालय सहित ब्लॉक स्तर पर भी प्रदेश की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है।

2031 तक इंग्लैंड करेगा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की मेजबानी, आईसीसी ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2031 तक के फाइनल की मेजबानी इंग्लैंड को सौंपी है। आईसीसी ने रविवार को बताया कि अगले तीनों संस्करणों की मेजबानी इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पास ही रहेगी।

पिछले तीन फाइनल भी इंग्लैंड में ही खेले गए

आईसीसी ने यह फैसला इंग्लैंड के ट्रैक रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए लिया है। दरअसल, पिछले तीनों संस्करणों की मेजबानी भी इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ही की है। डब्ल्यूटीसी का पहला फाइनल मुकाबला 2021 में खेला गया था। साउथेम्प्टन में खेले गए खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को आठ विकेट से हराया था। इसके बाद 2021-23 सत्र का डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबला द ओवल में खेला गया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने जीता। वहीं, 2023-25 सत्र का डब्ल्यूटीसी फाइनल मैच लॉर्ड्स में खेला गया था। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

आईसीसी ने क्या कहा?

आईसीसी की तरफ से जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया, बोर्ड ने हाल के फाइनल की मेजबानी में सफल ट्रैक रिकॉर्ड के बाद इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड को 2027, 2029 और 2031 संस्करणों के लिए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी के अधिकार देने की पुष्टि की है। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा, हमें बेहद खुशी है कि इंग्लैंड एवं वेल्स को अगले तीन आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी के लिए चुना गया है। इन फाइनल्स की मेजबानी करना सम्मान की बात है और हम पिछले चरणों की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए आईसीसी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

डब्ल्यूसीएल 2025- वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला टाई रहा

बर्मिंघम। यहां इंग्लैंड में खेले जा रहे पूर्व क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल 2025) टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के बीच बर्षा बाधित मैच टाई रहा। जिसपर सभी हैरान हैं क्योंकि इस मैच में वेस्टइंडीज के 79 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 80 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के फिलेद एडवर्ड्स ने मैच की अंतिम तीन में से दो गेंद में विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस को टाई पर रोक दिया। इसके बाद दोनों टीमों के बीच बॉलआउट हुआ, जिसमें अफ्रीकी टीम आगे रही। वेस्टइंडीज चैंपियंस ने क्रिस गेल की कप्तानी में पहले बल्लेबाजी करते हुए लेंडल सिमंस ने 28 और चाडविक वाल्टन ने 27 रनों की सहायतता से 11 ओवर में 5 विकेट पर 79 रन बनाए। बारिश के कारण 20-20 ओवर का मैच 11-11 ओवर का कर दिया गया।वेस्टइंडीज चैंपियंस की ओर से क्रिस गेल 2, ड्वेन ब्रावो 8, ड्वेन स्मिथ 7 रन ही बना पाये।

दक्षिण अफ्रीकी टीम को 11 ओवर में 81 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। अफ्रीकी टीम ने इसके जवाब में 10 ओवर में 4 विकेट पर 72 रन बना लिए थे। अब एक ओवर में जीत के लिए उसे 9 रन बनाने थे। जेपी डुमिनी और जेजे स्मट्स ने फिदेल एडवर्ड्स के ओवर की पहली 3 गेंद में 7 रन बना गए। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 2 रन की जरुरत थी जबकि 3 गेंदें शेष थीं। दक्षिण अफ्रीका को जीत मिलने ही जा रही थी कि एडवर्ड्स ने ओवर की चौथी गेंद पर स्मट्स को बोल्ड कर दिया. इसके बाद अगली गेंद पर मोर्ने वान विक भी पेवेलियन लौट गये।

अंतिम ओवर में लगातार दो गेंद पर दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज से वापसी की। मैच की आखिरी गेंद पर वेन पर्नेल के पैड पर लगी और वह रन दौड़ने लगे। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के 79 रन के जवाब में 80 रन बनाकर मुकाबला टाई करा लिया। इसके बाद बॉलआउट हुआ, जिसमें दक्षिण अफ्रीका को जीत मिली।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स

धवन, हरभजन के बहिष्कार के बाद भारत-पाकिस्तान मैच हुआ रद्द

लंदन। भारी विरोध के कारण भारत और पाकिस्तान चैम्पियंस टीमों के बीच आज यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के तहत होने वाल क्रिकेट मैच रद्द कर दिया। इससे पहले पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन, हरभजन सिंह सहित सभी भारतीय क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस मैच के बहिष्यकार की मांग की थी। इनका कहना है कि पाकिस्तान जिस प्रकार आतंकवाद का समर्थन करता है। उस स्थिति में उसके साथ खेला नहीं जा सकता है। डब्ल्यूसीएल ने मैच रद्द किये जाने की घोषणा सोशल मीडिया पर की है। धवन और हरभजन के अलावा प्रशंसकों का कहना था कि पहलगाम हमले के बाद पाक के खिलाफ किसी भी स्तर पर नहीं खेला जा सकता है। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच में खेलने से इंकार कर दिया

डब्ल्यूसीएल ने लिखा, डब्ल्यूसीएल में हमने हमेशा क्रिकेट को महत्व दिया है और उससे प्यार किया है, और हमारा एकमात्र उद्देश्य प्रशंसकों को कुछ अच्छे, खुशी के पल देना है। यह जानने के बाद की कि हॉकी टीम इस वर्ष भारत आ रही है, तथा हाल ही में भारत बनाम पाकिस्तान वॉलीबॉल मैच तथा दोनों देशों के बीच विभिन्न खेलों के कुछ अन्य मैच देखने के बाद, हमने डब्ल्यूसीएल में भारत और पाकिस्तान मैच जारी रखने के बारे में सोचा। जिससे विश्व भर के लोगों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिले। हो सकता है कि इस प्रक्रिया में हमने कई अनजाने ही लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई हो और उनकी भावनाएं भड़काई हों। इससे भी अधिक, हमने अनजाने में अपने भारतीय क्रिकेट दिग्गजों को असुविधा पहुंचाई, जिन्होंने देश को इतना गौरव दिलाया है, और हमने उन ब्रांडों को भी प्रभावित किया, जिन्होंने खेल के प्रति प्रेम के कारण हमारा समर्थन किया था। हम उन सभी से माफी चाहते हैं। इसलिए हमने भारत बनाम पाकिस्तान मैच रद्द करने का फैसला किया है। हम भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए एक बार फिर ईमानदारी से माफी मांगते हैं और आशा करते हैं कि लोग यह समझेंगे कि हम बस प्रशंसकों की खुशी के लिए ही ये मैच कर रहे थे।

धवन ने अधिकारिक रूप से पाकिस्तान के खिलाफ मैच ना खेलने की घोषणा कर दी है। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, जो कदम 11 मई को लिया, उसमें आज भी मैं वैसे ही खड़ा हूं। मेरा देश मेरे लिए सबसे पहले है देश से बढ़कर कुछ नहीं होता। वहीं कहा जा रहा है कि धवन के अलावा हरभजन , इरफान पठान, सुरेश रैना और यूसुफ पठान भी इस मैच में नहीं खेलेंगे।

लारा की महान और महानतम खिलाड़ियों की सूची में रोहित और बुमराह को मिली जगह

जमैका। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों की सूची में सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को शामिल न करते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज रोहित शर्मा को शामिल किया है। लारा ने बुमराह को महानतम गेंदबाज बताया जबकि रोहित को महान बल्लेबाज करार दिया। महानतम खिलाड़ियों की सूची में लारा ने चार जबकि महान खिलाड़ियों की सूची में 5 खिलाड़ियों को शामिल किया है। लारा ने अपने सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में बुमराह के साथ ग्लेन मैक्ग्रा, जैक्स कैलिस और एडम गिलक्रिस्ट को शामिल किया है जबकि महान खिलाड़ियों में रोहित के अलावा क्रिस गेल, शाहीन शाह अफरीदी, केविन पीटरसन और केन विलियमसन जैसे खिलाड़ी शामि है।

लारा के महानतम खिलाड़ी

बुमराह ने अपने करियर में अभी तक खेले 206 मैचों में 20.47 की औसत से 455 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/19 का रहा है, और उन्होंने सभी फॉर्मेट में 17 बार पारी में 5 विकेट हॉल लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में, उन्होंने 47 मैचों में 19.48 की औसत से 217 विकेट लेकर विशेष रूप से प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

ग्लेन मैकग्राथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में 21.76 की औसत से 949 विकेट लेकर पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह 563 विकेटों के साथ ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल टेस्ट तेज गेंदबाज हैं और उन्होंने तीन वर्ल्ड कप जीते हैं, जिसमें 71 विकेटों के साथ सर्वाधिक वर्ल्ड कप विकेट लेने का रिकॉर्ड उनके नाम है।

जैक कैलिस की हरफनमौला क्षमताओं ने उन्हें दोनों प्रारूपों में 10,000 से ज़्यादा रन और 500 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट दिलाए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 49.10 की औसत से 25,534 रन बनाए हैं, जिसमें 62 शतक शामिल हैं। उनके गेंदबाजी रिकॉर्ड में 577 अंतरराष्ट्रीय विकेट शामिल हैं, जिनमें 6/54 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है।

एडम गिलक्रिस्ट ने विकेटकीपर-बल्लेबाजी में एक नया आयाम स्थापित किया है और 396 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 38.94 की औसत से 15,461 रन बनाए हैं, जिसमें 33 शतक शामिल हैं। उनका टेस्ट रिकॉर्ड खास तौर पर प्रभावशाली है, जिसमें 47.60 की औसत और 81.95 की स्ट्राइक रेट से 5,570 रन शामिल हैं। उन्होंने सभी फॉर्मेट में कुल 905 शिकार किए जो सबसे ज्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। लारा ने अपनी लीजेंड श्रेणी में कई खिलाड़ियों को भी शामिल किया, जिनमें रोहित के अलावा क्रिस गेल, शाहीन शाह अफरीदी, केविन पीटरसन और केन विलियमसन जैसे खिलाड़ी शामि है।

लारा के महान खिलाड़ी

रोहित ने 499 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42.18 की औसत से 19,700 रन बनाए हैं। उनके नाम सीमित ओवरों के क्रिकेट में कई रिकॉर्ड हैं, जिनमें सबसे ज्यादा विश्व कप शतक और सबसे ज्यादा टी20 शतक शामिल हैं। वह एकदिवसीय में सबसे अधिक 3 दोहरे शतक जड़ने वाले भी बल्लेबाज हैं।

क्रिस गेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 19,538 रन बनाकर बनाये हैंदी। उनके नाम सबसे ज्यादा टी20 रन (14,562) और सबसे ज्यादा छक्के (1,056) लगाने का रिकॉर्ड है।

शाहीन अफरीदी, सिर्फ 25 साल की उम्र में 174 मैचों में 345 विकेट ले चुके हैं और पाकिस्तान के 12वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने 48.56 की औसत से 19,086 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। उनके टेस्ट रिकॉर्ड में 54.88 की औसत से 33 शतकों सहित 9,276 रन दर्ज हैं।

इंग्लैंड के केविन पीटरसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 44.30 की औसत से 13,779 रन बनाए हैं। उनके टेस्ट करियर में 47.28 की औसत से 23 शतकों सहित 8,181 रन दर्ज हैं।

लंदन डायमंड लीग में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे नीरज

लंदन। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की नजरें अब लंदन डायमंड लीग में अच्छा प्रदर्शन करने की रहेंगी। पिछले कुछ समय में नीरज का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। और उन्होंने 90 मीटर से अधिक भाला फेंका है। इस लीग में ओलंपिक पदक विजेता नीरज जूलियन बेवर के साथ 15 अंक लेकर पदक तालिका में शीर्ष पर हैं। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद है कि नीरज लंदन में 90 मीटर की दूरी एक बार फिर पार कर नया रिकार्ड बनायेंगे। लंदन डायमंड लीग 2025 सत्र काफी अहम माना जाता है। इससे पहले पेरिस डायमंड लीग में नीरज का प्रदर्शन बेहतरीन रहा था। नीरज का यह इवेंट लंदन स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। नीरज का ये इवेंट प्रशंसक ऑनलाइन स्ट्रीमिंग के जरिये भी देख सकेंगे है। इसमें नीरज चोपड़ा को जर्मनी के वेबर के अलावा ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स, और केन्या के जूलियस येगो से भी टक्कर मिलेगी। प्रतियोगिता का आयोजन लंदन स्टेडियम में होने जा रहा है। इस सत्र में नीरज ने पहले ही दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था पर तब उन्हें जूलियन वेबर से हार का सामना करना पड़ा था।

अर्शदीप के चोटिल होने से मैनचेस्टर टेस्ट से डेब्यू का सपना टूटा

लंदन। 23 जुलाई से मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अर्शदीप के हाथ में अभ्यास सत्र के दौरान चोट लग गयी। ऐसे में अब उनके इस मैच तक फिट होने की काफी कम संभावनाएं हैं। भारतीय टीम के लिए ये इसलिए भी बड़ा झटका है क्योंकि दूसरे टेस्ट में जीत दिलाने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह पहले ही कमर के दर्द से पीड़ित हैं। इसको देखते हुए टीम प्रबंधन आकाशदीप की जगह अर्शदीप को उतरना चाहता था पर अब ये संभव नजर नहीं आता। अभ्यास सत्र के दौरान साई सुदर्शन की गेंद को फॉलो-थ्रू पर रोकते समय अर्शदीप के हाथ में चोट लग गई थी। उनके हाथ में टांके लगाए गए हैं, ऐसे में अब उनके खेलने के लिए फिट होने की संभावना कम है। इससे उनका टेस्ट डेब्यू का सपना भी टल गया है। वहीं आकाश दीप की उपलब्धता पर अभी भी संशय बना हुआ है क्योंकि वह कमर के दर्द से पीड़ित हैं। आकाश दीप ने मैनचेस्टर रवाना होने से पहले भारतीय टीम द्वारा आयोजित नेट सेशन में भी भाग नहीं लिया था।

इंग्लैंड दौरे पर खिलाड़ियों विशेषकर गेंदबाजों के चोटिल होने से भारतीय टीम प्रबंधन भी परेशान हैं। आकाशदीप और अर्शदीप सिंह से पहले उप-कप्तान ऋषभ पंत भी लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। ऐसे में ऋषभ के भी मैनेचेस्टर में खेलने की संभावनाएं भी काफी कम है, उनकी जगह ध्रुव जुरेल को अवसर मिल सकता है। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का खेलना भी तय नहीं है। बुमराह ने पहले ही साफ कर दिया था कि इस दौरे पर वह तीन मैच ही खेलेंगे। उन्होंने लीड्स और लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैच खेल लिए हैं पर गेंदबाजों के फिट नहीं होने के कारण उन्हें उतरना पड़ सकता है।

टीम इंडिया से बाहर होने के बाद भी करोड़ों कमा रहे ईशान किशन

मुम्बई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कुछ ही समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनायी है। उनके नाम एकदिवसीय में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का विश्व रिकार्ड है। घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण उन्हें अनुशासनहीनता के कारण पिछले दो साल से भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है पर इसके बाद भी उनकी कमाई पर कोई अधिक प्रभाव नहीं पड़ा है। बीसीसीआई ने हालांकि इस बार उन्हें सी वर्ग का करार दिया है। जिससे सालाना एक करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। माना जा रहा है कि उनकी भविष्य में टीम में वापसी हो सकती है। ईशान की कमाई क्रिकेट के अलावा बड़ी कंपनियों के विज्ञापन से होती है। इसके अलावा आईपीएल से भी उनको करोडों की रकम मिलती है। वह काउंटी से भी कमाई करते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार ईशान की नेटवर्थ तकरीबन 60 करोड़ रुपये है। 2025 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में ईशान किशन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 11.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं साल 2022 से 2024 तक उन्हें मुंबई इंडियंस से आईपीएल में वेतन के तौर पर 15.25 करोड़ रुपये मिले हैं।

ईशान क्रिकेट के अलावा विज्ञापनों से भी अच्छी-खासी कमाई करते हैं। उनका कई बड़े भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ अनुबंध है। ईशान अपनी लग्जरी लाइफ स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। उनके पास कई लग्ज़री घड़ियां भी हैं। इस क्रिकेटर के पास रोलेक्स डे-डेट की 23 लाख की घड़ी है जबकि एक जेनिथ डेफी स्काईलाइन घड़ी है जिसकी कीमत 20 लाख है। उनके पास बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज, फोर्ड मस्टैंग और एक मर्सिडीज-बेंज सी-क्लास सहित कई आलीशान कारें भी हैं।

ईशान को 2024-25 सीज़न के लिए बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध 'ग्रेड सी' में शामिल किया गया। जिसके तहत उन्हें सालाना 1 करोड़ रुपये वेतन मिलेगा। ईशान का सालाना वेतन 16 करोड़ के आसपास है। इस प्रकार वह हर दिन लगभग साढ़े 4 लाख कमाते हैं। वह ब्लिट्जपूल्स, सीएट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, ओप्पो इंडियन, एसजी स्पोर्ट्स मान्यवर और नोइज जैसे बड़े ब्रांड के विज्ञापन करते हैं। वह अलग-अलग ब्रांड से अलग-अलग साल के फीस चार्ज करते हैं। यह लगभग 1.50 से 2 करोड़ रुपये के बीच है.

ईशान का पटना के राजेंद्र नगर में एक आलीशान घर है। इसके अलावा मुंबई के मलाड में उनके पास करोड़ों का एक खूबसूरत अपार्टमेंट है। जिसमें कई वीआईपी सुविधाएं हैं। इसके अलावा ईशान ने अलग-अलग प्रॉपर्टी में भी निवेश किया है।

ईशान ने भारत की ओर से अब तक 2 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उनके नाम 98 रन हैं। वहीं एक अर्धशतक शामिल है। एकदिवसीय में उनके नाम 27 मैचों में 933 रन हैं जिसमें एक दोहरा शतक और सात अर्धशतक हैं। वहीं टी20 में उनके नाम 32 मैचों में 796 रन हैं।

रेसलर रिया के साथ जोड़ी बनाना चाहती है निक्की बेला

सेनडियागो। महिला रेसलर निक्की बेला अब डब्ल्यूडब्यलूई रेसलर रिया रिप्ले के साथ आना चाहती है। निक्की स्टार रेसलर जॉन सीना की पुरानी गर्लफ्रेंड रही हैं। निक्की का मानना है कि रिया रिप्ले के साथ उनकी जोड़ी कमाल कर सकती है। निक्की का मानना है कि रिया में उन्हें अपने और पेज के जोड़ी की झलक दिखती है। साथ ही, उन्हें लगता है कि रिया के साथ उनकी कहानी दर्शकों को पसंद आएगी। निक्की का मानना है कि रिया रिप्ले में बहुत क्षमता है। वह उनके साथ मिलकर कुछ विषेश कर सकती हैं। निक्की ने कहा, मेरी सबसे बड़ी इच्छा रिया रिप्ले के साथ रेसलिंग करने की है। उन्होंने आगे कहा कि रिया उन्हें पेज की याद दिलाती हैं। जैसे पेज का किरदार जानदार था, वैसा ही कुछ रिया में भी नजर आता है। निक्की ने यह भी कहा कि रिया के साथ उनकी जोड़ी उन्हें रोंडा राउजी और अपनी जोड़ी की याद दिलाती है, जिसमें उनकी बहन ब्री भी शामिल थीं। निक्की को लगता है कि हील वाली भूमिका में वह रिया के साथ जबरदस्त काम कर सकती हैं। उनके अनुसार, रिया में कई परतें हैं और निक्की की भूमिका उन परतों को आगे लाना है। निक्की का मानना है कि रिया के बारे में अभी भी बहुत कुछ जानना शेष है। निक्की ने कहा मुझे लगता है कि हम रिंग में बदलाव पैदा कर सकते हैं। हमारी कहानी अलग, ताजा और मजेदार हो सकती है। इसका मतलब है कि निक्की को लगता है कि वे दोनों मिलकर दर्शकों को एक शानदार मुकाबला दे सकती हैं। निक्की का टेलीविजन पर प्रसारित सिंगल्स मैच अक्टूबर 2018 में इवोल्यूशन प्रीमियम लाइव इवेंट में हुआ था। उस मैच में उन्होंने रोंडा राउजी को डब्ल्यूडब्लयू ई रॉ विमेंस चैंपियनशिप के लिए चुनौती दी थी हालांकि वह उस मुकाबले में हार गईं थीं।

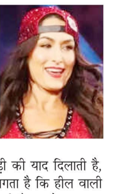

राहुल अभी काफी शतक लगाएंगे - शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि बल्लेबाज केएल राहुल जबरदस्त फार्म में हैं और उन्हें उम्मीद है कि बचे हुए दो मैचों के साथ ही आने वाले समय में वह काफी शतक लगायेंगे। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में अब तक जबरदस्त प्रदर्शन किया है। शास्त्री ने कहा, राहुल अच्छी लय में हैं और उन्हें अगले तीन-चार साल में हम काफी रन बनाते हुए देखेंगे। ऐसे में औसत जो भी हो, उनका स्कोर 50 के करीब बना रहेगा।

राहुल इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने तीन मैचों में ही 62.5 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक है। वह इंग्लैंड में भारतीय टीम की ओर से संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक चार टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्हें राहुल द्रविड़ से आगे निकलने के लिए तीन शतक चाहिये। द्रविड़ के इंग्लैंड में छह शतक हैं। शास्त्री के अनुसार, राहुल की बल्लेबाजी में निखार तकनीकी और मानसिक, दोनों तरह के सुधार से आया है।

शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि दुनिया में एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जिसने उनकी क्षमता को नकारा हो और कहा हो कि राहुल प्रतिभाशाली नहीं हैं।उन्होंने कहा कि प्रशंसक इस बात से नाराज थे कि इतनी प्रतिभा के बावजूद, वह लगातार रन नहीं बनाते। वहीं इस सीरीज में राहुल ने इस कमी को दूर किया है। शास्त्री ने कहा कि एक खास तकनीकी बदलाव से भी उनकी बल्लेबाजी बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, मैं देख रहा हूं कि उसने अपने अगले पैर, अपनी मूवमेंट में डिफेंडिंग करते समय थोड़ा सा बदलाव किया है। उनकी तकनीक में अच्छे बदलाव आए हैं जिससे उनके लिए मिड-विकेट की ओर शॉट लगाना पहले से भी आसान हो गया है।

उन्होंने कहा कि इस बदलाव से राहुल की बल्लेबाजी में काफी सुधार आया है। पहले जिस तरह वह आउट हो रहे थे, वह अब देखने में नहीं आ रहा। राहुल के अब तक 35.3 की औसत से 3,632 टेस्ट रन हो गये हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं।

शुभमन में नेतृत्व क्षमता पर असली परीक्षा अब होगी - चैपल

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे ग्रेग चैपल ने कहा है कि भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की असली परीक्षा अब होगी। चैपल के अनुसार इससे पता चलेगा कि वह अपनी टीम को कैसा बनाना चाहते हैं। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अब तक शुभमन ने इस दौर में जबरदस्त बल्लेबाजी के साथ ही कप्तानी कौशल भी दिखाया है। वहीं अब जब भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। उनपर सीरीज में वापसी का दबाव रहो। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच 22 रन से हार गयी थी। वहीं अब दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में उतरेंगी।

चैपल ने कहा, "भारतीय टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैच की तैयारी कर रही है। ऐसे में अब सभी की नजरें शुभमन पर लगी रहेंगी। इस सीरीज में एक प्रतिभाशाली बल्लेबाज के रूप में उन्होंने अपने को साबित किया है। उनमें नेतृत्व क्षमता की झलक भी दिखाई है पर उनकी असली परीक्षा अभी बाकि है। यह वह अवसर है जो टेस्ट कप्तान के रूप में तय करेगा कि वह किस ओर जाना चाहते हैं।"उन्होंने कहा, "गिल को यह दिखाना होगा कि वह भारत को किस तरह की टीम बनना चाहते हैं। कप्तान न केवल अपनी बातों से बल्कि अपने प्रदर्शन और स्पष्ट मानदंडों से टीम के अंदर माहौल तय करता है।"

चैपल ने कहा, "इसका मतलब है टीम को मैदान पर अनुशासित बनाए रखना। भारत एक बार फिर खराब फील्डिंग कर अपने अवसर नहीं खो सकता। सर्वश्रेष्ठ टीमें मैदान में शानदार होती हैं। वे आसानी से रन नहीं देते। वे मौके नहीं गंवाते।" चैपल चाहते हैं कि ये युवा कप्तान उस टीम के चयन में डटा रहें जो उन्हें लगता है कि उनके लिए मैच जीत सकती है। उन्होंने कहा, "चयनकर्ता जिन खिलाड़ियों का चयन करते हैं उन पर उन्हें भरोसा बनाए रखना होगा। उन्हें खिलाड़ियों के एक मुख्य समूह की पहचान करनी होगी जिन पर उन्हें विश्वास रहे कि वे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।"

चैपल ने लिखा है, " उन्हें अपनी स्पष्ट योजना बनानी होगी और प्रत्येक खिलाड़ी को उसकी भूमिका बतानी होगी। हर खिलाड़ी को ये पता होना चाहिए कि उससे क्या अपेक्षा की जा रही है।" उन्होंने लिखा, "अगर गिल एक महान टेस्ट कप्तान बनना चाहते हैं, तो यह उनके पास न केवल एक बल्लेबाज बल्कि कप्तान के रूप में भी अपनी साख स्थापित करने का अवसर है। ऐस में अगर वह स्पष्ट सोच और दृढ़ इरादे के साथ नेतृत्व करते हैं, तो उन्हें सफलत मिलनी तय है। इससे वह भारतीय टीम को एक नई दिशा देंगे।

इंडिया गठबंधन की बैठक से आप और टीएमसी ने क्यों बनाई दूरी

कुछ मुद्दों को छोड़ दें तो कई पर बनी सहमति

नई दिल्ली। 24 राजनैतिक दलों को एक मंच पर लाकर बनाए गए इंडिया गठबंधन की एकजुटता को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। इस बार भी कुछ इसी तरह की झलक उस वक्त दिखाई दी जब गठबंधन की बैठक से आम आदमी पार्टी और टीएमसी ने दूरी बना ली। वहीं वाम दलों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान पर आपत्ति उठा दी। वहीं बैठक में ऐसे कई मुद्दे हैं जिन पर एकजुटता के साथ सहमति बनी है। उनमें पहलगाम आतंकी हमला और खुफिया तंत्र की विफलता, ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी सुरक्षा चिंता, सीज़फायर और उस पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया (ट्रंप बयान), भारत की विदेश नीति - अमेरिका, चीन और पाकिस्तान को लेकर, डिलिमिटेशन (सीमा पुनर्निर्धारण) से जुड़े सवाल, पिछड़े वर्गों और दलितों पर अत्याचार, अहमदाबाद विमान हादसा, सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग पर सहमति बनी है।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। जिसे लेकर इंडिया गठबंधन ने कमर कस ली है। शनिवार को इंडिया गठबंधन की बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में कई दलों के नेता ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हिस्सा लिया। मौजूदा समय में इस गठबंधन में 24 राजनीतिक दल शामिल हैं। इस बैठक में मोदी सरकार को घेरने के लिए चक्रव्यूह तैयार किया है। इस बैठक में आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस ने हिस्सा नहीं लिया। बैठक का आयोजन देश बचाओ, बीजेपी हटाओ के नारे के साथ किया गया। इस बैठक में ज्यादातर नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले का मुद्दे को उठाया। नेताओं का कहना था कि अभी तक पहलगाम हमले मामले में न्याय नहीं मिला है। सरकार का इंटेलिजेंस हमले को रोकने में विफल रही। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मानसून सत्र में उपलब्ध रहना होगा और विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अघोषित आपातकाल के कारण लोगों को मताधिकार खतरे में हैं। इसके खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट करने की योजना बनाई गई है। बता दें कि बैठक में तमिलनाडु से राज्यसभा के पूर्व सदस्य डी राजा ने राहुल गांधी के उस टिप्पणी पर आपत्ति जताया जिसमें कांग्रेस नेता ने केरल के सीपीएम और आरएसएस की तुलना कर डाली थी। हालांकि, उन्होंने राहुल का नाम नहीं लिया।

बैठक में कई दिग्गज शामिल हुए उसमें जयन्त पाटिल, जयराम रमेश, एमए बेबी (सीपीएम), प्रोफेसर केएम कादर (आईयूएमएल), पीके कुन्हालीकुट्टी (आईयूएमएल), हेमन्त सोरेन (झामुमो), तेजस्वी यादव (राजद), तिरुचि शिवा (डीएमके), शरद पवार (एनसीपी), मल्लिकार्जुन खड़गे (कांग्रेस), अभिषेक बनर्जी (टीएमसी), राहुल गांधी (कांग्रेस), सोनिया गांधी (कांग्रेस), रामगोपाल यादव (एसपी), डी राजा (सीपीआई), एनके प्रेमचंद्रन (आरएसपी), उद्धव ठाकरे (एसएस), संजय राउत (एसएस), उमर अब्दुल्ला (नेकां), तिरुमावलन (वीसीके), जोस के मणि (केरल कांग्रेस) शामिल हैं।

अहमदाबाद विमान हादसा : उड़ान के दौरान बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी होने की आशंका

नई दिल्ली। 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हुई एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 की जांच में अब कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। विमान का पिछला ब्लैक बॉक्स बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की छत से मिला था लेकिन उसमें थर्मल डैमेज इतना ज्यादा था कि डेटा निकालना संभव नहीं हुआ। जबकि आगे वाला ब्लैक बॉक्स 16 जून को मलबे से बरामद हुआ और उसमें से 49 घंटे की उड़ान जानकारी और 6 उड़ानों का डेटा, साथ ही क्रैश के दो घंटे पहले की ऑडियो रिकॉर्डिंग निकाली जा सकी। बोइंग ड्रीमलाइनर विमान के मलबे की जांच कर रही टीम को विमान के पिछले हिस्से पूंछ (टेल सेक्शन) में सीमित इलेक्ट्रिक आग के संकेत मिले हैं। पूंछ के हिस्से को विमान दुर्घटना और ईंधन विस्फोट से अपेक्षाकृत कम नुकसान हुआ। इसमें कुछ इलेक्ट्रिक पार्ट्स में सीमित आग लगी, जिससे संकेत मिलता है कि उड़ान के दौरान बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी हो सकती है। रिपोर्ट में जांच अधिकारियों के हवाले से कहा है कि टेल सेक्शन से बरामद किए गए सामनों को अहमदाबाद में सुरक्षित रखा गया है और इन्हीं के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि बिजली प्रणाली में कौन-सी तकनीकी गड़बड़ी हुई थी हादसे में बचे इकलौते यात्री विश्वाशकुमार रमेश ने बताया कि केबिन की लाइट बार-बार जा रही थी, जो बिजली सप्लाई में खराबी की ओर संकेत करता है। क्रैश के 72 घंटे बाद टेल सेक्शन से एक फ्लाइट अटेंडेंट का शव बरामद किया गया। वह आग में नहीं जली थीं, बल्कि सीट बेल्ट में जकड़े होने और टक्कर के प्रभाव से उनकी मौत हुई थी। उनकी पहचान साड़ी के बचे टुकड़ों से की गई, जबकि शरीर ज्यादा समय बीतने और अग्निशमन रसायनों के कारण बुरी तरह सड़ चुका था। ब्लैक बॉक्स डेटा से पता चला कि दोनों इंजन में कुछ सेकंड में ही ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई थी।

मोदी सरकार ने कहा, द्वीप को अब सुरक्षा कारणों से अधिग्रहित किया जाएगा

फिर से क्यों चर्चा में आ गया बिट्रा द्वीप...चीन को काउंटर करने में होगा इसका उपयोगी रोल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बाद जिस छोटे से बिट्रा द्वीप समूह ने राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं, वहां फिर चर्चा में है। लेकिन इस बार कारण पर्यटन या प्राकृतिक सौंदर्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। बता दें कि केंद्र सरकार ने संकेत दिए हैं कि इस द्वीप को अब सुरक्षा कारणों से अधिग्रहित किया जाएगा। बता दें कि लक्षद्वीप द्वीप समूह के केवल 10 द्वीप ही हैं जहां आबादी बसती है। उसमें से एक है बिट्रा, जो भले ही भौगोलिक रूप से छोटा हो, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से इसका महत्व अत्यंत बड़ा है। हिंद महासागर में भारत की नौसैनिक मौजूदगी और समुद्री निगरानी के लिहाज से यह द्वीप बेहद उपयोगी है। खासतौर पर चीन जैसे देश की बढ़ती समुद्री गतिविधियों को देखकर मोदी सरकार का मानना है कि बिट्रा को सैन्य दृष्टि से तैयार करना जरुरी हो गया है।

बता दें कि 11 जुलाई 2025 को लक्षद्वीप प्रशासन के राजस्व विभाग ने इसबारे में सामाजिक प्रभाव आकलन के लिए अधिसूचना जारी की है। इसके तहत बिट्रा द्वीप के अधिग्रहण से वहां के समाज, संस्कृति, पर्यावरण और निवासियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इसका अध्ययन हुआ। हालांकि प्रशासन साफ कर चुका है कि ग्राम सभा या जमीन मालिकों की सहमति अनिवार्य नहीं है। लेकिन लक्षद्वीप के सांसद हमदुल्ला सईद ने इस प्रस्ताव का राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर विरोध करने की बात कर दी है। उन्होंने कहा है कि बिट्रा जैसे पारंपरिक और शांत द्वीप को अचानक सैन्य जरूरतों के नाम पर खाली कराने की कोशिश को स्थानीय लोगों के हक के खिलाफ है, बल्कि इससे सामाजिक अशांति भी फैलेगी। सांसद सईद का आरोप है कि

सरकार ने लोगों से कोई राय या सलाह नहीं ली और सीधे-सीधे अधिग्रहण शुरु कर दिया है।

वहीं प्रशासन का कहना है कि हिंद महासागर में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से यह द्वीप बेहद संवेदनशील है। भविष्य में यहां किसी भी प्रकार की रक्षा सुविधाएं विकसित हो सकती हैं ताकि भारत अपनी समुद्री सीमाओं को और मज़बूत बना सके।

याद दिला दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद लक्षद्वीप को टूरिज्म बनाम डिफेंस के द्वंद्व में देखा जाने लगा है। हाल के वर्षों में सरकार ने लक्षद्वीप को ट्रांजिट हब और नेवी फॉरवर्ड पोस्ट के रूप में विकसित करने की योजनाएं बनाई हैं। बिट्रा द्वीप की भौगोलिक स्थिति अरब सागर में भारत की रणनीतिक पकड़ को और मजबूत करने में सहायक बना सकती है।

बता दें कि इस छोटे से द्वीप पर करीब 105 परिवार रहते हैं, जो पीढ़ियों से वहीं बसे हैं। इसलिए लक्षद्वीप के सांसद सईद कदम का खुला विरोध कर रहे हैं। उन्होंने बिट्रा के निवासियों को भरोसा दिलाया कि उन्हें घबराने की कोई जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने बिट्रा और लक्षद्वीप के नेताओं के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की है। दूसरी ओर, सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि 2013 के भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन अधिनियम के तहत सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) की प्रक्रिया अनिवार्य है। इसमें यह भी उल्लेख है कि परियोजना विकासकर्ता के रूप में राजस्व विभाग की भूमिका होगी और इस सर्वे में स्थानीय ग्राम सभा सहित सभी हितधारकों से चर्चा की जाएगी। हालांकि प्रशासन ने यह साफ कर दिया है कि ग्राम सभाओं या भूमि मालिकों की सहमति अनिवार्य नहीं है।

राज संग गठबंधन पर बेबाक बोले उद्धव ठाकरे- हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है?

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर ठाकरे बंधुओं का मेल सुर्खियों में है। करीब दो दशकों तक अलग राहें पर चले उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे, अब साथ आते दिख रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एक बातचीत में राज ठाकरे के साथ संभावित गठबंधन और राजनीतिक समीकरणों को लेकर खुलकर बात की।

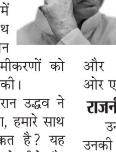

बातचीत के दौरान उद्धव ने दो टूक सवाल किया, हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है? यह सवाल पूछकर उद्धव ने सीधे तौर पर उन राजनीतिक हलकों पर निशाना साधा, जो ठाकरे भाइयों के पुनर्मिलन से असहज महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को इस मिलन से फ्रपेट में दर्द फ्र हो रहा है, तो यह उनकी समस्या है, वह इसे नजरअंदाज करते हैं। उद्धव ने बताया कि राज ठाकरे के साथ दोबारा जुड़ने से मराठी समाज ही नहीं, बल्कि मुस्लिम, गुजराती और हिंदी भाषी समुदायों ने भी खुशी जताई है। उन्होंने इसे छोटी बात नहीं, बहुत बड़ी बात बताया और कहा कि यह सांस्कृतिक और सामाजिक एकता की ओर एक मजबूत संकेत है।

राजनीति नहीं, अस्मिता पहले

उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता राजनीति नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता और सांस्कृतिक एकजुटता है। उन्होंने साफ किया कि वो महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हितों के लिए जो जरूरी होगा, वह करेंगे।

महाविकास अघाड़ी

और मनसे समीकरण

मनसे के साथ संभावित गठबंधन को लेकर पूछे गए सवालों पर उद्धव ने कहा कि कांग्रेस और अन्य घटक दलों को स्थानीय स्तर पर स्वतंत्र फैसले लेने का अधिकार है। उन्होंने माना कि मुंबई की राजनीति महाराष्ट्र से अलग नहीं है और हर नगर निकाय अपने स्तर पर निर्णय लेगा।

क्या बदलेगा समीकरण?

राज और उद्धव का साथ आना, न केवल मुंबई महानगरपालिका चुनावों पर असर डालेगा, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर समीकरणों को भी झटका दे सकता है। आने वाले दिनों में यह गठबंधन महाराष्ट्र की राजनीति में नए ध्रुवीकरण की नींव रख सकता है।

ईडी कोई ड्रोन या सुपर कॉप नहीं, जो हर मामले की जांच करे: हाईकोर्ट

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि ईडी यह कोई घूमता हुआ ड्रोन या कॉप नहीं है जो हर मामले की जांच करे और अपनी मर्जी से कार्रवाई करने लगे। जस्टिस एमएस रमेश और वी लक्ष्मीनारायणन की खंडपीठ ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी की पावर को सीमित करने की बात कही। इसने आरकेएम पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड के 901 करोड़ रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट को फ्रीज करने के ईडी के आदेश को रद्द कर दिया।

कोर्ट ने साफ किया कि पीएमएलए के तहत कार्रवाई तभी शुरू हो सकती है जब कोई निर्धारित अपराध (प्रीडिकेट ऑफेंस) और उससे उत्पन्न होने वाली अपराध की आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) मौजूद हो। हाई कोर्ट ने कहा कि ईडी की शक्तियों की तुलना लिम्पेट माइन से की जिसे काम करने के लिए जहाज की आवश्यकता होती है, जहां जहाज प्रीडिकेट ऑफेंस और प्रोसीड्स ऑफ क्राइम का प्रतीक है। आरकेएम पावरजेन ने ईडी के 31 जनवरी के फ्रीज आदेश को चुनौती दी थी, जिसे कंपनी के सीनियर वकील बी कुमार ने पूर्व अदालती फैसलों की अनदेखी और नए सबूतों के अभाव में अवैध बताया। कंपनी को 2006 में फतेहपुर ईस्ट कोल ब्लॉक आवंटित किया गया था जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में रद्द कर दिया था। सीबीआई ने इस मामले में शुरू में एक एफआईआर दर्ज की थी लेकिन 2017 में इसे बंद कर दिया। इसके बावजूद, ईडी ने 2015 में पीएमएलए के तहत जांच शुरू की और कंपनी के खातों को फ्रीज कर दिया जिसे मद्रास हाई कोर्ट ने पहले रद्द कर दिया था। ताजा फैसले में कोर्ट ने ईडी की कार्रवाई को कानूनी रूप से अस्वीकार्य करार दिया।

ताजिकिस्तान में एक महीने में पांचवीं बार हिली धरती, फिर आया भूकंप

नई दिल्ली। एशियाई देश ताजिकिस्तान में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, रविवार तड़के 4.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 160 किलोमीटर थी। यह इस क्षेत्र में जुलाई महीने में दर्ज किया गया पांचवां झटका है, जिससे इलाके की भूकंपीय सक्रियता को लेकर चिंता बढ़ गई है।

क्षेत्र में लगातार कंपन से लोगों में दहशत का माहौल है। एनसीएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि ताजिकिस्तान में आए भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई है जबकि इसका समय 20 जुलाई आईएसटी 01:01:55 रहा है। भूकंप का केंद्र 160 किमी की गहराई में निर्देशांक अक्षांश 36.87 अंश, देशांतर 72.10 अंश पर रहा। यहां बताते चलें कि इससे पहले, 18 जुलाई को 3.8 तीव्रता, और 12 जुलाई को दो बार झटके महसूस किए गए थे, जिनमें से एक की तीव्रता 4.8 थी। जुलाई माह में ही पांच बार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं और बार-बार आ रहे झटकों से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

क्यों संवेदनशील है ताजिकिस्तान?

ताजिकिस्तान एक पहाड़ी देश है जिसकी भौगोलिक बनावट और जलवायु इसे भूकंप के साथ-साथ बाढ़, सूखा, हिमस्खलन और भूस्खलन जैसे प्राकृतिक खतरों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है। यहां के ग्लेशियरों पर निर्भर नदी घाटियां, नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र, और अलग-थलग जंगलों वाले भूभाग इन सभी कारणों से यह इलाका भूस्खलन और भूमि क्षरण के जोखिम में रहता है। विशेषज्ञों का मानें तो उथले भूकंप जैसे कि 10-60 किमी की गहराई वाले केंद्र अधिक खतरनाक होते हैं क्योंकि उनकी ऊर्जा सतह के करीब निकलती है, जिससे तेज झटके और अधिक नुकसान की आशंका होती है।

अलर्ट और निगरानी जारी

हालांकि रविवार का भूकंप गहराई में ज्यादा था, फिर भी यह लगातार हो रहे भूकंपों की कड़ी में एक और चेतावनी है। भूकंप वैज्ञानिकों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने इस क्षेत्र की सतत निगरानी शुरू कर दी है और स्थानीय प्रशासन को भी सतर्क किया गया है।

हिदायत/ईएमएस 20जुलाई25

कर्नाटक कांग्रेस में नया बवाल : डिप्टी सीएम का नाम सुनते ही भड़के सिद्दारमैया, मंच छोड़कर लौटे शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी कलह सतह पर आ गई है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच की कथित खींचतान मंगलुरु में आयोजित साधना समवेश कार्यक्रम में सार्वजनिक हो गई। मंच पर सिद्दारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे, लेकिन तभी जब एक कांग्रेस नेता ने सिद्दारमैया से शिवकुमार का ज़िक्र करने को कहा, तो उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी— डीके शिवकुमार यहां नहीं हैं, वे बेंगलुरु चले गए हैं, हम केवल मौजूद लोगों का स्वागत कर सकते हैं।

हैरानी की बात यह रही कि शिवकुमार कार्यक्रम में कुछ समय पहले तक मौजूद थे और अपना भाषण देने के बाद किसी आपात स्थिति का हवाला देते हुए बेंगलुरु लौट गए। इस घटनाक्रम ने दोनों नेताओं के बीच गहराते मतभेदों और सत्ता संघर्ष की चर्चाओं को फिर से तेज कर दिया है। यहां बताते चलें कि 2023 विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद सिद्दारमैया को मुख्यमंत्री और डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम तथा पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा रही कि दोनों नेताओं के बीच सत्ता साझा करने का एक अनौपचारिक समझौता हुआ है, जिसके तहत ढाई साल बाद शिवकुमार को सीएम पद सौंपा जा सकता है। यह समझौता कभी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुआ, लेकिन शिवकुमार के समर्थकों की बयानबाज़ी से यह साफ होता जा रहा है कि असंतोष बढ़ रहा है। विपक्षी दल भाजपा ने इस घटना को लेकर कांग्रेस की आंतरिक अस्थिरता का आरोप लगाया है।

चार गैर हिंदू कर्मचारियों को तिरुपति ट्रस्ट ने किया निलंबित

तिरुपति। श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने गैर हिंदू होने और अन्य धर्मों का पालन करने के आरोप में अपने चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। मंदिर समिति ने उप कार्यकारी अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) बी. एलिजर, बीआईआरआरडी अस्पताल की नर्स एस. रोजी, बीआईआरआरडी अस्पताल की ग्रेड-1 फार्मासिस्ट एम. प्रेमवती और एस.वी. आयुर्वेद फार्मेसी की कर्मी जी. असुंथा को निलंबित कर दिया। शनिवार को यहां जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि टीटीडी ने दूसरे धर्मों को मानने के आरोप में अपने चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया।

छांगुर बाबा मामले में बड़ा खुलासा, 22 बैंक खाते, 60 करोड़ का लेनदेन... मुंबई से पनामा तक मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क

मुंबई। जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा का अवैध कारोबार का नेटवर्क देश तक ही सीमित नहीं था, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में यह खुलासा हुआ है। ईडी ने मुंबई से पनामा तक फैले मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। ईडी द्वारा की जा रही जांच से पता चला है कि छांगुर बाबा को विदेशों से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हुआ था। इस धन का उपयोग देश में लोगों का धर्मांतरण करने तथा अवैध संपत्ति खरीदने के लिए किया गया। ईडी को छांगुर बाबा और उनके करीबी सहयोगियों के 22 बैंक खातों की जांच में 60 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत मिले हैं। खातों में संदिग्ध लेनदेन की एक बड़ी सूची मिली है, जिसका स्रोत और उद्देश्य संदिग्ध है। मुंबई में छांगुर बाबा ने रुनवाल ग्रीन्स नामक एक परिसर खरीदा था। ईडी को संदेह है कि यह लेनदेन अवैध फंडिंग से प्राप्त धन से किया गया था। इस लेनदेन से संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि छांगुर बाबा का संबंध पनामा स्थित लोगोस मरीन नामक कंपनी से है। ईडी ने इस कंपनी के दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त कर लिए हैं, जिससे संदेह पैदा होता है कि मनी लॉन्ड्रिंग का नेटवर्क विदेशों में भी संचालित हो रहा है। ईडी ने लखनऊ के सुभाष नगर स्थित आस्वी बुटीक की भी तलाशी ली है। जांच से पता चला है कि बुटीक का इस्तेमाल अवैध संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों को छिपाने के लिए किया जाता था। यहां से छांगुर बाबा और उसके नेटवर्क से जुड़ी कई संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। बुटीक फिलहाल सील कर दिया गया है। ईडी ने अपनी जांच में नवीन रोहरा और नीतू रोहरा उर्फ नसरीन को भी इस मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क का अहम हिस्सा माना है। ये दोनों संदिग्ध लेन-देन और संपत्ति के लेन-देन में छांगुर बाबा की मदद कर रहे थे। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की गई है।

जेडीयू फर्स्ट डिवीजन आए या थर्ड, मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही बनेंगे

बिहार के डिप्टी सीएम ने कहा- अगली सरकार नीतीश के नेतृत्व में ही बनेगी

पटना। बिहार सीएम नीतीश कुमार इस बार मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे यह बात उनके विरोधी बार-बार दोहरा रहे हैं ताकि यह जनता के दिमाग में घर कर जाए, लेकिन जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने अपने रुख को पूरी तरह से साफ कर दिया है। पार्टी ने साफ कहा है कि चाहे जेडीयू फर्स्ट डिवीजन आए या थर्ड डिवीजन मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही बनेंगे।

बता दें महेश्वर हजारी, जेडीयू की अगुवाई वाली एनडीए गठबंधन सरकार में मंत्री हैं उन्होंने कहा कि जेडीयू फर्स्ट डिवीजन आए या थर्ड डिवीजन आए, सीएम तो नीतीश कुमार ही बनेंगे। अब चाहे जैसे भी हो। इसको लेकर किसी को संकोच नहीं रहना चाहिए। इस बीच नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का भी रिएक्शन सामने आया है। निशांत ने कहा कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। एनडीए को भारी बहुमत मिलना तय है। मेरे पिता ही मुख्यमंत्री बनेंगे।

बीते कुछ महीनों में बिहार की सियासत में सीएम पद को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इसके बीच एनडीए की सहयोगी पार्टी जेडीयू ने पटना स्थित अपने पार्टी दफ्तर के बाहर एक बड़ा पोस्टर

लगवाया है, जिसमें लिखा है- '25 से 30, फिर से नीतीश।' यह पोस्टर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी के उस बयान के जवाब में लगाया था जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी पूर्वी राज्य (बिहार) में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में चुनाव जीतेगी।

जेडीयू नेताओं का इस पोस्टर को लेकर तब कहना था कि यह पोस्टर और संदेश इस बात का प्रमाण है कि नीतीश मैजिक आज भी कायम है। सीनियर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कहा था कि एनडीए पहले ही यह तय कर चुका है कि अगला विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा यानी 2025 से 2030 तक भी मुख्यमंत्री वही रहेंगे... बस इतनी सी बात है।

नीतीश के बेटे निशांत भी कुछ महीने पहले मीडिया के सामने आए थे और कहा था कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी साफ कर दिया है कि विधानसभा चुनाव के बाद भी बिहार के सीएम नीतीश कुमार ही बने रहेंगे। राज्य के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने भी तब दोहराया था कि एनडीए बिहार में सत्ता बनाए रखेगा और अगली सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बनेगी। इन बयानों से जेडीयू यह संकेत देना चाहती है कि नीतीश कुमार का नेतृत्व गठबंधन में पूरी तरह स्वीकार्य है और अगली सरकार भी उन्हीं के नेतृत्व में चलेगी। विरोधी दलों के दावों के बावजूद पार्टी अपने सीएम पद के उम्मीदवार को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है।

सड़क के गड्ढे ने ली युवक की जान

अनियंत्रित हुई मोटरसाइकिल से दो युवक घायल, गंभीर रूप से घायल युवक की जिला अस्पताल में मौत, भरवेली थाने में बैहर रोड़ हीरापुर के आगे हुई सड़क दुर्घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना अंतर्गत बैहर रोड पर स्थित ग्राम हीरापुर के आगे सड़क पर उभरा गड्ढा मोटरसाइकिल सवार एक युवक के लिए जानलेवा बन गया। बीती रात सड़क पर उभरे इस गड्ढे से एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई।जिससे इस मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए। जिनमे गंभीर रूप से घायल एक युवक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक युवक रिजवान पिता हामिद खान 17 वर्ष वार्ड नंबर 16 उकवा थाना रूपझर निवासी है। अन्य युवक केल्विन सिक्का को इस दुर्घटना में मामूली चोट आई है । यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब दोनों युवक मोटरसाइकिल में बालाघाट से उकवा जा रहे थे। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रिजवान खान के पिता हामिद खान का निधन हो चुका है। जिसके परिवार में मां और एक बहन है। मां उकवा माइंस में काम करती है और बहन भोपाल में रहकर नर्सिंग कोर्स कर रही है। रिजवान खान अपने माता-पिता का इकलौता बेटा। था और उसने कक्षा दसवीं तक पढ़ाई किया था। 19 जुलाई को 4 बजे करीब रिजवान खान अपने दोस्त केल्विन सिक्का के साथ बस में बालाघाट हीरो एजेंसी कागजात देने के लिए आए थे। रात हो जाने के कारण बस नहीं मिली थी। तब रात्रि में रिजवान खान ने बालाघाट में रहने वाले अपने किसी दोस्त से मोटरसाइकिल मांगी थी जिसके बाद रिजवान खान अपने दोस्त केल्विन सिक्का के साथ मोटरसाइकिल में बालाघाट से उकवा जाने निकले थे। मोटरसाइकिल रिजवान खान चला रहा था। रात्रि 3:30 बजे करीब भरवेली हीरापुर से आगे से सड़क पर जगह जगह उभरे गड्ढे से मोटरसाइकिल को बचाने के चक्कर में यह मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और रिजवान खान और उसका दोस्त केल्विन सिक्का मोटरसाइकिल सहित गिर गए ।जिनमें रिजवान खान को जांघ के अलावा उसे अंदरूनी चोट आई थी और केल्विन सिक्का को कंधे में चोट आई थी इस दुर्घटना के कुछ घंटे बाद केल्विन सिक्का ने रिजवान खान को उसी मोटरसाइकिल में नगर के एक निजी अस्पताल ले गया था किंतु इस अस्पताल में तेजवान खान को भर्ती नहीं लिया गया। इसके बाद केल्विन सिक्का ने रिजवान खान को सुबह 6:30 करीब जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। इसी दौरान रिजवान खान की बहन का फोन आया था। इस संबंध में केल्विन सिक्का ने दुर्घटना घटना के संबंध में बताया और उसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ हो गया । केल्विन सिक्का रिजवान खान को जिला अस्पताल में भर्ती करने के बाद उकवा पहुंचा और घटना के संबंध में परिवार वालों को बताया। परिवार के लोग जिला अस्पताल पहुंचे तब तक रिजवान खान की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो चुकी थी। 3:00 बजे करीब केल्विन सिक्का जिला अस्पताल पहुंचा। इसके बाद जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने मृतक युवक रिजवान खान का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक उसे लोहे के पाइप से की मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए उसे लोहे के पाईप से मारपीट कर घायल कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब यह महिला परहा लगाने के लिए घर से निकल कर खेत जा रही थी। मारपीट में घायल 25 वर्षीय महिला ग्राम सलघट थाना बिरसा निवासी है। बिरसा पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति संतराम पिता अघन सिंह मरकाम के विरुद्ध इस महिला को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर मारपीट करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सलघट निवासी यह महिला 25 वर्षीय महिला घरेलू काम के अलावा खेती मजदूरी करती है। सन 2013 में इस महिला की शादी संतराम मरकाम ग्राम सलघट निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। जिसके चार बच्चे हैं। बताया गया है कि संतराम मरकाम शराब पीने का आदी है और वह शराब पीकर अपनी पत्नी इस महिला को घरेलू बातों को लेकर गालियां देकर मारपीट करते रहता है और उसके चरित्र पर भी शक करते रहता है। इस महिला को उसका पति संतराम मरकाम शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते आ रहा था। महिला सोचती थी कि उसका पति संतराम मरकाम में आज नहीं तो कल सुधार आएगा यह सोच कर उसने रिपोर्ट नही की थी। किंतु संतराम मरकाम में कोई सुधार नहीं आया। और वह इस महिला को उसके चरित्र पर शक उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा था। घटना के दो दिन पहले भी इस महिला को उसके पति संतराम मरकाम घरेलू बातों को लेकर मारपीट किया था। 19 जुलाई को सुबह 10ः00 बजे जब यह महिला परहा लगाने के लिए घर से निकल कर खेत जा रही थी तभी संतराम मरकाम ने उसके चरित्र पर शक करते हुए उसके बाल पकड़ कर खींचा और पास मे ही पड़ी लोहे के पाइप फूंकनी से मारपीट करने लगा। महिला के चिल्लाने पर उसकी सास दौड़ती आई और बीच बचाव की मारपीट करने से महिला के बाईं आंख के ऊपर मस्तक में हाथ की भुजा, कलाई में चोट खरोच और अंदरूनी चोंटे आई। इस घटना के संबंध में इस महिला ने अपने ससुर अध्यसिंह मरकाम देवर चीमन मरकाम को बताई और रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंची। बिरसा पुलिस ने इस महिला का इलाज और मुलाहिजा अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति संतराम मरकाम के विरुद्ध शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर मारपीट करने के आरोप में धारा 85 ,115(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

यात्री प्रतीक्षालय में सो रहे एक युवक की जेब से रुपए चोरी करने वाले दो शातिर चोर भेजे गए जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । कोतवाली पुलिस ने स्थानीय बस स्टैंड के यात्री प्रतीक्षालय में सो रहे एक युवक के जेब से रुपए निकाल कर फरार दो शातिर चोर को गिरफ्तार कर उन्हें वारासिवनी की अदालत में पेश कर दिए। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया । दोनो चोर सुरेश उर्फ तोता पिता किशन धुर्वे 50 वर्ष वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर बालाघाट, रोहित उर्फ बल्ले पिता महेश रावते 29 वर्ष वार्ड नंबर 1 माता मंदिर बूढ़ी निवासी है । इस मामले में एक नाबालिक को भी गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रूपझर निवासी नवीन हिरवाने गुजरात में सोलर प्लांट में काम करते हैं। 18 जुलाई की रात्रि में नवीन हिरवाने गुजरात से अपने गांव रूपझर जाने के लिए बालाघाट बस स्टैंड आए थे। किंतु रात्रि में रूपझर जाने का साधन नहीं होने से नवीन हिरवाने बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय में ही सो गए थे। 18 जून 19 जुलाई की दरमियानी रात करीब 3ः00 बजे जब नवीन हिरवाने यात्री प्रतीक्षालय में सो रहे थे ।तभी तीन शख्स यात्री प्रतीक्षालय में आए और उन्होंने प्रतीक्षालय में सो रहे नवीन हिरवाने की जेब टटोलकर कर जेब में रखें रुपये निकाल लिए। नवीन हिरवाने कुछ एहसास होने पर उनकी नींद खुली देखे उसके सामने तीन शख्स खड़े थे। नवीन हिरवाने तुरंत अपनी जेब टटोली, जेब में रखे 7000 रुपए नहीं थे। नवीन हिरवाने को शंका हुई कि इन्हीं शख्सों ने उनकी जेब से पैसे निकाले हैं और वे जब पैसे के लिए इन तीनों बोलने लगे, तभी इन तीनों शख्स नवीन हिरवाने पर हावी हो गए और मारपीट करने आमादा होने लगे थे । इसी दौरान रात्रि कालीन गस्त कर रही पुलिस के वाहन के सायरन की

आवाज सुनकर तीनों शख्स वहा से भाग खड़े हुए। नवीन हिरवाने ने पुलिस कर्मचारियों को घटना के सम्बंध में बताये। तीनों युवक बस स्टैंड में ही छुपे हुए । कर्मचारियों ने तीनों शख्स की तुरन्त ही बस स्टैंड खोजबीन शुरू किये तभी तीनो शख्स पुलिस कर्मचारियों को देखते भागने लगे जिन्हें घेराबंदी कर पकड़े। जिनमे एक नाबालिक था। पकड़े गए दो शख्स से पूछताछ करने पर एक ने अपना नाम सुरेश उर्फ तोता पिता किशन धुर्वे 50 वर्ष वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर बालाघाट और दूसरे ने रोहित उर्फ बल्ले पिता महेश रावते 29 वर्ष वार्ड नंबर 1 माता मंदिर बूढ़ी बालाघाट निवासी बताये जो नगर के शातिर चोर थे जिनके विरुद्ध कोतवाली में और भी अपराध दर्ज है। तलाशी लेने पर सुरेश उर्फ तोता कि जेब से 1060 रुपए पाए गए, बाकी रुपए दौड़ते समय गिरने के संबंध में बताया। कोतवाली पुलिस ने नवीन हिरवाने द्वारा की गई रिपोर्ट पर इन शख्सों के विरूद्ध धारा 303(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किये। दोनों को गिरफ्तार किये। बालाघाट के निचली अदालत के न्यायाधीश प्रशिक्षण पर जाने की वजह से 20 जुलाई को दोनों को वारासिवनी की अदालत में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ फार्मेसी
आर.टी.ओ. आफिस के सामने, बरबसपुर रोड, कायदी, जिला - बालाघाट (म.प्र.)
73820-53000, 73820-54000
बी.फार्मा 4 Years Eligibility - 12th(Bio/Maths)
Enroll Now
PCI APPROVED
डी.फार्मा 2 Years Eligibility - 12th(Bio/Maths)
मान्यता एवं संबद्धता
• फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई, नई दिल्ली)
• राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
• तकनीकी शिक्षा विभाग म.प्र. शासन
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म.प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

॥ ऊँ शांति ॥ **शोक संदेश** ॥ ऊँ शांति ॥

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जा रहा है कि मेरे पति श्री खूबचंद भोज जी का स्वर्गवास दि. 08-07-2025 दिन मंगलवार को हो चुका हैं। जिनकी आत्मा की शांति हेतु कार्यक्रम निम्नानुसार है-

दि.21-07-2025 सोमवार गंगापूजन, तेरहवीं एवं चौदसी (दोप. 1 बजे)

अतः उक्त कार्यक्रम में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

कार्यक्रम स्थल-सिंधु भवन, सर्किट हाऊस रोड (गोंदिया रोड) बालाघाट

शोकाकुल परिवार
दीपक भोज, संजय भोज, राजेश भोज, इंद्रजीत भोज, पवन भोज, पंकज भोज, सचिन भोज, नितिन भोज एवं समस्त भोज परिवार

शोक संतृप्त
गं. भा. कुसुम भोज (पत्नी)

स्व. श्री खूबचंद जी भोज

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट